THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 173 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.11 2079 मंगलवार, 6 सितंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

धमाका में 2 राजनयिकों समेत 20 की मौत

काबुल, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में रूस के दूतावास के बाहर सोमवार को हुए एक धमाके में 20 लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में से 2 रूसी राजनयिक थे। अफगानिस्तान की स्थानीय मीडिया के हवाले से रूस की सरकारी मीडिया ने ये खबर दी है। अफगान पुलिस ने कहा कि काबुल में रूसी दूतावास के प्रवेश द्वार के पास एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। पुलिस ने कहा कि आत्मघाती हमलावर को दूतावास की सुरक्षा के तैनात हथियारबंद गार्डों ने पहले ही पहचान लिया और उसे गोली मार दी थी। फिर भी वह दूतावास के गेट के करीब पहुंचने में सफल रहा।

ब्रिटेन की तीसरी महिला पीएम होंगी लिज ट्रस

भारतीय मूल के ऋषि सुनक को हराया, क्वीन एलिजाबेथ अपने कार्यकाल में 15वें पीएम को शपथ दिलाएंगी

लंदन, 5 सितंबर (एजेंसियां)। 47 साल की लिज ट्रूस ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री होंगी। उन्होंने भारतीय मूल के ऋषि सुनक को हरा दिया। दक्षिणपंथी लिज बोरिस जॉनसन की जगह लेंगी। लिज को ब्रिटेन की सियासत में फायरब्रांड नेता के तौर पर जाना जाता है। जीत का ऐलान होने के बाद लिज ने सुनक के बारे में कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरी पार्टी में इतनी गहरी समझ वाले नेता हैं। परिवार और दोस्तों का भी शुक्रिया।

लिज तीसरी महिला प्रधानमंत्री होंगी। उनके पहले मार्गरेट थैचर और थेरेसा मे इस पद पर रह चुकी हैं। लिज मार्गरेट थैचर को अपना आदर्श मानती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिज को जीत पर बधाई दी। कहा, भरोसा है कि आपकी लीडरशिप में भारत-ब्रिटेन के रिश्ते मजबूत होंगे। दोनों देशों के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप होगी। नई रोल और जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं। मीडिया और सर्वे में लिज की बहुत बड़ी जीत की भविष्यवाणी हो रही थी।

नतीजे आए तो तस्वीर दूसरी नजर आई। 2001 के बाद लिज पहली ऐसी ब्रिटिश पीएम इलेक्ट हैं जिन्हें 60 प्रतिशत से कम वोट मिले। लिज के खाते में 57 प्रतिशत पार्टी मेंबर्स के वोट आए। 2019 में जब बोरिस जॉनसन प्रधानमंत्री बने तो उन्हें 66.4 प्रतिशत वोट मिले थे। 2005 में डेविड कैमरून को 67.6 प्रतिशत जबकि 2001 में डंकन स्मिथ को 60.7 प्रतिशत वोट मिले थे। थेरेसा में को कभी मेंबरशिप बैलट यानी पार्टी सदस्यों के वोट की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि उनके खिलाफ चुनाव लड़ने वाली प्रत्याशी आंद्रिया लीडसॉम ने पहले राउंड के बाद हार मान ली थी। >12

भारत पहुंचीं शेख हसीना

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आज 4 दिवसीय दौरे पर भारत पहुंच गई हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी। वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करेंगी।

राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भारत-बांग्लादेश के बीच रक्षा, व्यापार, रेलवे, वॉटर मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी से जुड़े 7 समझौते हो सकते हैं। इनमें महत्वपूर्ण कुशियारा नदी जल समझौता भी शामिल है। 8 सितंबर को शेख हसीना अजमेर शरीफ की दरगाह पर माथा टेकने जाएंगी। शेख हसीना ने मुश्किल समय में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ भी की।

250 वर्ष जिन्होंने राज किया, आज वे पीछे रह गए : पीएम

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षक दिवस 2022 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत की। पीएम ने कहा कि युवा दिमाग को आकार देने के लिए हम शिक्षकों के आभारी हैं। हमारे शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इस वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि हमारे वर्तमान राष्ट्रपति भी शिक्षक हैं। उनका जीवन का प्रारंभिक काल शिक्षक के रूप में बीता है।

देश गढ़ने का काम वर्तमान के शिक्षकों के हाथ :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश भी आज नए सपने, नए संकल्प लेकर एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है कि आज जो पीढ़ी है, जो विद्यार्थी अवस्था में हैं, 2047 में हिंदुस्तान कैसा बनेगा ये उन्हीं पर निर्भर होने वाला है। उनका जीवन आप शिक्षकों के हाथ में है। 2047 में देश गढ़ने का काम आज जो वर्तमान में शिक्षक हैं, आने वाले 10-20 साल तक जो सेवाएं देने वाले हैं, उनके हाथ में है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाने में हमारे टीचर्स का बहुत बड़ा रोल रहा है।

हमें बच्चों से जुड़ाव स्थापित करना होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि शिक्षक का काम सिर्फ क्लास लेना या स्कूल की नौकरी करना ही हो। शिक्षक

मोदी बोले- देश के नए सपने, नए संकल्प आज की पीढ़ी पर निर्भर हैं, उनका जीवन शिक्षकों के हाथ में है।

का काम विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना है। शिक्षक का कर्तव्य उनका जीवन स्तर सुधारने और उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाना भी है। इसके लिए हमें बच्चों से जुड़ाव स्थापित करना होगा। इसी जुड़ाव से भविष्य के नेतृत्वकर्ता तैयार होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों के मन की दुविधाओं को दूर करने का काम शिक्षक ही सबसे बेहतर तरीके से कर सकते हैं। शिक्षक होने के नाते हमें विद्यार्थियों से क्लासरूम ही नहीं बल्कि उनके घर तक संपर्क स्थापित करना चाहिए। उनकी पारिवारिक स्थिति के अनुसार, उन्हें सुझाव देने चाहिए।

पीएम ने बताए सफल शिक्षक होने के गुण :

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफल शिक्षक होने के गुण भी बताए। पीएम ने कहा कि सफल टीचर वही होता है जिनकी स्टूडेंट के प्रति पसंद या नापसंद का भाव न रखे। भले ही क्लासरूम में उनकी अपनी संतान ही क्यों न हो। किसी के साथ भेदभाव न हो। शिक्षक समभाव से काम करते हैं। उन्हें प्रत्येक छात्र की चिंता रहनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान अर्थव्यवस्था की भी बात की। पीएम ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से संवाद के दौरान कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत ब्रिटेन से आगे निकल गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस स्थान को हासिल करना विशेष है क्योंकि हमने उन लोगों को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 250 वर्ष तक हम पर शासन किया।

यह आनंद कुछ अलग है :

प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक दिवस से दो दिन पहले आई इस खबर ने आज का आनंद दोगुना कर दिया। मोदी ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में छठे नंबर से पांच पर आने से ज्यादा आनंद इसमें आया कि हमने उन्हें पीछे छोड़ा जो हम पर 250 साल राज करके गए थे। पीएम मोदी ने कहा कि यह पांच बड़ा स्पेशल है। यह मिजाज बहुत आवश्यक है।

हेमंत सोरेन ने विश्वास मत जीता

रांची, 5 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में सोरेन सरकार ने विश्वासमत हासिल किया है। 81 मेंबर्स वाली विधानसभा में सरकार के पक्ष में 48 वोट पड़े। इस दौरान भाजपा ने वॉक आउट किया। विश्वासमत पर वोटिंग के बाद विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

सोरेन सोमवार सुबह छत्तीसगढ़ से लौटे अपने सभी विधायकों को खुद बस से लेकर विधानसभा आए थे। इस दौरान भाजपा विधायकों ने विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। वे सोरेन के विधायकों के छत्तीसगढ़ जाने और दुमका हत्याकांड का मुद्दा उठा रहे थे। सीएम हेमंत सोरेन एक बार फिर से सभी विधायकों के साथ बस में सवार होकर सर्किट हाउस के लिए निकले। मुख्यमंत्री विधायकों के साथ लंच किया। बताया जाता है कि इसके बाद विधायक अपने-अपने घर चले गये।

भाजपा तो विधायक खरीद रही

सदन में सोरेन ने कहा कि हमने सब्जी, राशन और कपड़ा खरीदने की बातें सुनी थीं। भाजपा तो विधायक खरीद रही है। भाजपा के वॉकआउट पर कहा कि विपक्ष इस प्रस्ताव को पूरा सुने। मैदान छोड़कर बाहर न जाए। मैं आंदोलनकारी का बेटा हूं। इनसे डरने वाला नहीं हूं। न डरा हूं और ना ही किसी को डराऊंगा। सोरेन ने कहा, भाजपा राज्यों में गृहयुद्ध के हालात बना रही झारखंड सरकार राज्य में 1932 का खतियान लागू करने की तैयारी में हैं। सोरेन ने कहा, 1932 का खतियान और ओबीसी के मामले में जल्द सरकार आगे बढ़ने वाली है। 1985 की स्थानीयता इन्होंने परिभाषित की। जब 85 की स्थानीयता घोषित हुई तो ताली बजाकर कह रहे थे कि 85 का ही खतियान बेस्ट है। सदन में हेमंत सोरेन ने कहा, विपक्ष ने तंत्र को खत्म कर दिया है सिर्फ लोक बचा है। लोकतंत्र को बचाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बीजेपी देश के आधे राज्यों में गृह युद्ध की स्थिति बना रही है। कपड़ा, सब्जी और राशन को खरीदना सुना था, बीजेपी विधायक खरीद रही है।

मुस्लिम तुष्टिकरण में सरकार जुटी है :

सदन में बीजेपी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा, ना ही कोर्ट की ओर से, ना ही राज्यपाल ने बहुमत साबित करने को कहा, फिर सरकार विश्वासमत क्यों लाना चाहती है। बीते दिनों से सीएम विधायकों को लेकर जिस तरह से घूम रहे हैं। उससे लगता है कि उन्हें अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है। सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण में लगी है। राज्य की बेटियों पर अत्याचार हो रहा है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है।

केरल देवताओं का देश था, अब स्ट्रीट डॉग्स का

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट केरल में स्ट्रीट डॉग्स से जुड़े एक मामले की सुनवाई 9 सितंबर को करने को तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट में वकील वीके बीजू ने कहा कि राज्य में स्ट्रीट डॉग्स के हमले में घायल एक 12 साल की लड़की रेबीज वैक्सीन लेने के बावजूद मर गई थी। वकील बीजू ने कहा कि केरल भगवानों के देश से स्ट्रीट डॉग्स का देश बन गया है।

5 साल में डॉग बाइट के 10 लाख केस :

काउंसिल बीजू ने चीफ जस्टिस यूयू ललित को बताया कि 2016 में, सुप्रीम कोर्ट ने डॉग बाइट से जुड़ी शिकायतों से निपटने और पीड़ितों को मुआवजे का निर्धारण करने के लिए केरल हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एस सिरीजगन के नेतृत्व में एक आयोग का गठन किया था। वकील ने कहा कि जगन कमेटी से मौजूदा स्थिति की जानकारी मंगाई जाए। पिछले 5 साल में डॉग बाइट के 10 लाख केस सामने आए हैं।

2016 में आई थी सिरीजगन आयोग की रिपोर्ट :

2016 में, जस्टिस सिरी जगन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा गया था कि स्ट्रीट डॉग्स की बेतहाशा बढ़ती आबादी सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गई है। अप्रैल 2016 में बने फैक्ट फाइंडिंग पैनल ने कुत्तों के काटने की गंभीरता, मृत्यु के कारणों और सभी अस्पतालों में एंटी-रेबीज टीकों की मुफ्त उपलब्धता का आकलन किया था।

गुजरात में राहुल गांधी का बड़ा ऐलान

सरकार बनी तो 300 यूनिट तक बिजली फ्री, गैस सिलेंडर भी 500 रुपये में देंगे

अहमदाबाद, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर हैं। राहुल दोपहर करीब 12 बजे अहमदाबाद पहुंचे। मंच पर उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी नजर आए। राहुल गांधी ने यहां साबरमती नदी किनारे बने रिवरफ्रंट में कांग्रेस के करीब 52 हजार बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस की सरकार बनने पर गुजरात के किसानों का 3 लाख रुपये का कर्जा माफ करने का वादा किया।

राहुल गांधी ने 300 यूनिट बिजली फ्री देने और गैस सिलेंडर 500 रुपये में देने का घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कोरोना से मरने वालों के परिवारों को भी मुआवजा देने का वादा किया। उन्होंने कहा, गुजरात में कोरोना से तीन लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। लेकिन, राज्य सरकार ने

मृतकों के परिवार वालों की कोई मदद नहीं की। लेकिन, हमारी सरकार बनी तो कोरोना से मरने वालों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। इसके अलावा हम 10 लाख युवाओं को रोजगार भी देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई पार्टी से नहीं है, बल्कि एक विचारधारा से है। सरदार पटेल ने किसानों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। बीजेपी एक तरफ उनकी सबसे बड़ी मूर्ति तो बनाती है, लेकिन उनके विचारों के खिलाफ ही काम करती है। जिन किसानों के लिए सरदार जीते थे, बीजेपी उन्हीं किसानों के लिए 3 काले कानून ले आई। भाजपा ने किसानों के अधिकार छीन लिए। इसलिए किसानों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। आज अगर सरदार पटेल होते तो पहले किसका कर्ज माफ करते, किसानों का या उद्योगपतियों का।

राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र पर आक्रमण, गुजरात की जनता पर आक्रमण, कोई कुछ नहीं बोल सकता है। यह ऐसा राज्य है जहां आंदोलन के लिए परमिशन लेनी पड़ती है। जिसके खिलाफ आंदोलन करना है, उसकी पहले परमीशन लेनी पड़ेगी। यह गुजरात है। हिंदुस्तान में किसी को बिजनस समझना हो तो वह गुजरात आए लेकिन छोटे और मध्यम व्यापारी गुजरात की स्टूंथ हैं। गुजरात सरकार छोटे कारोबारियों की कोई मदद नहीं करती है। छोटे व्यापारियों को नोटबंदी से कोई फायदा नहीं हुआ। बड़े-बड़े उद्योगपतियों को ही फायदा हुआ।

ललित मोदी और सुष्मिता सेन के अलग होने के कयास

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कुछ महीनों पहले एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था, लेकिन अब दोनों के ब्रेकअप के कयास लगने लगे हैं।

दरअसल, ललित मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल के बायो से सुष्मिता का नाम हटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने उनके साथ वाली डिस्प्ले पिक्चर भी बदल दी है। उनके बायो में बस आईपीएल फाउंडर और मून लिखा हुआ है। इसे देखकर यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि दोनों का रिश्ता टूट गया है। हालांकि सुष्मिता और ललित ने अभी तक इस बारे में किसी भी तरह का ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

दिल्ली शराब नीति पर भाजपा का स्टिंग

कहा, शराब माफिया से केजरीवाल-सिसोदिया ने कमीशन कमाया

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने सोमवार को एक स्टिंग वीडियो जारी कर दावा किया कि नई शराब नीति से सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कमीशन कमाया है। स्टिंग जारी करने के बाद भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संबित पात्रा ने कहा, हमने केजरीवाल और सिसोदिया से 5 सवाल पूछे, कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद हमने स्टिंग के जरिए उन्हें एक्सपोज किया है।

भाजपा ने दावा किया कि स्टिंग में दिख रहा शख्स आबकारी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर में 13 नंबर के आरोपी शनि मारवाह के पिता कुलविंदर मारवाह हैं। भाजपा ने इस वीडियो के आधार पर आरोप लगाया कि दिल्ली में शराब नीति के जरिए दलाली कमाई गई।

नई शराब नीति से जो लूट मची थी, उसका आज खुलासा हुआ :

पात्रा ने कहा, जो हम दिखाने वाले हैं, उसमें स्टिंग मास्टर का स्टिंग हो गया है। अरविंद केजरीवाल जी जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने कहा था कि देखो जी अगर कोई भ्रष्टाचार करे तो आप उसका स्टिंग कर लेना, उसकी रिकॉर्डिंग कर लेना और हमें भेज देना,

स्टिंग मास्टर का खुद स्टिंग हो गया

हम सच दिखा देंगे। नई शराब नीति से जो लूट मची हुई थी, उसका आज खुलासा हुआ है। पहली बात यह है कि 80 प्रतिशत का जो लाभ है वो दिल्ली की जनता की जेब से निकाल कर मनीष सिसोदिया और केजरीवाल ने दलाली के माध्यम से अपनी जेब में डाला।

दूसरी बात यह है कि उन्होंने अपना कमीशन रख लिया और उसके बाद दिल्ली की जनता के साथ जो करना है करो, ये छूट ठेकेदारों को, अपने मित्रों को केजरीवाल और सिसादिया ने दी। तीसरी बात यह है कि ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को बुला-बुला कर ठेके दिए गए। चौथी बड़ी बात यह है कि पूरे मामले में व्हाइट मनी को ब्लैक मनी में कनवर्ट करके केजरीवाल और सिसोदिया जी तक पैसा पहुंचाया जाता था।

भाजपा बोली, आप मना तो करे कि वीडियो उनका नहीं :

भाजपा ने कहा कि सिसोदिया ने इससे मोटी कमाई की है। केजरीवाल और सिसोदिया के मित्रों को इससे फायदा हुआ है। सिसोदिया को बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। यह स्टिंग ऑपरेशन पब्लिक डोमेन में है। यह सबूत है कि कमीशन के चलते राजस्व को भारी नुकसान हुआ है। नई शराब नीति के जरिए भारी लूट मचाई गई। दिल्ली की जनता अब स्वयं फैसला कर ले। अब तक आम आदमी पार्टी ने इस पर कोई जवाब ही नहीं दिया। वे मना तो करें कि ये उनका वीडियो नहीं है।

दिल्ली की पुरानी शराब नीति में 60 प्रतिशत दुकानें सरकारी थीं :

दिल्ली में पुरानी नीति के तहत एलआई और एल10 लाइसेंस रिटेल वेंडर को दिया जाता था। इसमें एलआई दुकानें डीडीए के अप्रूव्ड मार्केट, लोकल शापिंग सेंटर, कन्वीनिएंट शॉपिंग सेंटर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर और कम्युनिटी सेंटर में चला करती थीं।

मल्टीट्रॉमा से गई साइरस मिस्त्री की जान

कार एक्सीडेंट में अंदरूनी अंगों में गंभीर चोट पहुंची, यही मौत की वजह बनी

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का रविवार दोपहर को मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर दुर्घटना में निधन हो गया। वे गुजरात के उदवाड़ा में बने पारसी मंदिर से लौट रहे थे।

54 साल के मिस्त्री की मर्सिडीज जीएलसी 220 कार महाराष्ट्र में पालघर के पास रोड डिवाइडर से टकराई थी। इनमें मिस्त्री और उनके दोस्त जहांगीर पंडोले (49) की मौत हो गई, जबकि कार ड्राइव कर रही महिला डॉक्टर अनायता पंडोले और उनके पति दरीयस पंडोले घायल हैं। दरीयस जेएम फाइनेंशियल के सीईओ हैं।

एक चश्मदीद ने बताया कि कार की रफ्तार बेहद तेज थी और दूसरी गाड़ी को रॉन्ग साइड से ओवरटेक करने की कोशिश में अनियंत्रित हुई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक एक्सीडेंट में साइरस मिस्त्री के शरीर के अंदरूनी अंगों में जबर्दस्त चोट पहुंची थी। मेडिकल टर्म में इसे

पॉलीट्रॉमा कहते हैं। इसी वजह से साइरस मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई थी। मुंबई के जेजे हॉस्पिटल में रविवार देर रात को साइरस और जहांगीर का पोस्टमॉर्टम हुआ था।

कार की पिछली सीट पर बैठे थे साइरस और जहांगीर :

चरोटी गांव में सूर्या नदी के पुल पर हादसे का शिकार बनी इस कार का नंबर एमएच-47-एबी-6705 है। इस मर्सिडीज कार में कुल चार लोग सवार थे। ड्राइव कर रही डॉक्टर अनायता और उनके पति दरीयस आगे की सीटों पर थे, जबकि साइरस मिस्त्री और जहांगीर पंडोले पीछे वाली सीटों पर बैठे थे। मिस्त्री और जहांगीर दोनों ने सीट बेल्ट नहीं लगाया था। वहीं, डिवाइडर से टकराने के बाद कार के अगले एयरबैग तो खुल गए, लेकिन पीछे वाले एयरबैग सही समय पर नहीं खुले।

अनायता-दरीयस को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल भेजा गया :

हादसे के बाद अनायता और दरीयस को वापी के इंद्रधनुष अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को यहां के डॉक्टर तेजस शाह ने कहा, जब अनायता और दरीयस को हमारे अस्पताल लाया गया, तो उनकी हालत खराब थी। उनका ऑक्सीजन लेवल गिर गया था और ब्लड प्रेशर भी हाई था। उन्हें बहुत सारे फ्रैक्चर भी हैं। दोनों को सोमवार सुबह मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है।

हाईवे पर होर्डिंग्स की शिकायत कर चुकी थीं अनायता :

साइरस मिस्त्री की कार ड्राइव कर रहीं डॉक्टर अनायता हाईवे पर लगे बेतरतीब होर्डिंग्स को लेकर बीएमसी को शिकायती चिट्ठी लिखी थी। उन्होंने इन होर्डिंग की वजह से ड्राइविंग में परेशानी की बात भी कही थी।

ब्रिटेन में हैं साइरस की पत्नी-बेटे :

साइरस मिस्त्री के बेटे और पत्नी एक फैमिली फंक्शन के लिए ब्रिटेन में हैं। उनके सोमवार को मुंबई पहुंचने की संभावना है। साइरस के पिता और बिजनेस टाइकून पालोनजी मिस्त्री (93) का इसी साल 28 जून को निधन हुआ था।

कर्नाटक हिजाब विवाद पर सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट ने कहा

कोई कोर्ट में जींस पहनकर आ जाए तो उसे मना ही किया जाएगा

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हिजाब विवाद मामले की सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस सुधांशु धुलिया की बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ड्रेस कोड लागू करने का मतलब है कि आप लड़कियों को कॉलेज जाने से रोक रहे हैं।

इस पर जस्टिस गुप्ता ने कहा कि पब्लिक प्लेस पर ड्रेस कोड लागू होता ही है। पिछले दिनों ही एक महिला वकील सुप्रीम कोर्ट में जींस पहनकर आ गईं, उन्हें तुरंत मना किया गया। उसी तरह गोल्फ कोर्स का भी अपना ड्रेस कोड है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा, हम जोर देकर कह रहे हैं कि हिजाब का जो अभी विवाद है, वो धार्मिक नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान किसने-क्या कहा...

संजय हेगड़े (याचिकाकर्ता के वकील) : कॉलेज में ज्यादा कपड़े पहनना ड्रेस कोड का उल्लंघन नहीं है। धार्मिक वजहों से टारगेट किया गया है। इसलिए इतना विवाद खड़ा किया गया।

जस्टिस गुप्ता : कोई लड़की मिनी स्कर्ट पहनकर कॉलेज आ सकती है? कोड लागू ना करें तो कुछ भी पहनने की आजादी होगी? मौलिक अधिकार का भी मामला है।

संजय हेगड़े : स्टेट लॉ के मुताबिक कॉलेज डेवलपमेंट कमेटी की कोई कानूनी मान्यता नहीं है, जबकि यही कमेटी ड्रेस कोड तय करती है। सवाल ये भी है।

जस्टिस गुप्ता : ड्रेस कोड कौन तय करता है? मुस्लिम कॉलेज में भी हिजाब पर पाबंदी है? क्रिश्चियन कॉलेज में भी हिजाब पहनकर जाने की व्यवस्था है?

एडवोकेट जनरल : राज्य सरकार ने कॉलेज डेवलपमेंट कमेटी को अधिकार दे दिया है। कमेटी ही तय करती है। इसमें शिक्षक, पेरेंट्स, स्थानीय विधायक होते हैं। मुस्लिम कॉलेज में वहां की कमेटी तय करती है। क्रिश्चियन कॉलेज में हिजाब पहनकर जाने की अनुमति नहीं है।

कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को दी गई है चुनौती :

सुप्रीम कोर्ट में हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 23 याचिकाएं दाखिल हैं। इन याचिकाओं को मार्च में दाखिल किया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट राजीव धवन, दुष्यंत दवे, संजय हेगड़े और कपिल सिब्बल भी पक्ष रख रहे हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्या दिया था फैसला?

कर्नाटक हाईकोर्ट ने 14 मार्च को हिजाब विवाद पर फैसला सुनाया था, जिसमें कहा था कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। हाईकोर्ट ने आगे कहा था कि स्टूडेंट्स स्कूल या कॉलेज की तयशुदा यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं कर सकते।

उडुपी से शुरू हुआ था विवाद :

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी के शुरूआत में उडुपी के ही एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ था, जहां मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनकर आने से रोका गया था। स्कूल मैनेजमेंट ने इसे यूनिफॉर्म कोड के खिलाफ बताया था। इसके बाद अन्य शहरों में भी यह विवाद फैल गया।

पांच राज्यों में दर्ज हुए देशद्रोह के सबसे ज़्यादा मामले, टॉप पर असम

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। असम में बीते 8 सालों के दौरान राजद्रोह के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक 2014 से लेकर 2021 के बीच देश में दर्ज किए गए 475 राजद्रोह के मामलों में से 69 मामले सिर्फ असम से ही थे।

असम में आए मामलों की संख्या 8 साल के कुल आंकड़ों (राजद्रोह के 475 मामलों) का 14.52 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि पिछले आठ वर्षों में देश में दर्ज छह में से एक राजद्रोह का मामला असम से आया है। एनसीआरबी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जारी किए गए आंकड़ों की रिपोर्ट के आधार पर उन्हें एकत्र करके प्रकाशित किया है। वहीं साल 2014 से हुए राजद्रोह के अब तक के मामलों पर आईपीसी की धारा 124 ए के तहत रजिस्टर्ड डेटा उपलब्ध है।

8 सालों में इस तरह से दर्ज हुए राजद्रोह के मामले

एनसीआरबी की क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2021 में देश भर में 76 राजद्रोह के मामले दर्ज किए गए थे, जो 2020 में दर्ज किए गए 73 मामलों से मामूली रूप से ज्यादा था। वहीं 2019 में इन मामलों की संख्या 93, 2018 में 70, 2017 में 51 मामले, 2016 में 35 मामले, 2015 में 30 मामले और 2014 में 47 मामले दर्ज किए गए थे।

6 राज्यों में आए राजद्रोह के 250 मामले

राजद्रोह के मामलों के राज्यों के किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि असम के बाद हरियाणा में ऐसे सबसे अधिक(42) केस दर्ज किए गए। वहीं इसके बाद झारखंड में 40 मामले, कर्नाटक 38 केस, आंध्र प्रदेश में 32 और जम्मू और कश्मीर 29 केस दर्ज किए गए। कुल मिलाकर इन छह राज्यों में ही 250 मामले दर्ज किए गए हैं जो कि 8 साल में पूरे देश में दर्ज कुल राजद्रोह के मामलों की संख्या के आधे से अधिक हैं।

असम में 2015 और 2016 में नहीं दर्ज हुआ

असम में राजद्रोह के रजिस्टर्ड मामले उस अवधि में दर्ज किए गए जब राज्य के 69 मामलों में से 2021 में तीन, 2020 में 12, 2019 में 17, 2018 में भी 17 मामले, साल 2017 में 19, 2014 में एक मामला दर्ज किया गया था। वहीं राज्य में साल 2015 और 2016 में कोई भी राजद्रोह का मामला दर्ज नहीं किया गया था। इसके अलावा देश के नौ अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पिछले आठ सालों के दौरान राजद्रोह के मामले में दोहरे अंक में पहुंचने वाले प्रदेशों में मणिपुर (28), उत्तर प्रदेश (27), बिहार (25), केरल (25), नागालैंड (17), दिल्ली (13), हिमाचल प्रदेश (12), राजस्थान (12) और पश्चिम बंगाल (12) जैसे राज्य शामिल थे।

देश में 2021 में 1.64 लाख से ज्यादा लोगों ने की आत्महत्या

किसी भी कैलेंडर वर्ष के लिए यह अब तक का सबसे उच्चतम आंकड़ा है

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। देश में 2021 के दौरान 1.64 लाख से अधिक लोगों ने आत्महत्या की और औसतन 450 लोगों की मौत प्रतिदिन या 18 लोगों की मौत हर घंटे हुई। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। किसी भी कैलेंडर वर्ष के लिए यह अब तक का सबसे उच्चतम आंकड़ा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया – 2021' रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, आत्महत्या करने वाले लोगों में लगभग 1.19 लाख पुरुष, 45,026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 महामारी से पहले के वर्षों की तुलना में 2020 और 2021 में आत्महत्या के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है।

गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 में देशभर में 1.53 लाख लोगों ने आत्महत्या की। रिपोर्ट से पता चला है कि 2019 में आत्महत्या करने वालों की संख्या 1.39 लाख थी, 2018 में यह 1.34 लाख, 2017 में 1.29 लाख जबकि 2020 और 2021 में यह संख्या 1.50 लाख से अधिक थी। एनसीआरबी के अनुसार, वह 1967 से आत्महत्या के मामलों के आंकड़ों का संकलन कर रहा है ।

रोचक खबरें

पसन्द है डरावनी गुडिय़ा, डरती नहीं इसी के साथ खेलती है यह बच्ची

छोटे बच्चों विशेष रूप से लड़कियों को गुडिया (डॉल) के साथ खेलना सबसे ज्यादा पसन्द आता है। कई बच्चियाँ अपनी डॉल को सुलाती, नहलाती और खिलाती तक हैं। ऐसे में यदि कोई बच्ची खिलखिलाती मुस्कराती गुडिया के स्थान पर किसी डरावनी शक्ल-सूरत वाली गुडिया के साथ खेलती नजर आए तो आपको आश्चर्य के साथ हैरान भी होगी। लेकिन अमेरिका की एक बच्ची जिसकी उम्र 3 साल बताई जा रही है वह सिर्फ और सिर्फ डरावने खिलौनों के साथ ही खेलती है। इस बच्ची का नाम ब्रायर है। जब सडक पर वो गुडिय़ा को लेकर अपनी माँ के साथ चलती है, तो लोग उन्हें कुछ अजीबोगरीब तरह से देखते हैं। उसकी माँ को लोगों को यह बताना पड़ता है कि उनकी बच्ची को स्टोर में ये डॉल पसंद आ गई और उन्हें बच्ची के लिए इसे खरीदना पड़ा।

ब्रायर की मां ब्रिटनी बेर्ड ने अपनी बेटी की पसंदीदा गुडिय़ा के साथ उसकी फोटो शेयर की है और दिखाया है कि उनकी बेटी को यही डॉल सबसे ज्यादा पसंद है। आम बच्चों की तरह प्यारी और सुंदर सी दिखने वाली बच्ची के हाथ में अजीब सी गुडिय़ा देखकर आप दंग रह जाएंगे। हो सकता है ये डॉल किसी ने डराने के लिए डिज़ाइन की हो, लेकिन इस बच्ची को ये बेहद पसंद आ चुकी है। अमेरिका के फ्लोरिडा में ग्रोवेलैंड की निवासी ब्रिटनी ने बताया कि उनकी 3 साल की बेटी ब्रायर रोज की नई दोस्त ये गुडिय़ा है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक उनके परिवार में ये गुडिय़ा नई सदस्य है, जिसे क्रीपी क्लोई नाम दिया गया है। गुडिय़ा के पूरे शरीर की त्वचा चिटकी हुई है और इस पर दरार वाला पेंट किया गया है। वो पुराने जमाने के कपड़े पहने हुए है और उसे देखने में गंदा बनाया गया है। फेसबुक पर ब्रिटनी ने 26 अगस्त को अपनी बेटी के साथ गुडिय़ा की फोटोग्राफ पोस्ट की है। बच्ची खुद को अजीब सी गुडिय़ा की मम्मी कहती है और पूरा वक्त उसके ही साथ रहती है। ब्रिटनी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि उसकी बेटी ने खुद अपने लिए ये गुडिय़ा पसंद की और उसके लिए अपनी ही पसंद से ड्रेस भी ली। वो हर वक्त उसे अपने साथ लिए रहती है।

दिल्ली में दो अफगान नागरिक 21 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने नोएडा में दो अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 21 करोड़ रुपये मूल्य की 5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी है। प्रकोष्ठ ने नोएडा पुलिस के साथ सूचना साझा की और एक संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की।

सूत्रों ने कहा है, हेरोइन एक गैरेज में खड़ी कार में रखी गई थी। गैरेज में दो मैकेनिक जीतू और अशोक को भी मौके से पकड़ा गया। वे बुलंदशहर के रहने वाले हैं। हेरोइन कार की डिक्की में रखी गई थी। सूत्रों ने कहा, अंदेशा है कि नागरिक ग्रेटर नोएडा में पढ़ाई करने वाले कई अफगान छात्र ड्रग की तस्करी में शामिल हो सकते हैं। गिरफ्तार किए गए अफगान नागरिकों के नाम फिलहाल गुप्त रखे गए हैं।

शिक्षक दिवस पर बड़ा तोहफा

पंजाब के विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में लागू होगा 7वां वेतन आयोग

चंडीगढ़, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिक्षक दिवस पर अध्यापकों को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम भगवंत मान ने राज्य के सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सातवें वेतन आयोग को लागू करने का एलान किया है। एक वीडियो संदेश में सीएम भगवंत मान ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई दी। इसके बाद सीएम ने अध्यापकों को बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने कहा कि एक अक्तूबर 2022 से सातवां वेतन आयोग लागू होगा। सीएम मान ने यह भी एलान किया है कि जल्द ही कॉलेज और विश्वविद्यालयों में गेस्ट फैकल्टी की भर्ती की जाएगी। इससे शिक्षकों की कमी खत्म होगी।

राउत की हिरासत 19 सितंबर तक बढ़ी

पात्रा चॉल घोटाले में किया गया था गिरफ्तार

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई की विशेष अदालत ने आज शिवसेना नेता संजय राउत की न्यायिक हिरासत 19 सितंबर तक बढ़ा दी। राउत को पात्रा चॉल घोटाले के मामले में पिछले माह गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले 21 अगस्त को कोर्ट ने उनकी हिरासत पांच सितंबर तब बढ़ाई थी। इस मामले में राउत पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। यह मामला मुंबई की पात्रा चॉल की जमीन पर बने फ्लैटों की जगह नए घर बनाने में बड़े पैमाने पर धांधली से जुड़ा है। ईडी का आरोप है कि मामले में बड़े पैमाने पर अवैध ढंग से रुपयों का लेन देन किया गया।

इसी मामले में ईडी ने 60 साल के राउत को लंबी पूछताछ व उनके घर पर छापे के बाद एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। पात्रा चॉल मुंबई के उपनगर गोरेगांव में स्थित थी। इसकी जमीन पर बने फ्लैटों की जगह नए घर बनाकर वहां के रहवासियों को दिए जाने थे। हिरासत अवधि पूरी होने पर राउत को सोमवार को विशेष पीएमएलए कोर्ट के जज एमजी देशपांडे के समक्ष पेश किया गया। कोर्ट ने राउत की हिरासत 14 दिन के लिए और बढ़ा दी।

मामले में राउत की पत्नी व अन्य संबंधितों पर भी आरोप लगाए गए हैं।

बता दें, राउत शिवसेना के कद्दावर नेता होने के साथ ही पार्टी के अध्यक्ष व महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के करीबी हैं। राउत का कहना है कि ईडी उन्हें इस मामले में झूठा फंसा रहा है, उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है।

युवक में मिले महिलाओं के यूट्रस और ओवरी, चिकित्सा विशेषज्ञ हैरान

उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने न सिर्फ चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों को अपितु चिकित्साशास्त्र की पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी हैरान कर दिया है। साथ ही आम जनता भी यह सोच रही है कि ऐसा कैसे हो सकता है। बताया जा रहा है कि लखनऊ निवासी एक युवक के अंदर से महिलाओं के यूट्रस और ओवरी निकले। डॉक्टर्स ने उसके अंदर पाए गए महिलाओं के अविकसित भाग को जैसे फलोंपिन ट्यूब, वजाइना यूट्रस, ब्लाइंड पाउच और ओवरी को ऑपरेशन के माध्यम से हटा दिया उसके बाद फैलस रिकंस्ट्रक्शन के जरिए अनडेवेलोपेड लिंग को ग्लैनो प्लास्टि और ट्यूब कंस्ट्रक्शन के जरिए उसे सही कर दिया और ऑपरेशन सफल रहा। हालांकि ऐसा ही एक मामला पिछले महीने चीन से सामने आया था, जहाँ के 33 वर्षीय युवक के अन्दर भी महिलाओं के यूट्रस और ओवरी मिले थे। केजीएमयू के यूरोलॉजी विभाग के सर्जन डॉक्टर विश्वजीत सिंह का कहना है कि 21 साल का एक पेशेंट उनके पास आया था। बचपन से ही उसके माता-पिता ने उसे मेल चाइल्ड के तौर पर पाला था। लेकिन जब वह बड़ा हुआ तो उसके सेक्सुअल ऑर्गन के अंदर कुछ दिक्कतें देखने को मिली। जी दरअसल, पेशेंट के गुप्तांग के स्कोटम में एक टेस्टिस था और एक टेस्टिस नहीं था।

एकनाथ शिंदे का बड़ा फैसला

एमएलसी के लिए महाविकास अघाड़ी सरकार की ओर से प्रस्तावित 12 नाम वापस लिए

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने पिछली एमवीए सरकार द्वारा 2020 में भेजे गए 12 एमएलसी नामांकनों की सूची को वापस ले लिया है और राज्यपाल ने इसके लिए मंजूरी भी दे दी है। शिंदे सरकार अब राजभवन को नए नामों की सूची भेजेगी।

बता दें कि पिछली एमवीए सरकार ने उन 12 नामों की लिस्ट दी थी जिन्हें राज्यपाल कोटे के तहत महाराष्ट्र विधान परिषद में नामित किया जाना था, हालांकि राज्यपाल ने दो साल से अधिक समय पहले मिली इस सूची पर अब तक कोई फैसला नहीं लिया।

एमवीए सरकार की सूची में इन नेताओं का नाम था

उद्धव ठाकरे की ओर से राजभवन को भेजी गई सूची में शिवसेना कोटे से अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर, विजय करंजकर, नितिन बानुगड़े पाटिल और चंद्रकांत रघुवंशी, एनसीपी कोटे से एकनाथ खडसे, राजू शेट्टी, यशपाल भिंगे व गायक आनंद शिंदे और कांग्रेस कोटे से रजनीताई पाटिल, सचिन सावंत, अनिरुद्ध वांकर, मुजफ्फर हुसैन के नाम शामिल थे।

अब भाजपा और शिंदे गुट के बीच एमएलसी सीट का बंटवारा

सूत्रों के अनुसार अब एमएलसी की सीटों का बंटवारा शिंदे गुट और भाजपा के बीच होगा।

भाजपा को एमएलसी की 9 सीटें दी जा सकती हैं जबकि शिंदे गुट के खाते में तीन सीटें जा सकती हैं। हालांकि बताया यह भी जा रहा है कि शिंदे गुट की ओर से चार सीटों का दावा किया जा रहा है।

बेलगावी मठ में लिंगायत धर्मगुरु का शव मिला

पुलिस ने घटनास्थल से बरामद किया सुसाइड नोट

बेंगलुरु, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक लिंगायत धर्मगुरु अपने मठ में मृत पाए गए। बेलगावी जिले में अपने मठ में उनका शव लटका मिला और शव के साथ एक सुसाइड नोट भी मिला है।

सुसाइड नोट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि श्री गुरु मदीवालेश्वर मठ के बसवा सिद्धलिंग स्वामी को उनके अनुयायियों ने सोमवार की सुबह उनके मठ में फांसी पर लटका पाया। सूत्रों का कहना है कि सिद्धलिंग कथित तौर पर एक वीडियो को लेकर परेशान थे। इस वीडियो में दो महिलाएं कुछ मठों में यौन उत्पीड़न को लेकर चर्चा कर रही थीं। इस वीडियो में महिलाओं ने उनके नाम का भी जिक्र किया था। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में दो लड़कियों के यौन उत्पीड़न के आरोप में राज्य के मुरुघा मठ के प्रमुख शिवमूर्ति शरणारू को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

लड़कियों का आरोप था कि शिवमूर्ति शरणारू सालों से उनका यौन शोषण कर रहे थे। धर्मगुरु को चित्रदुर्ग और मैसूर जिलों में विभिन्न संगठनों के विरोध के बाद गिरफ्तार किया गया था। सोमवार को अदालत ने शिवमूर्ति को नौ दिनों की न्यायिक हिरासत में सौंपने का निर्देश दिया। चित्रदुर्ग की सेशन कोर्ट में महंत की जमानत याचिका स्थगित कर दी गई है।

महंत ने मेडिकल ग्राउंड के तहत जमानत याचिक दायर की थी। पिछले हफ्त शुक्रवार को शिवमूर्ति मुरुगा शारानारु को जेल से चित्रदुर्ग के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जेल में महंत ने सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत की थी। पोक्सो अधिनियम के तहत पिछले गुरुवार को महंत को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महंत को गिरफ्तार कर जेल में लाया गया, जहां वह दर्द की शिकायत के बाद बेहोश हो गए थे।

12 एमएलसी के नाम वापस लेने पर एनसीपी का तंज

कहा-कुछ नेताओं को लुभाने के लिए लिया फैसला

मुंबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने सोमवार को दावा किया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार राज्यपाल कोटे के तहत एमएलसी के रूप में 12 नामों के नामांकन के लिए पिछली महा विकास अघाड़ी की सिफारिश को वापस लेने का फैसला सत्तारूढ़ खेमे के नेताओं को लुभाने के लिए किया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार ने दो साल पहले एमएलसी के रूप में नामांकन के लिए 12 नामों की सिफारिश की थी, लेकिन उनकी फाइल को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कभी मंजूरी नहीं दी। महाविकास अघाड़ी द्वारा सुझाए गए 12 नामों में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर भी शामिल थीं जो कांग्रेस छोड़ने के बाद शिवसेना में शामिल हो गई थीं। शिंदे सरकार ने राज्यपाल से कहा कि उन्हें जल्द ही नामांकन की नई सूची से अवगत कराया जाएगा। वहीं राकांपा के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने सोमवार को कहा, शिंदे सरकार की संवैधानिक वैधता सवालों के घेरे में है और इस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ऐसा लगता है कि शिंदे कैबिनेट महा विकास अघाड़ी सरकार द्वारा लिए गए पहले फैसलों को पलटने के एकमात्र एजेंडे से प्रेरित है।

बागियों की पहली पसंद बनी बीजेपी

2014 से अब तक 211 विधायक और सांसदों ने जॉइन की भाजपा

सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगा

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जदयू प्रमुख नीतीश कुमार द्वारा बिहार में भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ने के हफ्तों बाद शुक्रवार को मणिपुर के छह जनता दल (यूनाइटेड) विधायकों में से पांच सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इसके साथ ही 2014 से भाजपा में शामिल होने के लिए अपनी पार्टियों को छोड़ने वाले विधानसभा सदस्यों और सांसदों की संख्या 211 पहुंच गई है। राज्य में जदयू के एकमात्र विधायक जो भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं, वह लिलोंग से विधायक मोहम्मद नासिर हैं।

भाजपा ने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों में मणिपुर की 60 में से 32 सीटें जीती थीं और उसे विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) का भी समर्थन हासिल है। अब पार्टी में जदयू के पांच विधायक भी शामिल हो गए हैं। मणिपुर के इस सियासी घटनाक्रम को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पिछले महीने भाजपा से गठबंधन तोड़ने के परिणाम के तौर पर देखा जा रहा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के विश्लेषण से जानकारी निकलकर सामने आई है कि 2014 में केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से लेकर 2022 तक 211 विधायक और सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं।

दूसरी ओर, इस दौरान 60 सांसदों (विधायक और सांसदों) ने भाजपा छोड़ी। विपक्षी दल भाजपा पर अपने "संसाधनों", प्रलोभनों के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों के इस्तेमाल के भी आरोप लगाते रहे हैं।

मणिपुर के हालिया सियासी घटनाक्रम के बाद जेडीयू ने भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा ने विधायकों को जदयू से अलग करने के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल' किया है। इस बीच, भाजपा जदयू सहित विपक्षी दलों पर अपने विधायकों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाती है।

कांग्रेस को बड़ा नुकसान

एडीआर रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक,कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका लगा है। पार्टी के सबसे ज्यादा विधायकों और सांसदों ने कांग्रेस छोड़ी है। 2014 से 2021 तक यह संख्या 177 है और इस साल गोवा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव से पहले 20 और इसमें जुड़ गए हैं। इनमें से 84 ने भाजपा का हाथ थामा है, जिनमें 2021 तक 76 और इस साल विधानसभा चुनावों के करीब 8 नेता कांग्रेस छोड़ भाजपा भाजपा में शामिल हुए।

शख्स को 'ब्रेन डेड' घोषित करने के बाद हुआ चमत्कार

दान के लिए अंग निकालते वक्त होने लगी शरीर में हलचल

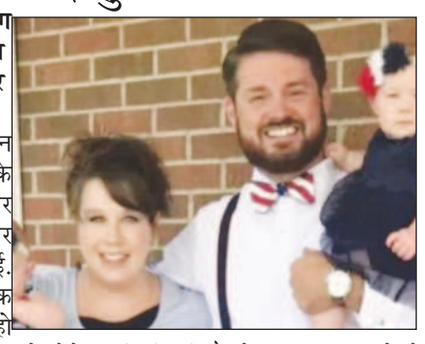

37 साल के रायन मार्लो 3 बच्चों के पिता हैं मगर उनको एक गंभीर बीमारी हो गई. रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें लिस्टीरिया हो गया. ये बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है जो गंदा खाना खाने से होती है. ये बैक्टीरिया सीधे इंसान के दिमाग पर चोट पहुंचाता है. शख्स को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था मगर वो जिंदा था.

जो लोग विज्ञान में ज्यादा विश्वास करते हैं वो चमत्कारों में यकीन नहीं करते, ना ही भगवान या उनके जैसी शक्ति में विश्वास रखते हैं. मगर इस बात को नकारा नहीं जा सकता है कि दुनिया में एक ऐसी शक्ति जरूर है जो हमें चला रही है, क्योंकि हमारे आसपास कई ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब विज्ञान भी नहीं दे पाता. ये सवाल अक्सर चमत्कार के रूप में इंसानों के सामने आते हैं. ऐसा ही एक चमत्कार अमेरिका के एक शख्स के साथ हुआ जिसे डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था मगर अचानक से वो जिंदा हो गया. मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 37 साल के रायन मार्लो 3 बच्चों के पिता हैं मगर उनको एक गंभीर बीमारी हो गई. रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें लिस्टीरिया हो गया. ये बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है जो गंदा खाना खाने से होती है. ये बैक्टीरिया सीधे इंसान के दिमाग पर चोट पहुंचाता है. वो दो हफ्तों तक नॉर्थ कैरोलाइना के एक अस्ताल में एडमिट रहे मगर उनकी कंडीशन में जरा भी सुधार नहीं आया. उसके बाद 27 अगस्त को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया, यानी उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था. उनकी पत्नी मेगन ने सोशल मीडिया पर लाइवस्ट्रीम कर पति से जुड़ी पूरी बात बताई. उन्होंने कहा कि जब डॉक्टरों ने इस बात की सूचना दी तो वो पूरी तरह से टूट गई थीं. रायन एक ऑर्गन डोनर थे इस वजह से शरीर को वेंटिलेटर पर रखकर उनके लंग्स, हार्ट और लिवर को एक्टिव रखा जा रहा था।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 6 सितंबर, 2022 3

सु वि चा र

सत्य बोलने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि तुम्हें स्मरण नहीं रखना पड़ता कि तुमने किससे कहा और क्या कहा है।

हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह से पहले किशन रेड्डी को याद आया स्वतंत्रता संग्राम

कहा, केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे हैदराबाद मुक्ति के जश्न के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घोषणा की कि गृह मंत्री हैदराबाद मुक्ति का जश्न मनाने के लिए तेलंगाना राज्य में आयोजित होने वाले साल भर के समारोहों के उद्घाटन की अध्यक्षता करेंगे। श्री रेड्डी ने कहा कि जब हम 15 अगस्त को भारत की आजादी का जश्न मनाते हैं, तो हमें उस दिन को भी मनाना चाहिए, जिस दिन हैदराबाद को ब्रिटिश शासन से मुक्त किया गया था।

भारत को ब्रिटिश शासन से 15 अगस्त 1947 को आज़ादी मिली थी। लेकिन उस समय हैदराबाद को आज़ादी नहीं मिली थी। उन्हें लगातार संघर्ष और बलिदान के 13 महीने लगे, और हैदराबाद अंततः निज़ाम से मुक्त हो गया और भारत के साथ एकजुट हो गया। हजारों लोगों ने इस उद्देश्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी, भाजपा नेता ने कहा।

केंद्रीय मंत्री ने हैदराबाद की मुक्ति में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका की भी प्रशंसा की और निजाम के शासन में अत्याचारों के बारे में बात की। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने हैदराबाद की मुक्ति में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, उनके प्रयासों के बिना, यह संभव नहीं होता। आज़ादी के दौरान निज़ाम की सेना और सरकार ने बहुत जुल्म किए। उन्होंने लोगों को लूटा और महिलाओं के साथ बलात्कार किया। उन्होंने तिरंगा लहराने या राष्ट्रगान गाने वाले किसी भी व्यक्ति को निशाना बनाया। चूंकि भारतीय जनता पार्टी ने राज्य विधानसभा चुनावों को प्राथमिकता दी है, इसलिए केंद्र ने हैदराबाद की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस साल चलने वाले समारोह का आयोजन करने का फैसला किया है। विशेष रूप से, भाजपा ने हैदराबाद में एक राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की थी जिसमें देश के सभी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था, जिसके बाद प्रधानमंत्री की रैली हुई थी। हैदराबाद निज़ाम के शासन के अधीन था और पुलिस ने 'ऑपरेशन पोलो' नाम से इसकी मुक्ति के लिए अभियान चलाया था जो 17 सितंबर, 1948 को समाप्त हुआ था। हैदराबाद लिबरेशन डे का साल भर चलने वाला उत्सव 17 सितंबर, 2022 से 17 सितंबर, 2023 तक आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में होगा।

अग्रवाल समाज केंद्रीय कार्यालय में केन्द्रीय समिति ने की बैठक

अग्रवाल समाज धूमधाम से मनाएगा अग्रसेन जयंती : अंजनी अग्रवाल

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा रजत जयंती व महाराजा श्री अग्रसेनजी की 5145वीं जयंती पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन सोमवार, 26 सितंबर को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन 3 में किया जायेगा। जयंती के उपलक्ष्य में समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। भाग्यनगर में पहली बार एक दिवसीय अग्र भागवत का आयोजन 11 सितंबर को शमशाबाद स्थित अतिथि कन्वेंशन में किया जायेगा। राघव रत्ना टॉवर स्थित अग्रवाल समाज केंद्रीय कार्यालय में जयंती महोत्सव के संबंध में केन्द्रीय समिति सदस्यों के साथ आयोजित सभा में महाराजा अग्रसेनजी को तस्वीर पर माल्यार्पण और पूजा करने के पश्चात विचारों को व्यक्त करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि समाज की स्थापना के बाद से इस वर्ष महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5145 वी जयंती को रजत जयंती के रूप मनाया जाएगा। अध्यक्ष ने समाज को विभिन्न शाखाओं द्वारा पिछले कुछ महनों में तिरंगा यात्रा, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, गणेश प्रतिमाओं की स्थापना जैसी गतिविधियों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए प्रव्रता व्यक्त की। अवसर पर समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने समाज द्वारा श्रीशैलम में भवन निर्माण हेतु की जा रही पर जानकारी सभा में प्रस्तुत की। जयंती के प्रमुख संयोजक डॉ. दिलीप पंसारी ने कहा कि अग्रवाल समाज शाखाओं के सभी पदाधिकारियों के साथ ही समाज के सदस्यों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि हम इस वर्ष महाराज अग्रसेन जी के जयंतर उत्सव को रजत जयंती के रूप में आयोजित कर रहे हैं। इसी बीच 12 से 25 सितंबर के बीच समाज की विभिन्न शाखाओं, सदस्यों द्वारा निजी अथवा अन्य संस्थाओं के माध्यम से अपना या समाज की केंद्रीय समिति के साथ मिलकर कार्यक्रम के आयोजन पर विचार जारी है। बच्चों के लिए पेंटिंग, बाद-विवाद, फैशन प्रतियोगिता, युवाओं के प्रशिक्षण, युवा महोत्सव, स्वास्थ्य जागरूकता, अग ज्योति यात्रा एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज के मानद मंत्री कपूरचन्द गुप्ता ने पिछली सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अवसर पर अग्रवाल विज कनेक्ट (ए बी सी) के सदस्यों उदय गुप्ता, सुधीर अग्रवाल, दीपा जालान, आकांक्षा डालमिया और विको अग्रवाल की उपस्थिति में एबीसी संबंधित पोस्टर भी लांच किया गया। ज्ञात हो कि एबीसी के माध्यम से अग्रवाल समुदाय के बीच आपस में व्यवसाय समाज हित के कार्य और आपसी मेलमिलाप को प्रोत्साहित किया जाएगा। संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा संपन्न हुई। इस अवसर पर मुकुन्दलाल अग्रवाल, दीनबधु अग्रवाल, कैलाश केडिया, राजकुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, रिंकू गर्ग, शीतल रुंगटा आदि उपस्थित रहे।

वैष्णव समाज की रेवाड़ी शोभायात्रा आज

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दम्माईगुडा स्थित श्री वैष्णवधाम राम मंदिर सेवा संस्थान मे तेलंगाना वैष्णव सेवा संघ परिवार द्वारा मंगलवार 6 सितम्बर को देव झुलनी ग्यारस के पावन अवसर पर भगवान श्री कृष्णा की रेवाड़ी शोभायात्रा शाम 5 बजे मंदिर प्रांगण से निकाली जाएगी। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष विष्णु रामावत ने बताया कि हर वर्ष की भांति देव झुलनी ग्यारस के पावन अवसर पर ठाकुरजी महाराज की रेवाड़ी शोभायात्रा समाज बन्धुओं के सान्निध्य मे निकाली जाएगी। प्रातः वेला मे मंदिर प्रांगण को विशेष फूलों से सजाकर ठाकुरजी महाराज का श्रृंगारकर शाम 5 बजे नाचते-गाते हुए रेवाड़ी शोभायात्रा निकाली जाएगी। कृष्ण जन्माष्टमी के पश्चात् भारतीय हिन्दु सनातन धर्म संस्कृती के अनुसार देव झुलनी ग्यारस के पावन अवसर पर पुजा-अर्चनाकर देश के विभिन्न स्थानों पर ठाकुरजी महाराज की रेवाड़ी शोभायात्राएँ निकाली जाएगी। भारतीय संस्कृती मे ऐसी मान्यता है कि देव झुलनी ग्यारस के पश्चात् वर्षा ऋतु का समापन होकर शीत ऋतु प्रारम्भ हो जाती है। जिसमे खेतों मे फसले पक कर तैयारी हो जाती है। शोभा यात्रा मे वैष्णव सेवा संघ के सभी पदाधिकारी सपरिवार भाग लेगे। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समयपर सपरिवार पधाकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

एयर वाइस मार्शल मनीष खन्ना ने सीएडब्ल्यू सिकंदराबाद की कमान संभाली

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर वाइस मार्शल मनीष खन्ना, एवीएसएम, वीएम ने सोमवार को कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू), सिकंदराबाद की कमान संभाली। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र है। उन्हें भारतीय वायु सेना में 1986, दिसंबर में एक लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था। वह कैट 'ए' क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं, जिन्होंने विभिन्न लड़ाकू और ट्रेनर विमानों पर 4000 घंटे से अधिक दुर्घटना-मुक्त उड़ान भरी है। वह डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर और नेशनल डिफेंस कॉलेज से स्नातक हैं। उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन, एयरक्रू एक्जामिनिंग बोर्ड और एक फ्लाइंग बेस की कमान संभाली है। वायु अधिकारी के पास वायु रक्षा, जमीनी हमले, सामरिक टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में समृद्ध परिचालन अनुभव है।

कुख्यात चोर को पकड़ा गया, आभूषण बरामद

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोपालपुरम पुलिस ने कथित तौर पर कई चोरी में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके पास से 60,000 रुपये का चोरी का सामान जब्त किया। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने गुंटूर के मूल निवासी 39 वर्षीय एम शिव अंजनयुलु को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, उसने 1 सितंबर को चिलकलगुडा में 3.5 लाख रुपये के कीमती सामान की चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। मकान मालिक घर में ताला लगाकर अपनी बेटी को स्कूल से लेने निकला था तभी अंजनयुलु घर में घुस गया और कीमती सामान लेकर फरार हो गया। डीसीपी नार्थ जोन चंदना दीप्ती ने कहा कि वह पहले शहर के कोट्टूरपुरम (चेन्नई), एसआर नगर, चिलकलगुडा और हुमायूंनगर में संपत्ति के अपराधों में शामिल था।

तेलंगाना के नागरकर्नूल के सासंद पी. रामुलू ने दक्षिण मध्य रेलवे के प्रभारी महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से रेल निलयम, सिकंदराबाद में मुलाकात की और अपने क्षेत्र में रेल विकास योजनाओं से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

नारसिंगी में काग परिवार द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चना व अन्नदानम कार्यक्रम में उपस्थित जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, आयोजक बाबुलाल काग, जगदीश, कालुराम काग, रमेश हाम्बड़ व अन्य।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 60 एकल विद्यालयों का समर्थन करेगा एनसीसी लिमिटेड

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी लिमिटेड ने अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) हस्तक्षेप के तहत तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए 60 एकल विद्यालयों का समर्थन करने के लिए 13.2 लाख रुपये प्रदान किए। प्रयास है कि दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षा को हर बच्चे तक पहुँचाया जाए और धीरे-धीरे सामाजिक परिवर्तन का मॉडल भी बनाया जाए।

इस संबंध में, एनसीसी के कार्यकारी निदेशक एजीके राजू ने एकल अभियान आंदोलन से संबद्ध फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी को चेक प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य देश भर में एकल विद्यालय की स्थापना करके आदिवासियों के बीच साक्षरता और स्वास्थ्य में सुधार करना है। स्कूलों का नेतृत्व एक स्थानीय व्यक्ति करता है और पाठ्यक्रम में बुनियादी साक्षरता शामिल है। समाज सचिव पंकज अडुकिया, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता उपस्थित थे।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एनसीसी ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत सामाजिक-आर्थिक, स्वास्थ्य देखभाल, ग्रामीण आवास, कौशल विकास, उद्यमिता और शैक्षिक पहल की।

समन्वय से कार्य करें विभिन्न विभागों के अधिकारी : स्टीफन रवीन्द्र

साइबराबाद सीपी ने गणेश विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में विनायक विसर्जन वाले तालाबों का आज साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम स्टीफन रवींद्र, अपराध डीसीपी कलमेश्वर सिंगनवार, साइबराबाद यातायात डीसीपी टी श्रीनिवास राव, मधापुर डीसीपी सुश्री शिल्पावल्ली आदि ने विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सीपी समेत जीएचएमसी, आरएंडबी, टीएसएसपीडीसीएल, सिंचाई, अग्निशमन सेवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित अन्य अधिकारियों ने कर्मचारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कुक्कटपल्ली में आईडीएल तालाब में गणेश विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया और सीसीटीवी निगरानी कक्ष में सीसीटीवी का निरीक्षण करने के बाद संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर सीपी ने कहा कि सभी लोग त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। साइबराबाद कमिश्नरी के अधिकार क्षेत्र के सभी क्षेत्रों में गणपति विसर्जन समारोह के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं. उन्होंने कहा कि विसर्जन कार्यक्रम के लिए स्थापित बच्चों के तालाबों को जीएचएमसी के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से साफ किया जाता है और पानी को साफ रखा जाता है। विसर्जन के लिए कुल 7 भारी क्रेनें तालाब में स्थापित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी स्टाफ और ट्रैफिक स्टाफ ने सभी इंतजाम किए हैं ताकि विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उन तालाबों में कोई परेशानी न हो जहां विसर्जन होता है। अधिकारियों को विसर्जन के मौके पर गड्ढों वाली सड़कों को भरने के आदेश दिए गए।

नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन का अखिल भारतीय सम्मेलन शुरू

10 हजार से अधिक ट्रेड यूनियन के नेता व प्रतिनिधि ले रहे है भाग

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) का 30 वां अखिल भारतीय सम्मेलन सोमवार को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्पेलक्स (आरआरसी ग्राउंड), सिकंदराबाद में शुरू हो गया। 5 से 7 सितंबर तक होने वाले 3 दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी एनएफआईआर से संबद्ध दक्षिण मध्य रेलवे कर्मचारी संघ द्वारा की जा रही है। पूरे भारतीय रेलवे के 10000 से अधिक ट्रेड यूनियन नेता और प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय सम्मेलन कार्यक्रम एनएफआईआर कार्य समिति की बैठक के साथ शुरू हुआ। एनएफआईआर के अध्यक्ष गुमान सिंह की अध्यक्षता में और डॉ एम राघवय्या, महासचिव/एनएफआईआर द्वारा संबोधित किया गया। कार्य समिति की बैठक भारतीय रेलवे के मामलों की स्थिति और हाल के वर्षों में केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय द्वारा लागू किए जा रहे नीतिगत परिवर्तनों के प्रभाव से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए हुई। भारतीय रेलवे की संगठनात्मक दक्षता, इसके वित्तीय स्वास्थ्य, लाखों रिक्तियों को भरने और रेलवे कर्मचारियों से संबंधित करियर संबंधी मामलों से संबंधित मुद्दों का मूल निपटाया जा रहा है। इसके पूर्व एक संवादाता सम्मेलन में महासचिव, एनएफआईआर डॉ. एम. राघवय्या ने सरकार की एकतरफा नीतियों को लेकर कहा कि यह भारतीय रेलवे संगठन की अंतर्निहित ताकत को नुकसान पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय रेलवे संपत्तियों के तथाकथित निजीकरण, निगमीकरण और मुद्रीकरण पर सावधानीपूर्वक रुख अपनाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन बीमार न पड़े। श्री राघवय्या ने कहा कि समय आ गया है कि सरकार और रेल मंत्रालय के उन गलत निर्णयों का विरोध किया जाए, जिनके प्रति रेलवे की पूरी टीम हाथ मिलाएगी।

कांटेदान स्थित प्रजापति समाज द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चना व आरती कार्यक्रम में उपस्थित भोमाराम, मोहनलाल हांटवा, अमरचन्द हांटवा, अशोककुमार, मोहन महाराज, पुजारी सुगनाराम व समाज बन्धु।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे निविदा सूचनाओं की जानकारी हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर देखें।

रुचि की अभिव्यक्ति सूचना सं. ईओआय-एससी-02-2022 दि.1.9.2022

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ईच्छुक व्यक्तियों,एनजीओज, ट्रस्ट्स, चैरीटेबुल संस्थाओं, कारपोरेट्स आदि से दि.30-09-2022 के 15.00 बजे तक रुचि की अभिव्यक्ति(इओआय) आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम स.	स्टेशन	ट्रैक एप्रोच की अंदाजन लंबाई	कार्य विवरण
1	सिकंदराबाद स्टेशन(एससी)	दोनों ओर 370 एम.	स्टेशन एप्रोचेस पर रेल क्षेत्र/परिसरों का ट्रैक सहित ओएचइ डिपो के समीप सौंदर्यीकरण कार्य, कम उंचाई के पौधों को रोपित कर ग्रीन कवर/पैचेस का विकास करना।
2	काजीपेट स्टेशन(केजेडजे)	दोनों ओर 400 एम एक ओर 300 एम 100 मी. स्वयं के व्यय पर	
3	वरंगल स्टेशन(डब्ल्यूएल)	दोनों ओर 120 एमएम, एक ओर 200 एम	
4	लिंगमपल्ली स्टेशन(एलपीआय)	दोनों ओर-डब्ल्यूडी एंड पर 790 एम. दोनों ओर - एससी एंड पर 1000 एम.	

ईच्छुक स्पोंसोरिंग आर्गनाइजेशंस/पार्टियों को सलाह दी जाती है कि, वे अपने आवेदनों को ई-मेल landcellsc@gmail.com अथवा डाक द्वारा प्रेषित करें।
उपरोक्त पार्टीज द्वारा सिकंदराबाद डिवीजन में किसी अन्य स्टेशन एप्रोच के सुझाव पर रेलवे तत्संबंधित पर सकारार्थी सोच विचार करेगी।
इस बारे में अधिक जानकारी के लिए ईच्छुक व्यक्तियों/पार्टियों/संगठनों द्वारा निम्न वेबसाइट:
https://scr.indianrailways.gov.in/uploads/files/1662119550323-Beautification%20of%20Railway%20area%20or%20premises%20at%20station%20approaches.pdf देखें।
इस मामले में अधिक स्पष्टीकरण हेतु ईच्छुक व्यक्तियों/पार्टियों/संगठनों से अनुरोध है कि निम्न पदाधिकारियों से संपर्क करें।

क्रम सं.	स्टेशन	पद	संपर्क फोन नं.
1	सिकंदराबाद स्टेशन(एससी)	एडीइएन/इस्ट/एससी	9701371211
2	काजीपेट स्टेशन(केजेडजे)	एडीइएन/नार्थ/ केजेडजे	9701371217
3	वरंगल स्टेशन(डब्ल्यूएल)	एडीइएन/साउथ/ केजेडजे	9701371216
4	लिंगमपल्ली स्टेशन(एलपीआय)	एडीइएन/वीकेबी	9701371214

आवंटित संगठन/पार्टीज स्वयं के उत्तम उद्योग अभ्यास नुसार अधिकतम 10 एसएफटी क्षेत्र (अस्थायी) में प्रासंगिक विवरण के साथ अपना नाम प्रदर्शित कर सकते हैं तथा इस हेतु उन्हें विज्ञापन या प्रचार के लिए अतिरिक्त स्थान या सुविधा प्रदान नहीं की जायेगी।
A1054 मंडलीय रेल प्रबंधक(कार्य), सिकंदराबाद
PUB0779

मिशन 2024 पर दिल्ली निकल पड़ी नीतीश की सवारी

पहली शाम राहुल गांधी के नाम

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को दिल्ली पहुंचे। आज ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सीएम नीतीश की मुलाकात होगी। अपने 3 दिनों के दिल्ली यात्रा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, सीपीएम नेता सीताराम येचुरी समेत कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। दिल्ली रवाना होने से कुछ ही घंटे पहले नीतीश कुमार राबड़ी आवास पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात राजद सुप्रीमो लालू यादव से हुई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे।

लालू यादव से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने आज लालू यादव से मुलाकात की है और अपनी दिल्ली यात्रा को लेकर उन्हें जानकारी दी। बताया कि दिल्ली में राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति से मुलाकात होगी। आज राहुल गांधी से भी मुलाकात होगी।

इससे पहले शनिवार को जदयू की प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिनी बैठक समाप्त हुई। इस बैठक में विपक्ष को एकजुट करने की रणनीति और केंद्र सरकार के खिलाफ मुद्दे क्या होंगे, इसके प्रारूप पर मंथन हुआ। जदयू ने यह भी साफ किया कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के दावेदार नहीं हैं। ताकि, किसी को यह भ्रम न रहे कि जदयू नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष को एकजुट कर रहा है। भाजपा की ओर से यह बार-बार कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री

बनने के लिए एनडीए से बाहर हुए हैं। उसकी काट में यह बात कही गई है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने नीतीश कुमार को 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ देशभर में विपक्ष को एकजुट करने के लिए अधिकृत कर दिया है। पार्टी की प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा जारी प्रस्तावों पर गौर करें तो यह साफ होता है कि उसका पूरा फोकस भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करना है। साथ-ही-साथ पार्टी ने यह भी माना है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरे विपक्षी पार्टियों को एक मंच पर आना ही होगा। इसमें विभिन्न प्रदेशों के क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ कांग्रेस और वामदलों को भी शामिल करना होगा। एक लक्ष्य बनाकर दलों को आपसी मतभेद भुलाकर साथ मिलकर चुनाव लड़ना होगा। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव द्वारा गैर भाजपा और गैर कांग्रेस गठबंधन के प्रस्ताव को जदयू ने खारिज कर दिया है। हालांकि, जदयू ने यह भी संकेत दिया कि वह श्री राव को भी सभी विपक्षी दलों के साथ लाने की पहल करेगा।

एयर एम्बुलेंस से दिल्ली जाएंगे ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव एम्स में होगा इलाज

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं। ऊर्जा मंत्री को पटना के आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। आज सुबह 11 बजे ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव की फ्लाइट कुछ टेक्निकल समस्याओं के चलते रद्द हो गयी थी। ऊर्जा मंत्री शाम 4 बजे एयर एम्बुलेंस के जरिये दिल्ली के लिए रवाना होंगे। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव मंत्री बनने के बाद से ही अस्वस्थ हैं। पहले उन्हें पटना के आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया था। जहां स्वास्थ्य में सुधार के बाद बिजेंद्र प्रसाद यादव का उनके घर पर ही इलाज चल रहा था। बीच बीच में हालत गंभीर होने पर डॉक्टर मौजूद रहते थे। लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए डॉक्टरों ने ऊर्जा मंत्री को दिल्ली एम्स रेफर किया है। दिल्ली पहुंचने के बाद बिजेंद्र प्रसाद यादव दिल्ली के एम्स में अपना इलाज कराएंगे।

लालू को सजा सुनाने वाले जज की दूसरी शादी

रांची, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो को चारा घोटाले में सजा सुनाने और कटघरे में लालू के साथ संवाद के बाद चर्चा में आए जज शिवपाल सिंह एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। 59 साल के शिवपाल सिंह ने 50 साल की अपनी प्रेमिका नूतन तिवारी के साथ दूसरी शादी की है। दोनों की शादी 2 सितंबर को दुमका जिले के वासुकीनाथ मंदिर में हुई है। 2006 में जज शिवपाल सिंह की पत्नी का निधन हो गया था। वकील नूतन तिवारी के पति का भी निधन कुछ साल पहले हो गया था। जज शिवपाल सिंह का एक बेटा और एक बेटी है। वहीं वकील नूतन तिवारी की भी एक बेटी है। परिवार और बच्चों की सहमति से ही दोनों ने शादी की है। शिवपाल सिंह फिलहाल गोड्डा के प्रथम जज हैं। वे पिछले तीन साल से इस पद पर हैं। इनकी गिनती सख्त मिजाज जज के रूप में की जाती है। ये कई अहम फैसले सुना चुके हैं। उसी में एक महत्वपूर्ण फैसला बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से जुड़ा

हुआ है। जिसमें चारा घोटाला के केस में जज शिवपाल सहि ने ही फैसला सुनाया था। एक बार कोर्ट में जब लालू ने इनसे जमानत की गुहार लगाई थी तब इन्होंने उनसे कहा था कि आप बेल लेकर फिर हाथी पर घूमें।

ऐसे हुई थी दोनों की मुलाकात

नूतन गोड्डा उसी कोर्ट में वकील हैं जहां शिवपाल सिंह जज हैं। दोनों की जान-पहचान यहीं से हुई। एक ही पेशे में होने के कारण दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। कुछ दनि के बाद ये नजदीकियां दोस्ती में बदली। दोस्ती प्यार में। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली।

बच्चों ने दी रजामंदी फिर हुए फेरे

जज शिवपाल सिंह की पत्नी का निधन दो दशक पहले ही हो गया था। उनकी एक बेटी और एक बेटा है। बच्चों से आपसी रजामंदी के बाद ही बात शादी तक पहुंची। बेटा और बेटी से रजामंदी के बाद ही जज साहब ने नूतन के संग सात फेरे लेने का फैसला लिया।

वहीं अधिवक्ता नूतन के पति का भी निधन कुछ साल पहले ही हो गया था।

तेजप्रताप की विभागीय मीटिंग रील पर भाजपा का हमला

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अपने अजब गजब कारनामों से तेजप्रताप यादव सुर्खियों में बने रहते हैं। पहले विभागीय मीटिंग में सगे संबंधियों को बैठाकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। एक बार फिर से तेजप्रताप विपक्ष के लिए सरकार पर निशाना साधने का जरिया बन गए हैं। बिहार के वन मंत्री और लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने वन विभाग की बैठक की रील्स बनाकर और इंस्टा पर पोस्ट कर दी। इंस्टाग्राम रील में तेजप्रताप ने बाकायदा गाना भी लगाया है। जिसके बाद से बीजेपी ने सरकार और तेजप्रताप पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया यूजर्स भी ये कहकर चुटकी ले रहे हैं कि तेजप्रताप को उनके हिसाब के विभाग का नहीं मिला है।

राजगीर सफारी दौरे पर बनाई गयी थी रील

पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव रील्स बनाने के पुराने शौकीन हैं। तेजप्रताप ने जो रील अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट की है

जनता के पैसों से हो रही मौज, नौटंकीबाजों की सरकार

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले राजगीर सफारी के दौरे के समय भी उन्होंने वहां रील्स बनाई थी। इन दिनों ये रील वायरल हो रही है। तेजप्रताप विभागीय अफसरों के साथ मीटिंग कर रहे थे। भाजपा ने तेजप्रताप की रील के जरिये बिहार सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि बिहार में नौटंकीबाजों और अपराधियों की सरकार है। ये लोग जनता के पैसे पर मौज कर रहे हैं। जनता से इन्हें कोई मतलब नहीं है। जनता किस हाल में है उसकी कोई चिंता इन लोगों को नहीं है। तेजस्वी ने तो आते ही सुरक्षा बढ़वा ली थी। अपराध बढ़ रहा है, लेकिन बिहार सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री को इस पर कोई चिंता नहीं है। ये लोग केवल नौटंकी कर रहे हैं और ये सरकार नौटंकीबाजों की सरकार है। भाजपा प्रवक्ता ने हमला बोलते हुए कहा कि कभी तेजस्वी की विभागीय मीटिंग में पार्टी कार्यकर्ता और कभी तेजप्रताप की मीटिंग में जीजा नजर आते हैं। विभागीय मीटिंग को इनलोगों ने नौटंकी बनाकर रख दिया है और इस पर नीतीश कुमार चुप्पी साध लेते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स बोले- नहीं मिला टैलेंट के हिसाब से विभाग

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने तेजप्रताप की रील पर कमेंट किया। ज्यादातर यूजर्स ने चुटकी लेते हुए कमेंट में लिखा कि तेजप्रताप को उनके टैलेंट का विभाग नहीं मिला है। कुछ यूजर्स ने उनके इस पुराने शौक को जानते हुए लिखा कि काम से ज्यादा इंस्टाग्राम रील्स बनाने में ही तेजप्रताप मस्त रहेंगे।

ओमप्रकाश राजभर की पार्टी में बगावत

मऊ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में बगावत हो गई है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर समेत कई नेताओं ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। सोमवार को मऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महेंद्र राजभर ने सुभासपा प्रमुख पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश राजभर परिवारवाद कर रहे हैं। सुभासपा अब पिता-पुत्र की पार्टी बनकर रह गई है। ओमप्रकाश गरीबों की बात करते थे, लेकिन वह अपने मिशन से भटक गए हैं।

आरोप लगाया कि सुभासपा प्रमुख पैसे लेते हैं और पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं होता। यह भी आरोप लगाया कि ओमप्रकाश राजभर का संबंध जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी से है। कहा कि मुख्तार सुभासपा प्रमुख के बड़े भाई हैं। ओमप्रकाश राजभर कोई भी फैसला मुख्तार अंसारी से पूछ कर ही लेते हैं।

मुख्तार अंसारी के फरार बेटे को बचाने की कोशिश में जुटे राजभर महेंद्र राजभर ने कहा कि हम 30 लोग आज पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। विधानसभा चुनाव 2022 में हम लोगों ने पार्टी के लिए पूरी मेहनत की। अब्बास अंसारी के

एसबीएसपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दिया इस्तीफा, लगाए कई आरोप

समर्थन में नहीं थे लेकिन पार्टी के हर फैसले में साथ थे। एक सवाल के जवाब में कहा ओमप्रकाश राजभर मुख्तार के फरार बेटे व विधायक अब्बास अंसारी को बचाने की कोशिश में जुटे हैं।

उन्होंने कहा कि 20 साल पहले हम सभी की मौजूदगी में पार्टी बनाई गई थी। उस समय पार्टी का मिशन गरीब, दलित, मजदूर और वंचित समाज का उत्थान रखा गया था जबकि उसके बाद से कार्यकर्ताओं के खून-पसीने से बनी पार्टी का इस्तेमाल ओमप्रकाश राजभर ने केवल धन बटोरने के लिए किया। बता दें कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर काफी समय से नाराज थे। हाल के दिनों में कई नेताओं ने उन्हें मनाने की कोशिश की थी। अंततः सोमवार को उन्होंने प्रेस वार्ता कर 30 पदाधिकारियों के साथ पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी। निकाय चुनाव से पहले ओमप्रकाश राजभर के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। सुभासपा छोड़ने वाले नेताओं में मुख्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलराम राजभर, प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश राजभर प्रदेश महासचिव अर्जुन चौहान, प्रदेश महासचिव रामआसरे पासवान, जिलाध्यक्ष कुशीनगर ओमप्रकाश राजभर ,प्रदेश महासचिव रमेश सिंह चौहान, विजय कुमार, विजय प्रकाश भारती, सुभाष राजभर, मुन्ना राजभर, उस्मान, विश्वनाथ प्रसाद, निराला, देवदत्त यादव आदि शामिल हैं।

पटना में दो नावें टकराकर गंगा में डूबीं

50 से ज्यादा लोग सवार थे, 8-10 अभी भी लापता, तेज बहाव के चलते हुआ हादसा

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में गंगा नदी में 50 लोगों से भरी 2 नावों की टक्कर हो गई। इससे दोनों नाव नदी में पलट गईं और इनमें सवार लोग नदी में गिर गए। हालांकि, इनमें से ज्यादातर लोगों को नदी से निकाला जा चुका है, वहीं 8 से 10 लोग अब भी लापता हैं। एसडीआरएफ की टीम उनकी तलाश में लगी हुई है। हादसे वाली जगह से 3 किलोमीटर के दायरे में लापता लोगों की तलाश की जा रही है। माना जा रहा है कि गंगा के तेज बहाव के चलते दोनों नाव का बैलेंस बिगड़ने से ये हादसा हुआ। इधर, मनेर सीओ (सर्किल ऑफिसर) ने बताया है कि रविवार शाम 5.30 बजे शाहपुर थाना क्षेत्र के शेरपुर घाट पर यह हादसा हुआ। इसमें 2 नावों की टक्कर से करीब 50 लोग गंगा नदी में गिर गए। इनमें से 40-42 लोग सुरक्षित बाहर आ गए। 8 से 10 लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। शाहपुर थाना क्षेत्र के दाऊद पुर के रहने वाले करीब 50 लोग नाव से जानवरों का चारा लेकर लौट रहे थे। इस बीच शेरपुर घाट

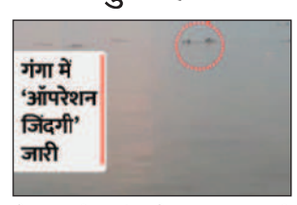

के नजदीक गंगा में अचानक पानी के तेज बहाव के चलते दोनों नावें आपस में टकरा गईं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की एक नाव और ग्रामीणों की दो नाव लेकर गंगा में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया, जो देर रात तक चलता रहा।

अभी तक एक भी शव नहीं मिला

इस घटना के बाद गांव के लोगों ने शाहपुर थाना पहुंचकर पुलिस से इस मामले में मदद मांगी, जिसके बाद शाहपुर थाना प्रभारी ने एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फिलहाल किसी लापता शख्स का शव नहीं मिला है।

कौन-कौन हैं लापता

शाहपुर थाना प्रभारी शब्बीर आलम ने बताया कि नाव पर लगभग 50 लोग सवार थे। इस हादसे में 8 से 10 लोग लापता हुए हैं। पुलिस ने कुछ लोगों की लिस्ट जारी की है।

होटल में लगी भीषण आग में अब तक चार की मौत

सीएम योगी ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हजरतगंज इलाके में एक होटल में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आग होटल लिवाना में लगी है। फायर ब्रिगेड की कई गाड़िया मौके पर आग पर काबू पाने में जुटी हैं। धुएं के बीच कई लोग कमरों में फंसे हैं। दम घुटने से कई लोग बेहोश हो गए हैं। हादसे में चार लोगों के मौत की खबर है। कई की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर की संयुक्त कमेटी को जांच का आदेश दिया है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी घायलों का हालचाल लेने सिविल अस्पताल पहुंचे और कहा कि मामले की जांच की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे हजरतगंज के सुल्तानगंज इलाके में स्थित लिवाना होटल में भीषण आग लगी है। आग में झुलसे लोगों को सिविल अस्पताल भेजा गया है। अभी तक होटल के अंदर से 20 से ज्यादा लोगों को निकाला गया है। कुछ लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि धुएं में दम घुटने से कई लोग बेहोश हो गए हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। दमकल कर्मी भी बेहोश हो गया है। अब तक करीब 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। दो लोगों ने दम तोड़ दिया है। मौके 15 गाड़िया पहुंच चुकी हैं। तीसरी मंजिल की आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर करीब छह एम्बुलेंस और पहुंच गई हैं। रास्ते को बंद कर दिया गया है।

आग पर काबू पाने के लिए बुलडोजर से दीवार तोड़ी गई। जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने बताया कि होटल में कुल 30 कमरे हैं, इनमें से 18 कमरों में लोग थे। 30 से 35 लोग कमरों में मौजूद थे। पहली

मंजिल पर बैंक्वट हॉल है। यहां कई लोग थे। कई लोग सुबह होटल से निकल गए थे।

वहीं, लखनऊ के हजरतगंज के होटल लिवाना में आग लगने की घटना पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने जिला अधिकारियों को झुलसे लोगों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने के साथ ही मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में तेजी लाने को भी कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया।

लखनऊ कमिश्नर एस बी शिरोड़कर ने बताया कि होटल प्रबंधन के रिकॉर्ड के अनुसार 38 से 40 लोग वहां पर रुके हुए थे जिसमें से पुलिस विभाग के अनुसार 10 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जिसमें से दो लोगों की दुखद मौत हो गई जबकि सात लोग अभी अस्पताल में भर्ती हैं। एक व्यक्ति को डिस्चार्ज किया गया है। होटल के कमरों में धुआं ज्यादा होने के कारण अभी तक कितने लोग अंदर फंसे हैं। इसकी जानकारी नहीं हो पा रही है। पुलिस कमिश्नर व मंडला आयुक्त को जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच के उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

इनामी गौ तस्कर मुठभेड़ में घायल गिरोह बनाकर रात में गौकशी करता था

मेरठ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ के सरूरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर को गौ तस्करों और पुलिस में मुठभेड़ हो गई। जहां कुख्यात इनामी गौ तस्कर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। वहीं एक अन्य गौ तस्कर जंगल में फरार हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा है। यह गौ तस्कर गिरोह बनाकर अपने साथियों के साथ गौकशी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। गौकशी की चार घटनाओं में फरार चल रहा था। जिस पर अलग अलग थानों में 7 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के पास से एक तमंचा, दो कारतूस, एक छुरा और अन्य सामान बरामद किया है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि मुठभेड़ में पकड़ा गया गौ तस्कर साजिद पुत्र कय्यूम निवासी गांव जसड़ थाना सरूरपुर है। सरूरपुर, सरधना और जानी क्षेत्र की गौकशी की घटना में यह फरार था। इससे पहले भी साजिद जेल जा चुका है।

11 साल की बेटी के चरित्र पर शक

जिंदा नहर में फेंकते हुए नहीं कांपे मां-बाप के हाथ, बेटे ने खोला हत्या का राज

मेरठ, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ में माता पिता ने 11 साल की बेटी को जिंदा नहर में फेंक दिया। आरोपी माता पिता बेटी को अपनी आंखों के सामने डूबते हुए देखते रहे। इसके बाद थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंच गए। पुलिस ने जांच पड़ताल की तो एक ऐसा घिनौना सच सामने आया जिसने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। पुलिस ने माता-पिता समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मेरठ के गंगानगर स्थित जेजी ब्लॉक निवासी कलेक्शन एजेंट बबलू और उसकी पत्नी रूबी ने 11 साल की बेटी के चरित्र पर शक के कारण भोला झाल की नहर में फेंक दिया। डूबने से उसकी मौत हो गई। वारदात कर माता-पिता ने गंगानगर थाने में चंचल की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने दंपती और उनके एक रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि शव अभी नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, चंचल के फोन पर बातचीत करने

को लेकर अभिभावक नाखुश थे। उन्होंने बेटी को डांटा, जब वह नहीं मानी तो उसकी जान ले ली। 11 साल की बच्ची चंचल की मौत का राज उसके ही छह साल के भाई आरव ने खोल दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया। रविवार के बाद सोमवार को भी बालिका की नहर में तलाश की गई लेकिन उसका शव नहीं मिला। सोमवार को फिर से सर्च अभियान शुरू किया गया।

बागपत के सिंधावली अहीर गांव निवासी बबलू परिवार के साथ गंगानगर में रहता है। बेटी चंचल गंगानगर एफ-ब्लॉक स्थित शारदा पब्लिक स्कूल में कक्षा पांचवीं की छात्रा थी। एक सितंबर को बबलू ने गंगानगर थाने में चंचल की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस लड़की की तलाश में जुटी थी। पुलिस को शक हुआ तो माता पिता को हिरासत में ले लेकर पूछताछ की। बकौल पुलिस, गहनता से पूछताछ की गई तो दंपती ने बताया कि बेटी अक्सर लड़कों से फोन पर बातें करती थी। वे इससे नाराज थे। कई बार रोकने पर भी वह नहीं मानी तो उसे नहर में फेंक दिया, जहां डूबने से उसकी मौत हो गई।

एसपी देहात केशव कुमार ने बताया कि शनिवार को दंपती को थाने बुलाकर पुलिस ने उनके बयान लिए तो उनमें विरोधाभास था। इससे पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने कई जगह पर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। इसमें चंचल अपने माता-पिता के साथ ही बाइक पर जाते हुए दिख रही है। 11 साल की बच्ची चंचल की मौत का राज उसके ही छह साल के भाई आरव ने खोल दिया। पुलिस के मुताबिक उसने अपने बयान में बताया कि मम्मी-पापा चंचल दीदी को पीटते थे और वही उसे बाइक पर लेकर गए थे।

'विधायकजी के घर के बगल में जमीन बिकाऊ है'

विनय बिहारी पर पड़ोसी का आरोप, 20 सालों से नहीं बनने दे रहे घर

बेतिया, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के लौरिया विधायक विनय बिहारी एक परिवार को 20 सालों से घर नहीं बनाने दे रहे हैं। मच्छरगावां निवासी ताराचंद साह नाम के एक व्यक्ति ने विधायक पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। तंग आकर पीड़ित परिवार अब घर बेच देना चाहता है। ताराचंद ने अपने आवास के बिकाऊ होने का बोर्ड लगा दिया है। साथ ही एक वीडियो जारी किया है। ताराचंद साह ने वीडियो में कहा है कि उनका घर विधायक विनय बिहारी के घर से सटा हुआ है। उनके पास घरारी की जमीन है, जो उनके नाम से बंदोबस्त है। विधायक और उनका परिवार 20 वर्षों से उनका घर नहीं बनने दे रहे हैं। वो उनके परिवार के खिलाफ तब के पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी से लेकर स्थानीय डीएम तक को कई बार शिकायत कर चुके हैं। लेकिन विधायक और उनका परिवार अपने प्रभाव के कारण स्थानीय थाना और अंचल ऑफिस बुलाकर उन्हें प्रताड़ित करवाते हैं। ताराचंद साह ने यह भी बताया कि दो दिन पहले विधायक द्वारा फोन कर उनको थाना पर बुलवाया गया। थाना प्रभारी द्वारा पुलिसिया धौंस दिखाकर एक सादा कागज पर उनसे हस्ताक्षर ले लिया गया है। इसके बाद उन्होंने अपने पूरे परिवार सहित मच्छरगावां के घर पर एक पोस्टर लगाकर विधायक द्वारा प्रताड़ित करने एवं विवाद में परेशान करने की बात लिखी है।

शिक्षक अभ्यर्थियों को गांधी मैदान में किया बंद

शृंखला बनाकर सांकेतिक प्रदर्शन करने जुटे थे अभ्यर्थी, प्रशासन ने सभी गेट किए बंद

पटना, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में सोमवार को भी एसटीईटी और सीटीईटी पास शिक्षक अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे। करीब 200 की संख्या में अभ्यर्थी गांधी मैदान में सांकेतिक प्रदर्शन करने जुटे। भीड़ बढता देख प्रशासन ने गेट बंद कर दिया। लगभग सभी गेट को बंद कर वहां पुलिस बल को बहाल कर दिया गया, ताकि कोई बाहर नहीं निकल पाए। देखते ही देखते

बाहर भी करीब 200 अभ्यर्थी जुट गए। इसके बाद प्रशासन 5 अभ्यर्थियों के प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए ले गई।

शिक्षक अभ्यर्थी गांधी मैदान में एक शृंखला बना कर सरकार को अपनी मांगों को मनाने के लिए सांकेतिक प्रदर्शन कर रहे थे। तब तक प्रशासन ने ज्यादा भीड़ जुड़ता देख सभी गेटों को बंद कर दिया। अब अभ्यर्थी ना जा बहार जा सकते थे और ना ही अंदर। अभ्यर्थियों की सरकार से मांग है कि सरकार तुरंत 7वें चरण प्राथमिक विज्ञप्ति जारी करें।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने कहा कि चाहे जो हो जाए हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। हम बेरोजगारी की तरफ बढ़ रहें हैं। हम भीख मांगने को मजबूर हो गए है।

गौरत्न जसमत पटेल का अभिनंदन समारोह संपन्न

जन्मदिन पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल का अभिनंदन करते हुए रमेशकुमार बंग, गोविंद राठी, मुकेश चौहान, आर.के. जैन, रिद्धीश जागीरदार, विरेन्द्र अग्रवाल, दिनेश गोसर, पारस जागीरदार, रामकृष्ण पटेल, रंजना शाह, अच्युत रामानुजाचार्य, भाग्यलक्ष्मी मंदिर ट्रस्टी शशिकला, रूबी मिश्रा, एवं अन्य।

हैदराबाद,5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सुलतान बाजार स्थित रॉयल प्लाजा में आयोजित कार्यक्रम मे प्रमुख समाजसेवी गौरत्न जसमत पटेल का विभिन्न संस्थाओं की ओर से अभिनंदन किया गया।

लव फॉर काऊ के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन व भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मंत्री जसमतभाई पटेल का विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने शॉल, माला द्वारा अभिनंदन किया। महेश बैंक के चेयरमेन रमेशकुमार बंग, लव फॉर काऊ के रिद्धीश जागीरदार, रंजना शाह, परमेश्वरी शर्मा, मेघना जैन, भाग्यनगर गणेश उत्सव महिला समिति व भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी शशिकला, रूबी मिश्रा, श्री जगन्नाथ स्वामी मठ (सितारामबाग) के उत्ताराधिकारी अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज), अखिल भारत हिन्दु महासभा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष आर.के.जैन, जैन राजनीतिक चेतना मंच के मुकेश चौहान, श्री कच्छी मित्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य दिनेश गोसर, राजस्थानी प्रगति समाज के गोविंन्द राठी, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरूण महेता, अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष पारस जागीरदार, सदस्य लक्ष, हर्षित नागडा, श्री वासूपूज्य स्वामी हंस मंदिर भोनगीर के ट्रस्टी जिनेन्द्र बाफना, गौ सेवक एन. रमेश, विशाखा इन्डस्ट्रीज के उपाध्यक्ष राजी रेड्डी, एन. एस. पटेल एजेन्सी के निदेशक रामकृष्ण पटेल, आदि विभिन्न समाज के पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

स्कूलों में शौचालयों की स्थिति पर हाई कोर्ट का तीखा सवाल, क्या आप किसी शुभ दिन का इंतजार कर रहे हैं?

मुंबई,5 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पूरे महाराष्ट्र के स्कूलों में शौचालयों की खराब स्थिति को लेकर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। अदालत ने सरकार से पूछा कि क्या वह शक्तिहीन है या इस मुद्दे पर नीति बनाने के लिए किसी शुभ दिन की प्रतीक्षा कर रही है।

न्यायमूर्ति प्रसन्ना वरले और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की खंडपीठ ने कहा कि वह दयनीय स्थिति से आहत हैं।

अदालत कानून की दो छात्राओं निकिता गोर और वैष्णवी घोलवे द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लागू नहीं करने पर चिंता जताई गई थी, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और विशेष रूप से किशोर लड़कियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-44	बजे
चंद्र-	धनु	में	कन्या	06-51	बजे
मंगल	वृष	में	तुला -	08-56	बजे
बुध-	कन्या	में	वृश्चिक	11-06	बजे
गुरु-	मीन	में	धनु---	13-20	बजे
शुक्र-	सिंह	में	मकर-	15-26	बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ -	17-17	बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	18-54	बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	20-30	बजे
			वृष--	22-15	बजे
			मिथुन..	00-16	बजे
			कर्क...	02-19	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल-उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि-एकादशी - **03-04** तक उपरान्त, द्वादशी
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष ,मंगलवार, **06 Sep**
नक्षत्र -पूर्वाषाढा - **18 -09** - तक उपरान्त, उतराषाढा
योग - आयुष्मान - **08- 14** - तक उप- सौभाग्य
करण- वणिज - **16 -31** - तक,उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पद्मा जलझूलनी ११ व्रत-स्मार्त

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
15:20 से
16:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:06 - 07:37	अशुभ	काल.	18:25 - 19:52	अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:09	अशुभ	लाभ.	19:52 - 21:20	शुभ
चंचल	09:09 - 10:42	शुभ	उत्पात	21:20 - 22:47	अशुभ
लाभ	10:42 - 12:14	शुभ	शुभ	22:47 - 00:14	शुभ
अमृत	12:14 - 13:47	शुभ	अमृत	00:14 - 01:42	शुभ
काल	13:47 - 15:20	अशुभ	चंचल	01:42 - 03:09	शुभ
शुभ	15:20 - 16:52	शुभ	रोग	03:09 - 04:37	अशुभ
रोग	16:52 - 18:22	अशुभ	काल	04:37 - 06:06	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा। आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए। अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें। आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं। प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें। अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें। अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें। आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनायें बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी। इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं। काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा। आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खुशियाँ मनाने का समय है।आपके किसी करीबी की शादी है।इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी।अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं।जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है।आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं। आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी। लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे।आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है।बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें।वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी।लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है।इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें।यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं। आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा। स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है।आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे।ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे। इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी।आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं।सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है।ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे।यह कदम मानसिक वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

आसावा परिवार द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन करते हुए ज्योति - गोविंद आसावा, भारती-राजेश करवा, ज्योति-अनुप आसावा, रानी तोषनीवाल, मंजु तोषनीवाल, दिपा जाजु, संजय तोतला, हेमंत बंग, एवं अन्य

बिहार समाज सेवा संघ ने सिकंदराबाद महाकाली एरिया में गणेश विसर्जन हेड ऑफिस से किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष दीपक सिंह, मनीष गुप्ता, संजय सिंह, कार्पोरेटर श्रीनिवास गौड, आनंद ओझा, महेश यादव, बबलु ओझा, विनय सिंह, मनोज सिंह, संतोष यादव, विकास सिंह, मंटू, दीपक कालू, विकास शंभु, रोशन आदि उपस्थित थे।

श्री ध्यान आंजनेय देवालयम शिवरामपल्ली में गणेश उत्सव पूजन कराते हुए मंदिर के प्रधान पुजारी अनुज कुमार तिवारी भागवत भूषण एवं पंडित श्री गणेश जोशी जी महाराज व विष्णु तिवारी अन्य भक्त गण उपस्थित रहे।

महिला दक्षता समिति शिक्षण संस्थाओं ने मनाया शिक्षक दिवस

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतं)। महिला दक्षता समिति शिक्षण संस्थाओं सुमन जूनियर और वोकेशनल कॉलेज, वी . डी .बजाज डिग्री कॉलेज, महिला दक्षता समिति और बंसीलाल मालानी कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग चंदा नगर गंगारम प्रांगण में शिक्षक दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा कोठारी चार्टर अकाउंटेंट ने अपने वक्तव्य में कहा की आज का दिवस बहुत ही महत्त्वपूर्ण दिवस है टीचर्स डे श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर मनाया जाता है।
आप लोगों के जीवन में गुरु का स्थान अत्यंत ही सर्वोच्च एवं सर्वोपरि होना चाहिए। गुरु की शिक्षा एवं मार्गदर्शन के बिना हम सफ़लता नही पा सकते।एक लड़की शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।इस कॉलेज में उपल्ब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हुए आप लोग अपने लक्ष्य की प्राप्ती कर अपने माता पिता, कॉलेज एवं देश का नाम रौशन करें। महिला दक्षता समिति की अध्यक्ष डॉ सरोज बजाज ने छात्राओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु ज्ञान का दीप जलाकर हमारे जीवन में व्याप्त अंधकार को दूर करता है।

गुरु की महत्ता को बताते हुए गुरु गोविंद दोऊ खड़े दोहे का उद्धरण देते हुए कहा कि गुरु भगवान से भी श्रेष्ठ है क्योंकि भगवान को पाने का रास्ता हमें गुरु ही दिखाता है।
साथ ही शिक्षकों को चाहिए कि वे अनुशासन का पालन करते हुए परिश्रम एवं प्यार से पढ़ाएं।
बच्चों पर गुरु के व्यक्तिव की अमिट छाप पड़ती है। आप लोग फोन आदि पर समय व्यर्थ न करते हुए पढ़ाई पर ध्यान दे।
कॉलेज की टॉपर छात्राओं पी. श्रावणी स्टेट सेकेंड रैंक, श्रीलक्ष्मी थर्ड रैंक, निखिता, पूजा फोर्थ रैंक का सम्मान किया गया साथ ही शिक्षकों अरुणा, गिरिवाणी, राघवी, प्रभावती, वसंता , उषा रानी, अनिता, सुभाकर रेड्डी, कृष्णा, वेरोनिका, श्रीवाणी को शील्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती रमा कुमारी, श्रीमती सुशीला पाटिल, के . अनुसुया निशा,शिक्षक एवं शिक्षकेतर वर्ग उपस्थित रहे। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन किया गया।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में भजन संकीर्तन का आयोजन

हैदराबाद, 5 सितंबर (एजेंसियां)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में नक्षत्र कॉलोनी, शमशाबाद एवं सीताराम बाग में दिनांक 4 एवं 5 सितम्बर को भजन एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी निःशंका भारती जी ने श्री गणेश के दिव्य स्वरूप की आध्यात्मिक विवेचना करते हुए कहा कि गणपति महाराज की लचीली सूंड लघु-विराट सब धारण करने में सक्षम होती है। वह जीवन में समन्वय की प्रतीक है और भाव तरंगों को ग्रहण करके अपने से दूर स्थित गजों से भी संपर्क साधने में सक्षम होती है। मानव हृदय भी समस्त भेद-भाव को भुलाकर ऐसे ही एक दूसरे से जुड़ा रहे यही प्रेरणा देती है। सूंघने और जल ग्रहण करने की क्षमता वाली यह दिव्य सूंड मानव को ज्ञान और कर्म के संयोग का मर्म सिखाती है।

साध्वी सिद्धयोगा भारती जी ने कहा कि गौरी नंदन एकदंत रूप में हमें द्वैत से अद्वैत की यात्रा का परिचय कराते हैं। अहंकार के विगलित होने पर जीवन में परमात्मा का प्रेम अवतरित हो पाता है। उनका लम्बोदर सार को आत्मसात कर लेने का द्योतक है।
उनके हाथ में सुसज्जित अंकुश - संयमित जीवन जीने की प्रेरणा देता है, मोदक जीवन में मधुरता का पाठ पढ़ाता है, पुस्तक स्वाध्याय का प्रतीक है और चौथा वरदहस्त है जिससे बप्पा जन-जन पर अपना आशीष लुटाते हैं। कार्यक्रम में शिष्यों द्वारा सुंदर भजनों का गायन किया गया, जिससे सभी श्रोता भाव-विभोर हो उठे। इस अवसर पर कॉलोनी के प्रेसिडेंट श्री जगन मोहन राव, वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती अनुराधा एवं कोषाध्यक्ष श्री सुशांत दवे समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बेटा दूसरे नंबर पर आया तो टॉपर को मार डाला

पुडुचेरी, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पुडुचेरी के कराईकल में एक छात्र को परीक्षा में टॉप करना भारी पड़ गया। सेकंड टॉपर की मां ने उसे जहर देकर मार दिया। आरोपी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला को छात्र के अव्वल आने पर जलन होती थी। मृतक छात्र की पहचान बाला मणिकंदन (13) के रूप में हुई है, जो अपने माता-पिता राजेंद्रन और मालती के साथ कराईकल की नेहरू कॉलोनी में रहता था। वह कराईकल के प्राइवेट स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ता था। उसने हाल ही में अपनी क्लास में टॉप किया था। इससे परीक्षा में दूसरे नंबर पर रहे छात्र की मां विक्टोरिया दुखी थी। इसके चलते उसने बाला को मारने की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को स्कूल से आने के बाद छात्र की तबीयत बिगड़ गई। उसे लगातार उल्टी होने लगी। जब उसकी मां ने उससे पूछा कि क्या उसने स्कूल में कुछ खाया, तो उसने बताया कि उसने जूस पिया था, जो चौकीदार ने उसे दिया था।

गणेशोत्सव पर सनतनगर में क्लासिकल डांस का आनंद लेती भाजपा नेता सपना गुप्ता व टीम।

केशव रेड्डी विद्यालय कंदी शाखा में शिक्षक दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सोमवार 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वेपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर केशव रेड्डी विद्यालय कंदी शाखा में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया है। इस शुभ अवसर पर शिक्षक और शिक्षिकाओं को विद्यार्थियों द्वारा शाल व मेमोंटो से सम्मान किया गया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा गायन, भाषण, निबंध लेखन, चित्र लेखन ,कविता सृजन, नृत्य जैसे विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में पाठशाला के प्राचार्या श्रीमती माधवी , डीन राजेश , संयोजक शअजय भास्कर कुलकर्णी , शिक्षक, शिक्षिकाएँ और विद्यार्थी उपस्थित थे।

भारी वर्षा से बेंगलुरु में सड़कें डूबीं खफा लोग बोले-घटिया निकासी से हर साल की मुसीबत

बेंगलुरु, 5 सितंबर (एजेंसियां)। देश के हाईटेक शहर बेंगलुरु में एक बार फिर भारी वर्षा के बाद सड़कें पानी में डूब गईं। लोगों को आवाजाही में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। नाराज लोगों ने कहा कि शहर के घटिया ड्रेनेज सिस्टम की वजह से हर साल यह मुसीबत आती है।
कोरमंगला सहित बेंगलुरु के कई हिस्सों में जलभराव के कारण ट्रैफिक जाम हो गया और लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। स्थानीय लोगों में से एक ने कहा कि भारी बारिश के कारण जलजमाव हो गया है और वाहन चलाना बहुत मुश्किल हो गया। एक नागरिक ने बताया कि आज सुबह जागे तो भारी बारिश हो रही थी और जलजमाव शुरू हो गया था।
सड़कों पर डिवाइडर तक पानी जमा हो गया था। इसके बाद हमने तलघरों में भरा पानी पंपों से निकालना शुरू किया।

15 महीने के बेटे को बचाने बाघ से लड़ी मां

बांधवगढ़ में महिला के फेफड़े तक घुसे बाघ के नाखून

उमरिया, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक मां अपने 15 महीने के बच्चे को बचाने के लिए बाघ से लड़ गई। बाघ के नाखून महिला के फेफड़े तक घुस गए, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। वह 20 मिनट तक लड़ती रही और बाघ के जबड़े से बेटे को छुड़ा लिया। महिला की हालत गंभीर होने के चलते उसे जबलपुर रेफर किया गया है। घटना रोहनिया गांव की है।
जानकारी के अनुसार मानपुर बफर जोन से लगी ज्वालामुखी बस्ती में रहने वाले भोला चौधरी की पत्नी अर्चना रविवार सुबह लगभग 10 बजे अपने बेटे राजवीर को नजदीक की बाड़े में शौच के लिए ले गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपा बाघ लकड़ी-कांटे की फेंसिंग को फांदकर अंदर आया और बच्चे को अपने जबड़े में दबा लिया।

20 मिनट लड़ी; बच्चे को जबड़े से छुड़ा लिया

अर्चना, बाघ से लड़ने वाली मां   राजवीर, बेटा

बेटे को बचाने अर्चना बाघ से भिड़ गई। इस दौरान बाघ के नाखून उसके फेफड़े तक घुस गए, लेकिन वो लड़ती रही। करीब 20 मिनट तक हुए इस संघर्ष का शोर सुन बस्ती के लोग लाठियां लेकर पहुंचे तो बाघ जंगल की ओर भाग गया। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल में जांच के बाद महिला की गर्दन टूटने की बात सामने आई। हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर रेफर कर दिया गया। सिविल सर्जन डॉ. एलएन रूहेला ने बताया कि महिला की पीठ पर भी नाखून के गहरे घाव थे।

टांके लगाने के बाद भी खून नहीं रुक रहा था। बच्चे के सिर में चोट आई है, लेकिन वह खतरे से बाहर है।
हाथियों की मदद से बाघ को जंगल में भेज रहे
टाइगर रिजर्व के अधिकारी गांव में लगातार अलर्ट रहने के लिए मुनादी करा रहे हैं। उन्होंने लोगों को घर पर ही रहने की सलाह दी है। खेत में छिपे बाघ को जंगल में खदेड़ने के लिए हाथियों की मदद ली जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 6 सितंबर, 2022

सुरक्षा में सियासी रंग

नागरिक अपना सांसद इसलिए चुनते हैं कि वे देश की सबसे बडी पंचायत में बैठ कर देश हित के लिए कानून बनाएं। लेकिन अफसोस तो यह है कि ये कानून बनाने वाले ही खुद कानून तोडने लगते हैं तो फिर क्या कहा जाए। हालांकि समाज के पढ़े-लिखे लोगों ने स्वाभाविक ही इसकी चौतरफा निंदा की है। फिर भी चिंता की बात है कि संवेदनशील मसलों को भी राजनीतिक रंग दे दिया जाता है। झारखंड के धर्मस्थल देवघर हवाईअड्डे पर भाजपा के दो सांसद निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी समेत सात लोग एक निजी विमान से झारखंड के दुमका में जला कर मार डाली गई लड़की के परिवार वालों से मिलने गए थे। वहां से लौटते वक्त सूर्यास्त हो गया था इसलिए उनके विमान को उड़ान भरने की इजाजत नहीं दी गई। बता दें कि देवघर हवाईअड्डे पर सूर्यास्त के बाद हवाई सेवाएं संचालित नहीं करने का नियम है। इसके बावजूद भाजपा नेताओं ने अपने रुतबे का इस्तेमाल करते हुए उड़ान भरने की इजाजत लेने की कोशिश की। वे सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए चालक दल समेत हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष यानी एटीसी में घुस गए और जबरन उड़ान भरने की इजाजत ले ली। इस पर एटीसी अधिकारी की तरफ से निशिकांत दुबे समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जब इस मामले ने तूल पकडा तो सांसद निशिकांत दुबे ने भी नई दिल्ली में देवघर के डीसी के खिलाफ संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी है। यह मामला तूल पकड़ चुका है। निशिकांत दुबे, झारखंड के मुख्यमंत्री और देवघर के जिलाधिकारी के बीच पहले ट्विटर वाकयुद्ध हुआ अब इसे राजनीतिक रंग दे दिया गया है। बता दें कि देवघर हवाईअड्डे को थोड़े दिनों पहले ही खोला गया है। इसलिए वहां अभी सूर्यास्त के बाद विमान संचालन की सुविधा नहीं हैं। जिन हवाई अड्डों पर यह सुविधा नहीं होती वहां सूर्यास्त से आधा घंटा पहले ही उड़ानें बंद कर दी जाती हैं। इस तरह की कवायद सुरक्षा कारणों से किया गया है। हवाई सेवाओं को संचालित करने वाले प्राधिकरण डीजीसीए ने इससे संबंधित नियम बना रखे हैं। यह सब जानते हुए भी कथित रूप से भाजपा नेताओं ने विमान तय समय के बाद उड़ाने की इजाजत लेने की कोशिश की। भाजपा नेताओं का तर्क है कि निर्धारित समय से पांच मिनट पहले ही वे अपने विमान में बैठ चुके थे। इसके बाद भी डीसी खुन्नस की वजह से इसके उडान में बाधा डाल रहे थे। बहरहाल अब दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क पर टिके हैं। इस मामले में गंभीर बात यह है कि भाजपा नेता हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष के भीतर घुस गए। यह कक्ष अत्यंत संवेदनशील माना जाता है और इसके सुरक्षा घेरे को तोड़ना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। दोनों ही सांसद वरिष्ट है तो ऐसा नहीं माना जा सकता कि वे इस बात को नहीं समझते थे। इसके बाद भी वे जबरन एटीसी में घुसे, तो जाहिर है कि उन्हें अपने सत्तारूढ़ दल का सांसद होने का नशा रहा होगा। इस तरह राजनेताओं के अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाने और अपने कर्तव्य का निर्वाह करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों पर बेजा काम करने का दबाव डालने का यह कोई पहला और नया मामला नहीं है। नेताओं के लिए यह एक सामान्य बात मानी जाने लगी है। चूंकि झारखंड में भाजपा की विरोधी दल की सरकार है और वहां हुई जघन्य हत्या के विरोध में ये नेता गए थे, इसलिए देवघर हवाईअड्डे के मामले को राजनीतिक रंग देकर कहा जा रहा है कि ऐसा राज्य सरकार के इशारे पर किया गया। देखा जाए तो नियमों को ठेंगे पर रख कर उड़ान भरने वाले लोगों को भी खतरा था। कम दृश्यता में हवाई जहाज उड़ाने या उतारने की इजाजत विशेष स्थितियों में ही दी जाती है, लेकिन उसमें भी देखा जाता है कि चालक दल को ऐसे वातावरण में जहाज उड़ाने का माकूल प्रशिक्षण है भी या नहीं। फिर एटीसी में जबरन घुस कर यदि कानून बनाने वाले ही नियमों का उल्लंघन करेंगे तो सामान्य नागरिकों से क्या अपेक्षा की जा सकती है।

समुद्र में भारत का डंका

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

30 अरब डॉलर की कंपनी मिस्त्री के बाद कौन संभालेगा ?

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और जाने-माने उद्योगपति साइरस मिस्त्री का रविवार को एक सड़क हादसे में निधन हो गया। 54 वर्षीय मिस्त्री तब अहमदाबाद से मुंबई लौट रहे थे। पालघर के नजदीक उनकी मर्सिडीज कार डिवाइडर से टकरा गई जिसमें उनकी मौत हो गई। अरबों डॉलर की संपत्ति वाले 157 साल पुराने शापूरजी पलोनजी ग्रुप के लिए अपने सबसे छोटे उत्तराधिकारी साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत दोहरा झटका है। कुछ ही महीनों पहले, जुलाई के अंत में साइरस के पिता एवं ग्रुप के चेयरमैन पलोनजी शापूरजी मिस्त्री का निधन हो गया था। लगभग 30 अरब डॉलर की संपत्ति वाले इस ग्रुप की टाटा समूह में 18.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 'सीनियर' पलोनजी मिस्त्री ने 1865 में 'लिटिलवुड पलोनजी एंड कंपनी' की स्थापना की थी। साइरस के पिता पलोनजी मिस्त्री का 28 जून, 2022 को निधन हो गया था। उन्हें 'फैंटम ऑफ बॉम्बे हाउस' भी कहा जाता था। अरबपतियों के ब्लूमबर्ग सूचकांक के अनुसार, एसपी समूह की कुल संपत्ति 2022 में लगभग 30 अरब डॉलर है। टाटा संस के चेयरमैन के रूप में नियुक्त होने के साथ 2012 में भारतीय उद्योग जगत में अचानक से उभरे साइरस मिस्त्री की रविवार को एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

मिस्त्री 2012 में जब 44 साल की उम्र में टाटा संस के चेयरमैन बनाए गए तो वह शापूरजी पलोनजी ग्रुप की कंपनियों की अगुवाई कर रहे थे। इतनी कम उम्र में उन्होंने 100 अरब डॉलर से अधिक कारोबार वाले टाटा समूह के मुखिया के तौर पर रतन टाटा जैसे दिग्गज की जगह ली थी। ऐसी चर्चा थी कि टाटा ग्रुप की प्रतिनिधि कंपनी टाटा संस की बागडोर संभालने को लेकर मिस्त्री अनिच्छुक थे, लेकिन खुद रतन टाटा ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए मनाया था। वह चार साल तक पद पर रहे और अक्टूबर 2016 में उन्हें अचानक ही पद से हटा दिया गया। चूंकि उन्हें दिसंबर 2012 में टाटा ग्रुप का चेयरमैन नियुक्त किया गया था, साइरस पारिवारिक व्यवसाय के संचालन में नहीं थे और उनके बड़े भाई शापूर मिस्त्री कारोबार संभाल रहे हैं।

शापूरजी ने किया मुगल-ए-आजम को फाइनेंस

हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्म मुगल-ए-आजम को शापूरजी ने फाइनेंस किया था। फिल्म निर्माण जोखिम वाला व्यवसाय माना जाता है। संयोग से ही शापूरजी का बॉलीवुड से जुड़ाव हो गया था। मुगल-ए-आज़म को उस दौर की सबसे महंगी फिल्मों में गिना जाता है। शापूरजी ने इस फिल्म के लिए करीब डेढ़ करोड़ रु खर्च किए थे।

भारत की नौसेना ने आईएनएस विक्रांत नामक विमानवाहक पोत को समुद्र में उतारकर सारी दुनिया में भारत की शक्ति का डंका बजा दिया है।

भारत के पास पहले भी एक विमानवाहक पोत था लेकिन वह ब्रिटेन से लिया हुआ था लेकिन यह विमानवाहक पोत खुद भारत का अपना बनाया हुआ है। इस समय ऐसे पोतों का निर्माण गिनती के आधा दर्जन देश ही कर पाते हैं।

क्या शिवराज को 2023 में भी वॉक ओवर तय..!

ऋतुपर्ण दवे

देश का दिल मध्यप्रदेश हमेशा से ही अपनी सियासत के लिए बेहद अलग मुकाम रखता रहा है। एक दौर हुआ करता था जब यहाँ की सियासत में रियासत बेहद खास होती थीं। अब भी हैं लेकिन वक्त के कुछ बदला जरूर है। फिलाहाल एक बेहद आरम और साधारण किसान परिवार से आने वाले तथा अपने दमखम पर राजनीति में खास मुकाम तक पहुँचे शिवराज सिंह चौहान न केवल मुख्यमंत्री हैं बल्कि भाजपा के मुख्यमंत्रियों में अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल को पूरा करने का रिकॉर्ड बना निरंतर बने हुए हैं। उनके भविष्य को लेकर चाहे जितनी और जैसी अटकलबाजियाँ लगें वह केवल कयास से ज्यादा कुछ नहीं निकलीं। यह वही मप्र है जहाँ पहले भी और अब भी राजघराने या यूँ कहें कि राज परिवार, जागीरदार और जमींदार, सियासत में खुद को सफल बनाने और जनता से जुड़े रहने के लिए किसी न किसी तरह से सक्रिय हैं तथा देसी रियासतों के विलय के बाद लोकतंत्र के जरिए जनता पर शासन करने की सफल नीति को अपनाया। ग्वालियर के सिंधिया राजघराना से स्व. विजयाराजे सिंधिया, स्व. माधवराव सिंधिया के बाद अब ज्योतिरादित्य सिंधिया की भूमिका सामने है। वहीं उनकी एक बुआ राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं तो दूसरी प्रदेश में मंत्री हैं। राघवगढ़ राजघराने के दिग्विजय सिंह 10 साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे तो अब उनके बेटे और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और भाई लक्ष्मण सिंह विधायक हैं। इनसे पहले चुरहट राजघराने के अर्जुन सिंह भी प्रदेश के 6 साल तक मुख्यमंत्री रहे। अब इनके बेटे पूर्व मंत्री अजय सिंह प्रदेश के बड़े नेता हैं। वहीं रीवा राजघराने के पुष्पराज सिंह मंत्री रहे हैं और अब भी सक्रिय हैं। मकड़ाई (हरदा) राजघराने के विजय शाह और संजय शाह दोनों ही विधायक और भाजपा के बड़े नेता हैं। विजय शाह मंत्री हैं। एक भतीजा अभिजीत कांग्रेस के युवा चेहरा हैं। देवास राजघराने के तुकोजीराव पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी गायत्री राजे पवार विधायक के रूप में राजनीतिक विरासत को संभाले हुए हैं। सोहागपुर (शहडोल) रियासत से मृगेन्द्र सिंह और उनके अनुज गंभीर सिंह भी विधायक रह चुके हैं। राजघरानों से अब तक मप्र में 4 मुख्यमंत्री हुए हैं। संविद सरकार में गोविंद नारायण सिंह, उनके इस्तीफे के बाद गोंड आदिवासी राजा नरेशचंद्र सिंह। बाद में काँग्रेस सरकार में अर्जुन सिंह तीन बार तो दिग्विजय सिंह दो बार मुख्यमंत्री बने। मप्र में ग्वालियर, राघोगढ़, रीवा, चुरहट, नरसिंहगढ़, मकड़ाई, खिचलीपुर, देवास, दतिया, छतरपुर, पन्ना जैसे छोटे-बड़े राजघराने राजनीति में काफी सक्रिय और सफल थे और हैं। लेकिन गणना की जाए तो मप्र की सियासत की डोर कभी राजनीतिज्ञों तो कभी आम हाथों में ज्यादा रही। अब तक प्रदेश को 32 मुख्यमंत्री मिले जिनमें रविशंकर शुक्ल (एक बार), भगवंतराव मंडलोई, कैलाश नाथ काटजू, द्वारका प्रसाद मिश्रा (दो-दो बार), गोविंद नारायण सिंह, नरेशचंद्र सिंह (एक-एक बार), श्यामाचरण शुक्ल (तीन बार), प्रकाश चंद्र सेठी (दो बार), कैलाशचंद्र जोशी, विरेंद्र कुमार सकलेचा (एक-एक बार), सुंदरलाल पटवा (दो बार), अर्जुन सिंह (तीन बार), मोतीलाल वोरा, दिग्विजय सिंह (दो-दो बार), उमा भारती, बाबूलाल गौर, कमलनाथ (एक-एक बार) और शिवराज सिंह चौहान तीन बार पहले और चौथी बार अब तक हैं। जबकि प्रदेश में तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लगा। निश्चित रूप से मप्र की राजनीति कुछ अलग तो काफी घुमावदार भी है। कभी लगता है कि राजघरानों के प्रति विश्वास बरकरार है तो कभी आदिवासी वोट बैंक निर्णायक लगते हैं। चुनावों में आदिवासियों का साफ प्रभाव यही दिखाता है। बीते दो विधानसभा चुनाव के आँकड़े देखें तो सब कुछ समझ आता है। यहाँ आदिवासियों की बड़ी आबादी है जिनका 230 विधानसभा सीटों में से 84 पर सीधा-सीधा प्रभाव है। आदिवासी बहुल इलाके में भाजपा को 2013 में 59 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि 2018 में 84 में 34 सीटों पर सिमट कर रह गई। शायद इन्हीं कम हुई 25 सीटों के चलते तब भाजपा सीधे-सीधे सरकार बनाने से चूक गई थी। इसे यदि आरक्षण के लिहाज से देखें तो 2013 में आरक्षित 47 सीटों में भाजपा 31 पर जीती जबकि कांग्रेस केवल 15 ही जीत पाई। वहीं 2018 के नतीजे लगभग उलट रहे जहाँ काँग्रेस ने 30 सीटें जीती तो भाजपा महज 16 पर सिमट गई। एक निर्दलीय भी जीता। इसी चलते तब मप्र में काँग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी थी। लेकिन अन्दरूनी कलह और सत्ता में पकड़ बनाए रखने, वर्चस्व की लड़ाई में पारस्परिक विफलता के चलते केवल 15 महीनों में हुई बड़ी बगावत से काँग्रेस सरकार गिर गई। इसके लिए तब दो राजघरानों ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह की रस्साकशी सबने देखी। कमलनाथ और उनके सिपहसलारों पर उंगलियां भी उठीं। कहीं विधायकों का उतावलापन तो कहीं मीडिया में आए बेतुके बयान। गुरुग्राम की होटल में दो विधायकों का हंगामा तो सिंधिया समर्थक 22 विधायकों की बेंगलुरू में खेमेबाजी ने आखिर 15 सालों के निर्वासन के बाद सत्ता में लौटी काँग्रेस को 15 महीनों में ही चलता कर दिया। 22 काँग्रेसी विधायक जिनमें 6 मंत्री थे ने इस्तीफा देकर कमलनाथ सरकार गिरा दी। इसमें ग्वालियर राजघराने के ज्योतिरादित्य सिंधिया की सबसे खास भूमिका रही। इसी के बाद चौथी बार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। तीन और विधायकों के इस्तीफे, तीन के निधन से मध्य प्रदेश में खाली हुई 28 सीटों पर 3 नवंबर 2020 को मतदान हुआ जिसमें भाजपा 19 तो कांग्रेस केवल 9 सीट जीत पाई। आखिर बहुमत के आँकड़ों में काँग्रेस पिछड़ गई और बचे कार्यकाल के बनवास पर मुहर लग गई। मजबूरन उपचुनाव झेल चुकी काँग्रेस में बड़े-बड़े तुरुप के इक्कों के बावजूद संगठनात्मक पकड़ कमजोर हुई जिसका नतीजा सामने है। इस सत्ता परिवर्तन की कड़ियाँ एक नहीं कई थीं जिसकी जड़ में काँग्रेस की अन्दरूनी कलह ज्यादा रही। हाल ही में 347 निकाय चुनावों में भाजपा ने 256 में बढ़त दर्ज की। लेकिन सात बड़े शहर में हाथ से निकल गए। कांग्रेस केवल 58 बढ़त ले पाई। भाजपा की सफलता का प्रतिशत 74 तो काँग्रेस का 18 रहा। सीटों के हिसाब से देखें तो भाजपा को 52.29 और काँग्रेस को 28.39 प्रतिशत सीटें मिली। श्रेय शिवराज को मिला। अब शिवराज रोजाना कभी समीक्षा तो कभी मॉर्निंग ऐक्शन में तो कहीं जनसभा में ही अधिकारियों को फटकार और निलंबन के आदेश देते हुए बरखास्तगी की चेतावनी और सख्ती भरे तेवर दिखाते हैं। शहडोल, सिंगरौली, पन्ना, बालाघाट, उमरिया, जबलपुर, सिवनी सहित कई जिलों के उदाहरण सामने हैं। विकास कार्य समय पर कराने, आवास योजनाओं में लेटलतीफी रोकने, ढ़ंग से राशन वितरण, व्यवस्थित सीएम राइज स्कूल, दुरुस्त शहरी पेयजल योजना, आंगनबाड़ी में पेयजल, बदहाल बिजली व्यवस्था, खस्ताहाल सड़कें, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण यानी जनता से सीधे जुड़े मसलों को लेकर शिवराज बेहद सख्त दिखते हैं। जहाँ से सही जवाब नहीं मिलता या अधिकारी किन्तु-परन्तु बताते हैं तो वहीं फटकार लगाते हैं। शहडोल का उदाहरण काफी है। ऐसा लगता है कि सरकार की आँख,कान और हाथ बनी ब्यूरोक्रेसी को लेकर उनका हालिया अनुभव काफी कड़वा रहा जो उनके नए ऐक्शन से झलकता है। यह सिंगरौली, जबलपुर, में रोड शो तो धनपुरी(शहडोल) में जनसभा वहीं उमरिया की वर्चुअल सभा सहित कई अन्य स्थानों के निराश करने वाले नतीजों का असर है। वह सार्वजनिक समीक्षा करते हैं जिसे तमाम मीडिया माध्यम लाइव दिखाते हैं। उनका यह मनोविज्ञान ब्यूरोक्रेट्स को भले ही न भाए लेकिन आमजन को लुभा रहा है। मध्यप्रदेश में जहाँ काँग्रेस अब भी कमजोर दिख रही है तो शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी सुर्खियाँ कम नहीं होतीं।

भाजपा संसदीय बोर्ड से बाहर होने के बावजूद उनकी शालीनता ने कहीं न कहीं राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रभावित तो किया होगा। वहीं कहना कि मुझसे दरी बिछाने को कहा जाएगा तो बिछाउंगा। यह उनकी बुध्दिमत्ता है जो खुद को पार्टी से बड़ा कभी नहीं दिखाते। उनकी हालिया राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से गर्मजोशी भरी मुलाकातें और अक्टूबर में पंचायती राज के नवनिर्वाचित सदस्यों के सम्मेलन में मप्र आने की हामी, मिशन 2030 का विजन तैयार कर 5 मेगा प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के हाथों शुरू करा 5 बड़ी जनसभाओं हेतु आमंत्रित करना शिवराज की राजनीतिक चातुर्यता के साथ बताता है कि निगाहें 2023 के विधानसभा और 2024 के आम चुनावों से बहुत आगे देख रही हैं।

वैदिक संस्कृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

संजीव ठाकुर

भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों, शास्त्रों ,पुराणों और सनातन संस्कृति एवं संस्कार में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि ईस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण निरूपित कर वृहद वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए। जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चैतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास मैं अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है।

भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं।

प्रॉपर्टी बाजार में भ्रष्टाचार

13 साल में बनकर तैयार हुई 32 और 29 मंजिल की दो इमारतें जिन्हें ट्विन टावर के नाम से मीडिया ने हमारी स्मृति में ठूंस दिया महज 9 सेकेंड में ढह गईं। उप्र सरकार इस ध्वंस का उत्सव चाहती थी और मीडिया ने ऐसा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कई दिन से मंच माहौल तैयार किया जा रहा था और पर्दा गिरा दिया गया।

नोएडा का सबसे ऊंचा ट्विन टॉवर इस बात का प्रतीक था कि कैसे उत्तर प्रदेश में बिल्डर, अफसर और नेताओं के गठजोड़ से जनता को लूटा गया है। साल 2004 में नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर-93 ए स्थित प्लॉट नंबर-4 एमराल्ड कोर्ट के लिए आवंटित किया। इस जगह पर 9 मंजिला इमारत बनाने के लिए मंजूरी दी गई। फिर 2006 में इसमें संशाधन करके 11 मंजिला कर दिया गया। पहले यहां पर कुल 14 टॉवर बनने थे, लेकिन यह संख्या भी बदल दी गई और दो बार में इसे बदल कर 16 किया गया।

इसमें 2009 में फिर बदलाव हुआ और टॉवर की संख्या 17 हो गई। एक बार फिर 2012 में इसमें बदलाव हुआ और दो टॉवर्स को 40 मंजिल तक ऊंचा करने की मंजूरी दे दी गई। इन अनगिनत संशोधनों में टॉवर की ऊंचाई, दो टॉवरों के बीच की दूरी, पार्किंग एरिया, लॉन वगैरह को लेकर नियमों का उल्लंघन किया गया। इस भयंकर भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप 32 और 29 मंजिल के दो टॉवर तैयार हुए थे। इस सोसायटी में रहने वाले लोगों ने नोएडा अथॉरिटी से इस बाबत शिकायत की तो उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार हार कर वे लोग कोर्ट पहुंचे तो इसमें भारी भ्रष्टाचार पाया गया। 9 साल लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट को इसे ध्वस्त करने का आदेश देना पड़ा।

कौन थे वो अधिकारी, मंत्री जो फाइलें पास करते रहे? कहां गए वो बिल्डर? मंत्रालयों और विभागों की टेबलों और कंप्यूटरों से पैसा पैसा चिल्लाती निकली वो फाइलें कहां हैं?

प्रॉपर्टी में भ्रष्टाचार की बीमारी कितनी बड़ी है इसे ऐसे समझिए कि अकेले नोएडा-ग्रेटर नोएडा में तकरीबन दो लाख से ज्यादा ऐसे फ्लैट खरीदने वाले लोग हैं जिन्होंने पैसा चुका दिया है और सालों से रजिस्ट्री के लिए भटक रहे हैं। दूसरी तरफ नेताओं, अफसरों और बिल्डरों की बंदरबांट ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में फ्लैट इतने महंगे कर दिए हैं कि लोग खरीदना ही नहीं चाहते। यहां के रीयल स्टेट कारोबारियों का कहना है कि लोगों को 22-25 लाख में घर चाहिए, जबकि घरों की कीमत इसके डेढ़ गुने से शुरू होती है।

एक तरफ प्रॉपर्टी बाजार का यह भ्रष्टाचार है जिसमें जाने कितना कालाधन खप रहा है और दूसरी तरफ वे आम मध्यवर्गीय लोग हैं जो जिंदगी भर में एक-एक पाई जोड़कर घर खरीदने का सपना देखते हैं। इस भ्रष्टाचार को खुला छोड़ देने का नतीजा है कि करोड़ों की संख्या में लोगों को घर चाहिए, लाखों की संख्या में घर बनकर तैयार हैं लेकिन उन्हें खरीददार नहीं मिल रहे हैं।

कुछ समय पहले ही यूपी भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था- नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवासीय कॉलोनियों का कोई भी नया प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड नहीं हो रहा है, जबकि महामारी के बाद छोटे शहरों नए प्रोजेक्ट खूब शुरू हो रहे हैं। रेरा के बाद संपत्ति मामलों की सलाहकार संस्था एनरॉक ने एक रिपोर्ट दी जिसमें कहा गया कि दिल्ली-एनसीआर में प्रॉपर्टी बाजार की हालत बेहद खस्ता है। यहां 1.81 लाख करोड़ की प्रापर्टी को खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसमें से लगभग 70 फीसदी प्रॉपर्टी नोएडा में है।

एनरॉक की रिपोर्ट कहती है-

देश के सात बड़े शहर- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु और पुणे में आवासीय प्रोजेक्ट जो ठप हो चुके हैं या देरी से चल रहे हैं, उनकी कुल कीमत 4.48 लाख करोड़ है। इनमें वे प्रोजेक्ट शामिल हैं जो 2014 से पहले और उसके बाद शुरू हुए। इन्हें खरीदार नहीं मिल रहे हैं।

लोगों को घर चाहिए, बिल्डर को खरीदार चाहिए। दोनों मौजूद हैं फिर मुसीबत कहां है? मुसीबत है अफसरों और नेताओं का भ्रष्टाचार। उनको दिया जाने वाला कमीशन जनता से वसूला जाता है और बढ़ती प्रचंड महंगाई और भयानक बेरोजगारी में जनता अब इनता पैसा देने की हालत में नहीं है और इसलिए रीयल एस्टेट का कारोबार एक तरह से ढह गया है। इसी नोएडा में अगर जांच हो तो ऐसे जाने कितने भ्रष्टाचार के स्मारक खड़े मिलेंगे।

ट्विन टॉवर के मामले में इस प्रवृत्ति ने सीमा पार कर दी। उत्तर प्रदेश की भ्रष्ट सरकारों ने इस प्रोजेक्ट में इतनी लूट मचाई कि आखिरकार सोसायटी के रहवासियों को कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट को न्याय का कुछ ऐसा रास्ता निकालना चाहिए था जिससे उत्तर प्रदेश के लोग देखते कि कैसे उन्हें लूटकर भ्रष्टाचार का यह सबसे ऊंचा स्मारक खड़ा किया गया और कैसे हमारी अदालतों ने उन्हें न्याय दिलाकर अपनी महानता फिर से साबित की।

30 अरब डॉलर की कंपनी अब कौन संभालेगा ?

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और जाने-माने उद्योगपति साइरस मिस्त्री का रविवार को एक सड़क हादसे में निधन हो गया। 54 वर्षीय मिस्त्री तब अहमदाबाद से मुंबई लौट रहे थे। पालघर के नजदीक उनकी मर्सिडीज कार डिवाइडर से टकरा गई जिसमें उनकी मौत हो गई। अरबों डॉलर की संपत्ति वाले 157 साल पुराने शापूरजी पलोनजी ग्रुप के लिए अपने सबसे छोटे उत्तराधिकारी साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत दोहरा झटका है। कुछ ही महीनों पहले, जुलाई के अंत में साइरस के पिता एवं ग्रुप के चेयरमैन पलोनजी शापूरजी मिस्त्री का निधन हो गया था। लगभग 30 अरब डॉलर की संपत्ति वाले इस ग्रुप की टाटा समूह में 18.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 'सीनियर' पलोनजी मिस्त्री ने 1865 में 'लिटिलवुड पलोनजी एंड कंपनी' की स्थापना की थी। साइरस के पिता पलोनजी मिस्त्री का 28 जून, 2022 को निधन हो गया था। उन्हें 'फैंटम ऑफ बॉम्बे हाउस' भी कहा जाता था। अरबपतियों के ब्लूमबर्ग सूचकांक के अनुसार, एसपी समूह की कुल संपत्ति 2022 में लगभग 30 अरब डॉलर है। टाटा संस के चेयरमैन के रूप में नियुक्त होने के साथ 2012 में भारतीय उद्योग जगत में अचानक से उभरे साइरस मिस्त्री की रविवार को एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

मिस्त्री 2012 में जब 44 साल की उम्र में टाटा संस के चेयरमैन बनाए गए तो वह शापूरजी पलोनजी ग्रुप की कंपनियों की अगुवाई कर रहे थे। इतनी कम उम्र में उन्होंने 100 अरब डॉलर से अधिक कारोबार वाले टाटा समूह के मुखिया के तौर पर रतन टाटा जैसे दिग्गज की जगह ली थी। ऐसी चर्चा थी कि टाटा ग्रुप की प्रतिनिधि कंपनी टाटा संस की बागडोर संभालने को लेकर मिस्त्री अनिच्छुक थे, लेकिन खुद रतन टाटा ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए मनाया था। वह चार साल तक पद पर रहे और अक्टूबर 2016 में उन्हें अचानक ही पद से हटा दिया गया। चूंकि उन्हें दिसंबर 2012 में टाटा ग्रुप का चेयरमैन नियुक्त किया गया था, साइरस पारिवारिक व्यवसाय के संचालन में नहीं थे और उनके बड़े भाई शापूर मिस्त्री कारोबार संभाल रहे हैं।

शापूरजी ने किया मुगल-ए-आजम को फाइनेंस

हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्म मुगल-ए-आजम को शापूरजी ने फाइनेंस किया था। फिल्म निर्माण जोखिम वाला व्यवसाय माना जाता है। संयोग से ही शापूरजी का बॉलीवुड से जुड़ाव हो गया था। मुगल-ए-आज़म को उस दौर की सबसे महंगी फिल्मों में गिना जाता है। शापूरजी ने इस फिल्म के लिए करीब डेढ़ करोड़ रु खर्च किए थे।

आकर्षण का केंद्र खैरताबाद गणेश मूर्ति

भारत के तेलेगाना राज्य के शहर हैदराबाद के खैरताबाद इलाके में गणेश चतुर्थी के वार्षिक उत्सव के दौरान एक विशालकाय मूर्ति स्थापित किया जाता है, जो इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां हर वर्ष इसके रूप और इसकी ऊंचाई और आकृति तथा हाथ में रखे लड्डू का वजन अधिक होने से सभी लोगों में प्रसीद्ध है, मूर्ति की पूजा 10-दिवसीय उत्सव के दौरान की जाती है जहां हर दिन लाखों में भक्त आते हैं। 11वें दिन मूर्ति को पास के हुसैन सागर में विसर्जित कर दिया जाता है।

बाल गंगाधर तिलक से प्रेरित होकर, सिंगरी शंकरैया ने पहली बार 1954 में खैरताबाद के एक मंदिर में 1 फुट (0.30 मीटर) की गणेश मूर्ति की स्थापना की। 2014 तक हर साल गणेश मूर्ति की ऊंचाई में एक फुट की वृद्धि हुई, जहां यह 60 फीट (18 मीटर) तक पहुंच गई। बाद में हुसैन सागर झील के मार्ग की सीमाओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण आकार कम कर दिया गया था। 2019 में मूर्ति की चोटी की ऊंचाई 61 फीट (19 मीटर) [ए] थी, जिससे उस वर्ष भारत में गणेश की सबसे ऊंची मूर्ति बन गई। हिंदू देवता गणेश की 1 फुट (0.30 मीटर) ऊंची मूर्ति पहली बार 1954 में हैदराबाद के खैरताबाद में गणेश चतुर्थी के त्योहार के उपलक्ष्य में स्थापित की गई थी। इसकी शुरुआत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद सिंगारी शंकरैया ने की थी, जो 1893 में बाल गंगाधर तिलक के एकता के प्रतीक के रूप में त्योहार मनाने के आह्वान से प्रेरित थे। भक्त 10 दिवसीय उत्सव में भाग लेते हैं, जहां हर दिन राज्य के विभिन्न हिस्सों और अन्य स्थानों से हजारों लोग खैरताबाद गणेश के दर्शन करने आते हैं। 11वें दिन, मूर्ति को पास में स्थित हुसैन सागर झील में विसर्जित कर दिया जाता है। चिन्नास्वामी राजेंद्रन, जो पहले दक्षिण भारतीय सिनेमा में फिल्म सेट डिजाइनिंग में काम करते थे, 1978 से मुख्य वास्तुकार और मूर्ति के डिजाइन की देखरेख कर रहे थे। 1978 में, आयोजकों ने हैदराबाद के पड़ोस, धूलपेट में एक बैकअप मूर्ति का निर्माण कराया था। चिन्नास्वामी वैसा बैकअप देने में असमर्थ थे। मूर्ति को 1978 से मंदिर के बाहर रखा गया है।

खैरताबाद गणेश 2019
61 फीट यानी 19 मीटर

खैरताबाद गणेश 2021

कदनिर्मित मूर्ति की ऊंचाई 1954 से 2014 तक हर साल एक फुट बढ़ी जहां यह 60 फीट (18 मीटर) तक पहुंच गई। इसके बाद आयोजन समिति ने ऊंचाई को 20 फीट (6.1 मीटर) तक सीमित करने के उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए धीरे-धीरे ऊंचाई कम करने का फैसला किया। 2019 में, भक्तों के अनुरोध के कारण ऊंचाई 61 फीट (19 मीटर) तक बढ़ा दी गई थी।

लड्डू : खैरताबाद गणेश अपने लड्डू के लिए भी जाना जाता है, जिसे प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। 2009 तक, खैरातबाद गणेश उत्सव समिति पंडाल में 50 किलो का लड्डू रखा करती थी। 2010 से 2015 तक, पीवीवीएस मल्लिकार्जुन राव उर्फ मल्ली बाबू द्वारा लड्डू की पेशकश की गई थी, जो आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में स्थित एक गांव तपेश्वरम के एक मिठाई निर्माता हैं। इसे तपेश्वरम में बनाया गया था और खैरताबाद में मूर्ति स्थान पर ले जाया गया, और इसे तपेश्वरम लड्डू के रूप में जाना जाने लगा। राव ने 2010 में 500 किलोग्राम वजन का एक लड्डू दान किया, जो 2015 में धीरे-धीरे बढ़कर 6000 किलोग्राम हो गया। यह मूर्ति के इतिहास में चढ़ाया जाने वाला सबसे भारी लड्डू था। 2016 में, उत्सव समिति समिति ने राव को भक्तों को बड़े लड्डू के वितरण को एक समस्या के रूप में बताते हुए, लड्डू का वजन 600 किलोग्राम तक कम करने के लिए कहा। बाद में, राव ने घोषणा की कि वह अब खैरताबाद को लड्डू का दान नहीं करेंगे, यह आरोप लगाते हुए कि समिति ने गणेश के चरणों में लड्डू को हाथों में रखने के बजाय पहले से सहमति के रूप में रखकर उनके अनुबंध का उल्लंघन किया था। उसी वर्ष, राव ने 29,465 किलोग्राम वजन का एक लड्डू बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में प्रवेश किया, जिसे विशाखापत्तनम में एक गणेश मूर्ति को भेंट किया गया था।

2016 से, लड्डू को जे. तनय राणा और उनके परिवार द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, जो हैदराबाद में एक एयर-कूलर व्यवसाय चलाते हैं। प्रस्तुत लड्डू, जिसका वजन 2016 में 62 किलोग्राम था, 2021 में 1,100 किलोग्राम तक पहुंच गया।

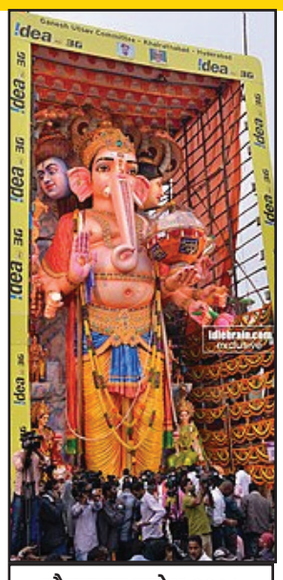

खैरताबाद गणेश 2014
60 फीट (18 मीटर)

वर्ष 2015 में एक बार पूजा समारोह पूरा हो जाने के बाद, भक्तों को लड्डू वितरित करते समय भीड़भाड़ में भगदड़ की स्थिति पैदा हुई थी। पुलिस बैरिकेड्स टूटने के कारण भीड़ को नियंत्रित नहीं करने से वितरण को बीच में ही रोकना पड़ा।

वर्ष 2013 में 59 फीट (18 मीटर) गणेश की मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसमें लगभग 4000 किलोग्राम वजन वाले तपेश्वरम लड्डू हथेली में रखा गया था। बारिश के कारण लड्डू क्षतिग्रस्त हो गए और उसे हुसैन सागर में विसर्जित करना पड़ा था। वर्ष 2014 में, गणेश की ऊंचाई 60 फीट (18 मीटर) तक पहुंच गई, इसके आयोजन के 60 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया गया। 2018 में, 80 लाख रुपये की लागत से 57 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण किया गया था। निर्माण के लिए 35 टन प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), 22 टन स्टील, 15 टन मिट्टी और 500 लीटर पेंट का इस्तेमाल किया गया था।

2019 की गणेश मूर्ति खैरताबाद में सबसे ऊंची मूर्ति थी। 61 फीट (19 मीटर) की मूर्ति का निर्माण 1 करोड़ की लागत से किया गया था और 10-दिवसीय उत्सव के दौरान लगभग 40 लाख भक्तों ने मूर्ति के दर्शन किए।

खैरताबाद गणेश 2015

क्यों बप्पा को लेना पड़ा था 'धूम्रवर्ण' अवतार?

'धूम्रवर्ण' नामक अवतार अहंतासुर का नाश करने के लिए लिया

इन दिनों पूरे भारत में गणेश चतुर्थी के उत्सव की धूम है। ऐसे में अब तक आप सभी ने महागणपति के 8 अवतारों के विषय में जाना होगा और आज हम आपको आठवें अवतार के विषय में आपको बताने जा रहे हैं। जी दरअसल भगवान श्रीगणेश का 'धूम्रवर्ण' नामक अवतार अहंतासुर का नाश करने के लिए लिया। कहा जाता है वाहन की श्रेणी में गणपति जी ने कई बार मूषक को अपना वाहन चुना और इस अवतार में भी उन्होंने मूषक को ही चुना है।

पौराणिक कथा- कहा जाता है पितामह ब्रह्मा ने सूर्य को कर्माध्यक्ष पद दिया। वहीं राज्य पद प्राप्त कर सूर्यदेव के मन में अहङ्कार हो गया, उसी समय उनको छींक आ गई और उससे अहंतासुर का जन्म हुआ। इसी के साथ अहंतासुर शुक्राचार्य से गणेश मंत्र की दीक्षा प्राप्त कर ध्यान तथा जप करने लगा। सहस्रों वर्षों की कठिन तपस्या के बाद भगवान गणेश प्रकट हुए। उन्होंने अहंतासुर से कहा- तुम इच्छित वर मांगो।

अहंतासुर ने उनसे सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड पर राज्य, अमरत्व, आरोग्य तथा अजेय होने का वर मंगा। भगवान गणेश तथास्तु कहकर अन्तर्धान हो गए। अहंतासुर विषयप्रिय नामक नगर में सुख पूर्वक निवास करने लगा। अहंतासुर ने श्वशुर की सलाह और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर विश्व-विजय के लिए प्रस्थान किया। सप्तद्वी पवती पृथ्वी अहंतासुर के अधिकार में हो गई, फिर स्वर्ग पर भी आक्रमण किया।

देवता, ऋषि, मुनि पर्वतों में छिपकर रहने लगे । धर्म-कर्म नष्ट हो गया। सर्वत्र पाप और अन्याय का बोलबाला हो गया। चारों तरफ से असहाय होकर देवताओं ने भगवान शंकर और ब्रह्मा की सलाह से भगवान गणेश की उपासना करना शुरू की। सात सौ वर्षों की कठिन साधना के बाद भगवान गणनाथ प्रसन्न हुए। उन्होंने देवताओं की विनती सुनकर उनका कष्ट दूर करने का वचन दिया। देवर्षि नारद को दूत के रूप में अहंतासुर के पास गए । उन्होंने उसे धूमवर्ण गणेश की शरण-ग्रहण कर शांत जीवन बिताने का संदेश दिया, लेकिन संदेश निष्फल हो गया। भगवान धूम्रवर्ण ने क्रोधित होकर असुर सेना पर अपना उग्र पाश छोड़ दिया। उस पाश ने असुरों के गले में लिपट कर उन्हें यम लोक भेजा।

असुरों ने भीषण युद्ध की चेष्टा की, किंतु तेजस्वी पाश की ज्वाला में वह सभी जलकर भस्म हो गए। अहंतासुर ने भगवान धूम्रवर्ण के चरणों में गिरकर क्षमा मांगी। संतुष्ट भगवान धूम्रवर्ण ने दैत्य को अभय कर दिया। उन्होंने उसे आदेश दिया कि जहां मेरी पूजा न होती हो, तुम वहां जाकर रहो। देवगणों ने श्रद्धापूर्वक धूम्रवर्ण की पूजा की तथा मुक्त कंठ से उनका जय घोष करने लगे।

गणेश जी का 400 साल पुराना मंदिर, जहां स्वयं प्रकट हुए थे बप्पा

कोंकण समुद्र तट पर श्री गणेश का विशाल मंदिर स्थापित है। मंदिर में भक्तों का तांता सालभर लगा रहता है व गणेशोत्सव के दौरान यहां की रौनक आकर्षण का केंद्र होती है। यहां स्थित स्वयंभू गणेश मंदिर पश्चिम द्वारदेवता के रूप में भी प्रसिद्ध हैं। गणेश जी के इस प्राचीन मंदिर में लोग अपना भगवान का आशीर्वाद लेने दूर दूर से आते हैं और प्रसन्न होकर जाते हैं। कोंकण समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर सुंदर बीच और स्वच्छ पानी के अलावा गणपतिपुले वनस्पति के मामले में भी काफी समृद्ध है। यह समुद्र तट मुंबई से 375 किलोमीटर की दूर, रत्नागिरि जिले में बना है। महाराष्ट्र राज्य में रत्नागिरि के एक छोटे से गांव में बने इस मंदिर वाले क्षेत्र में मैनग्रोव और नारियल के पेड़ों की भरमार है।

लोकप्रिय स्वयंभू गणपति मंदिर गणपतिपुले मंदिर के नाम से जाना जाता है और रत्नागिरि जिले में स्थित है। मंदिर आश्चर्यजनक 400 साल पुराना है और यह माना जाता है कि भगवान गणपति खुद यहां प्रकट हुए जिससे स्वयंभू का खिताब दिया गया। मंदिर में स्थित गणेश जी की मूर्ति सफेद रेत से बनी हुई है और सालाना हजारों भक्तों को आकर्षित करती है। यहां एक अखंड चट्टान से नक़्क़ाशा गया है। यह हजारों और हजारों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, जो मंदिर में भगवान गणपति का आशीर्वाद पाने के लिए हर साल भीड़ करते है। गणपति को पश्चिम द्वार्देवता माना जाता है। यह माना जाता है कि स्थानीय लोग जो गणपतिपुले में रहते हैं उन्हें खुद भगवान आशीर्वाद देकर उनकी देखबाल करते है। मोदक, भगवान गणपति का पसंदीदा भोजन बिल्कुल एक स्वादिष्ट मिठाई का भोग गणपतिजी को लगाया जाता है।

रत्नागिरि का मौसम और यात्रा

गणपतिपुले के स्थानीय लोग गणपति देवता के उपासक हैं। यहां के निवासी अत्यंत स्नेही और मेहमाननवाज हैं। वे मुखयतः मराठी में बातचीत करते हैं, हालांकि अंग्रेज़ी और हिन्दी में भी वे बातचीत अच्छे तरह से कर सकते हैं, क्योंकि ये जगह एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। चूंकि गणपतिपुले अरब सागर के नजदीक स्थित है, इसीलिए यहां का मौसम वर्ष भर शानदार रहता है। हालांकि गर्मी में थोड़ा गर्म रहता है और पर्यटक आमतौर पर इस मौसम के दौरान यात्रा करना पसंद नहीं करते। यहां का क्षेत्र प्रचुर मात्रा में वर्षा होने से प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ है। यहां सर्दियों के दिनों में शीतलता रहती है।

कैसे पहुंचे रत्नागिरि

गणपतिपुले कि यात्रा पर जाना किसी भी व्यक्ति के लिए आसान है। रत्नागिरी हवाई अड्डा यहां का निकटतम हवाई अड्डा है। यहां का निकटतम रेलवे स्टेशन रत्नागिरि है, जहां से गणपतिपुले एक मिनी बस या ऑटो रिक्शा के द्वारा पहुंचा जा सकता है। परिवहन का सबसे अच्छा तरीका सड़क है। इस छोटे से गांव के सुंदरता की एक झलक पकड़ने घाटियों कि नीचे वाहन चलाकर आप सड़क मार्ग से जा सकते हैं।

श्री गणेश के 11 मंत्र

1.श्री गणेशाय नमः
2.ॐ श्री गणेशाय नमः
3.गं गणपतये नमः
4.ॐ गं गणपतये नमः
5.ॐ गं ॐ गणाधिपतये नमः
6.ॐ सिद्धि विनायकाय नमः
7.ॐ गजाननाय नमः
8.ॐ एकदंताय नमो नमः
9.ॐ लंबोदराय नमः
10.ॐ वक्रतुंडाय नमो नमः
11.ॐ गणाध्यक्षाय नमः

कार्तिक आर्यन को मिली अनुराग बसु की आशिकी 3

'भूल भुलैया 2' की सक्सेस के बाद कार्तिक आर्यन को कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। अब हाल ही कार्तिक ने 'आशिकी 3' के लिए अनुराग बसु संग हाथ मिलाया है। इस मच अवेटेड फिल्म से बॉलीवुड के कई बड़े सितारों का नाम सामने आ रहा था, लेकिन अब फाइनली कार्तिक को यह फिल्म मिल गई है।

कार्तिक ने दी सोशल मीडिया पर जानकारी

कार्तिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। कार्तिक ने इसके कैप्शन में लिखा, 'बसु दा के साथ मेरी पहली फिल्म आशिकी 3।' हालांकि, अभी तक मेकर्स ने फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। यह एक लव स्टोरी होगी, जो अभी तक पर्दे पर दिखाई गई सभी फिल्मों से अलग होगी।

कार्तिक का सपना हुआ पूरा

कार्तिक ने वैरायटी से बात करते हुए बताया, टाइमलेस क्लासिक आशिकी एक ऐसी फिल्म है, जिसे देखकर मैं बड़ा हुआ हूं और 'आशिकी 3' में काम करना किसी सपने का सच होने जैसा है। मैं इस अपॉर्च्युनिटी के लिए भूषण कुमार और महेश भट्ट के साथ कोलाब्रेट करने के लिए खुद को खुशकिस्मत फील कर रहा हूं। मैं अनुराग के काम का बहुत बड़ा फैन रहा हूं और अब उनके साथ काम करने से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

फिल्म का पहला पार्ट 1990 में हुआ था रिलीज

राहुल रॉय और अनु अग्रवाल स्टारर 'आशिकी' 1990 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को मुकेश भट्ट ने डायरेक्ट किया था। फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और आज भी इसके सॉन्ग्स हमारे दिलों पर राज करते हैं। 2013 में इस फिल्म का सीक्वल 'आशिकी 2' मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया था। श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर फिल्म भी लोगों को काफी पसंद आई थी और हिट हुई थी।

म्यूजिक में चलेगा प्रीतम का जादू

इसके पहले चर्चा थी कि फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट नजर आ सकते हैं, लेकिन फिल्म कभी फ्लोर पर नहीं आई। 'आशिकी 3' के मेकर्स ने फिल्म के आइकॉनिक म्यूजिक के लिए प्रीतम को फाइनल किया है। बता दें, कार्तिक ने हाल ही में कियारा आडवाणी के साथ 'सत्यप्रेम की कथा' की शूटिंग शुरू की है। इसके अलावा कार्तिक के पास 'शहजादा', 'फ्रेडी' और 'कैप्टन इंडिया' जैसी फिल्में हैं।

केआरके यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार : 2019 में दर्ज हुआ था मामला

जेल में बंद बॉलीवुड एक्टर कमाल राशिद खान की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। 2019 के यौन शोषण के मामले में एक्टर केआरके को मुंबई की वर्सोवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, केआरके पर सेक्सुअल फेवर मांगने का आरोप है। वहीं, केआरके 2020 में किए विवादित ट्वीट के मामले में पहले से ही जेल में बंद हैं।

अपनी फिल्म में लीड रोल किया था ऑफर

पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय एक महिला ने केआरके के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। वह 2017 में एक्टिंग करने मुंबई आई थी। केआरके से वह एक हाउस पार्टी में मिली थी। यहां केआरके ने अपने आपको फिल्म प्रोड्यूसर बताया और बातों ही बातों में दोनों ने नंबर एक्चेंज किया। FIR के मुताबिक, केआरके ने मुझे अपनी एक फिल्म कैप्टन नवाब में लीड रोल देने का वादा किया। इस फिल्म में इमरान हाशमी के होने की भी बात कही थी। 2019 में उसने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए मुंबई के चार बंगला स्थित अपने घर पर बुलाया, लेकिन मैं उस दिन वहां नहीं गई। मैं जब दो-तीन दिन बाद केआरके के घर पहुंची तो वह मुझे अपने बेडरूम ले गया और शराब ऑफर की। मेरे मना करने के बाद उसने मुझे ऑरेन्ज जूस ऑफर किया, जिसके पीते ही मुझे डिजी सा फील हुआ। इसके कुछ देर बाद केआरके मेरे साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की।

वर्सोवा पुलिस को नहीं मिली कस्टडी

इस मामले में केआरके के खिलाफ IPC के सेक्शन 354 A और 509 के तहत मामला दर्ज है। रविवार को वर्सोवा पुलिस ने केआरके को मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग की थी। हालांकि मजिस्ट्रेट ने केआरके को न्यायिक हिरासत में ही भेजा है।

आलरेडी 14 दिन की न्यायिक हिरासात में हैं केआरके

केआरके को दो साल पुराने केस में मुंबई पुलिस ने 30 अगस्त को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। इसके बाद केआरके को बोरीवली कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। केआरके के ऊपर 2020 में युवा सेना की कोर कमेटी ने मलाड पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कराई थी। कमेटी के मेंबर राहुल कनल का आरोप था कि कमाल ने दिवंगत एक्टर इरफान खान और ऋषि कपूर को लेकर आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। इस मामले में पुलिस ने कमाल के खिलाफ सेक्शन 294 के तहत मामला दर्ज किया था।

कंगना रनोट ने महेश भट्ट का असली नाम असलम बताया

वह अपना खूबसूरत नाम और पहचान क्यों छिपा रहे हैं?

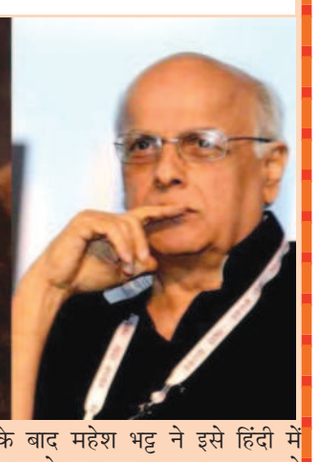

कंगना रनोट इंडस्ट्री में हमेशा अपने बेबाक बयानों की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर उन्होंने महेश भट्ट पर तंज कसा है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट से महेश के पुराने वीडियोज शेयर करते हुए कहा कि उनका असली नाम असलम है। वह अपने इस खूबसूरत नाम को क्यों छिपा रहे हैं। दरअसल, महेश वीडियो में कह रहे हैं कि डरा हुआ आदमी मुसलमान नहीं हो सकता। महेश भट्ट का यह वीडियो जमीएत एहले हदीस, मुंबई के एक कार्यक्रम का है। इसे शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- महेश बड़ी शालीनता भरे अंदाज में लोगों को हिंसा के लिए भड़का रहे हैं। दरअसल, वीडियो में महेश कह रहे हैं कि भाई जरा अपनी शिद्दत को जगाइए। मैंने जितना भी इस्लाम के बारे में पढ़ा है, मुझे एक ही बात समझ में आई है कि डरा हुआ आदमी मुसलमान नहीं हो सकता।

वीडियो में महेश ने आगे कहा, 'जहां डर है वहां इस्लाम नहीं और जहां इस्लाम है वहां डर नहीं। जैसे जहां रोशनी होती है वहां अंधेरा नहीं हो सकता। एक हदीस मुझे मेरे अजीज दोस्त महमूद मदनी साहब ने लिखवाई थी जो मेरे कंप्यूटर पर है। ये हदीस पढ़ने के बाद महेश भट्ट ने इसे हिंदी में अनुवाद करते हुए कहा- मदद कर। अपने भाई की मदद कर, वो मजलूम (बेचारा) हो तो मदद कर, और जालिम हो तो भी मदद कर। कंगना ने अपनी पोस्ट में लिखा- महेश भट्ट ने सोनी राजदान से दूसरी शादी के लिए अपना धर्म बदला है। उनका असली नाम असलम है, यह बहुत खूबसूरत है। मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि वह अपनी पहचान क्यों छिपा रहे हैं। उन्हें अपने असली नाम का इस्तेमाल करना चाहिए।

कंगना का महेश भट्ट के साथ विवाद काफी पुराना है। साल 2020 में महेश की बेटी और एक्टर-प्रोड्यूसर पूजा भट्ट की फिल्म धोखा में काम करने के ऑफर को ठुकरा दिया था। इसके बाद उन्होंने महेश पर मारपीट का भी आरोप लगया था। वहीं, कंगना ने फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में महेश की दूसरी बेटी आलिया भट्ट की कास्टिंग को सबसे बड़ी गलती बताई थी।

सोलह श्रृंगार में बेहद खूबसूरत दिखी शोभिता धूलिपाला, फैंस बोले ऐश्वर्या राय को दे रही हैं टक्कर

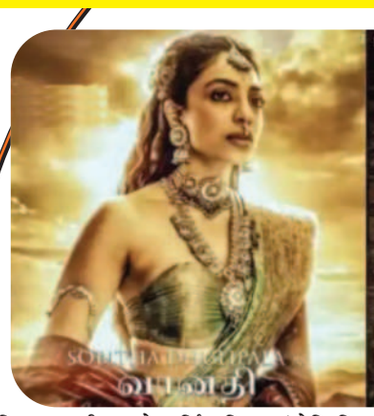

मणिरत्नम की सबसे चर्चित फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' खूब चर्चे में है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स लगातार सामने आ रहे हैं। सबसे पहले तो एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन का लुक फिल्म से सामने आया था, जिसने उनके फैंस के बीच तहलका मचा दिया। अब फिल्म से शोभिता धूलिपाला का लुक सामने आया है। यह शोभिता की पहली पैन इंडिया फिल्म है। वह आनेवाली पीरियड ड्रामा में वनथी के रूप में दिखाई देंगी। मेकर्स ने ऐतिहासिक फिल्म से वनथी के रूप में शोभिता के पहले लुक को शेयर किया है। ज़ोया अख्तर की वेब सीरीज़ 'मेड इन हेवन' में अपने काम के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पोन्नियिन सेलवन से अपना लुक शेयर किया है। फिल्म में कार्थी, विक्रम, जयम रवि, ऐश्वर्या राय और त्रिशा भी हैं और यह 30 सितंबर को दुनिया भर में रिलीज होने के लिए तैयार है।

शोभिता का रीगल लुक

रविवार को शोभिता धूलिपाला ने पोन्नियिन सेलवन में वनथी के रूप में अपने लुक को इंस्टा पर शेयर किया। पोस्टर में वो एक भारी साड़ी और शानदार आभूषण पहने हुए रीगल लग रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'जल्दी-बुद्धि, विनम्र और आंख से मिलने वाली चीजों से कहीं ज्यादा! @sobhitad को वनथी के रूप में पेश कर रही हूं! 30 सितंबर को तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में!'

तो यूजर्स ने कहा- इसे कहते हैं सादगी भरी खूबसूरती

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी सादगी भरी खूबसूरती के लिए अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रश्मिका मेकअप वैन से निकलते हुई दिखाई दीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने पिंक कलर की हूडि और ब्लू जींस पहन रखा है। उन्होंने एक फैन के साथ फोटो भी क्लिक करवाई। वीडियो में रश्मिका का सिंपल लुक देखकर यूजर्स उनकी जमकर तारीफ करते हुए नजर आए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा,' कितनी सिंपल, कितनी क्यूट'। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा 'इसे कहते हैं सादगी भरी खूबसूरती'। वर्कफ्रंट की बात करे तो रश्मिका जल्द ही फिल्म 'मेगा ब्लॉकबस्टर' में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के साथ नजर आएंगी।

झलक दिखला जा 10 शो के सेट पर रेड साड़ी में स्पॉट हुईं माधुरी दीक्षित, वीडियो देख फैंस ने कहा, सर्जरी कराई है क्या ?

डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 की शुरुआत हो चुकी है। इस शो ने 5 साल बाद वापसी की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित इस शो को जज कर रही हैं। हाल ही में माधुरी को डांस रियलिटी शो के सेट पर स्पॉट किया गया। जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में माधुरी रेड साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने पोल्का डॉट साड़ी के साथ सिल्वर ब्लाउज कैरी किया हुआ है। माधुरी ने पैपराजी के सामने पोज भी दिए। जिसे देखने के बाद यूजर्स उनके चेहरे और लिप्स को लेकर कई तरह के रिएक्शंस दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने अपने चेहरे पर बोटॉक्स से क्या करवा लिया है? वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, 'चेहरा बहुत गड़बड़ दिख रहा है।' ये पहली बार नहीं है जब माधुरी के ऊपर ऐसे कमेंट किए गए हो। इससे पहले भी ऐसा कई बार हो चुका है।

श्रद्धा दास ने खूब दिए बोल्ड सीन लेकिन नहीं गली बॉलीवुड फिल्मों में दाल

कई भाषाओं की फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी सीरियलों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस श्रद्धा दास को लोग पहचानते तो हैं लेकिन उन्हें एक्टिंग में वैसी पहचान नहीं मिली जैसी मिलनी चाहिए थी। श्रद्धा दास ने अपने करियर में 40 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। कई फिल्मों में उनके काम की तारीफ भी हुई है लेकिन श्रद्धा को वह सफलता नहीं मिल सकी है जो मिलनी चाहिए थी।

श्रद्धा दास का जन्म 4 मार्च 1987 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता सुनील दास एक बिजनसमैन हैं और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के रहने वाले हैं। भले ही श्रद्धा ने काफी कम उम्र में मॉडलिंग और एक्टिंग में आ गई हों लेकिन उन्हें पढ़ाई खूब की है। श्रद्धा के पास जर्नलिजम और मास मीडिया में डिग्री है।

श्रद्धा दास ने एक्टिंग में आने से पहले काफी थिएटर में एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में कई बड़े एक्टर्स से थिएटर वर्कशॉप ली हुई हैं। एक्टिंग में आने से पहले श्रद्धा दास ने 400 से ज्यादा विज्ञापनों में काम किया है। इससे पता चलता है कि उनका फेस तो काफी पॉपुलर रहा है। श्रद्धा ने साल 2008 में तेलुगू फिल्म 'सिदू फ्रॉम सिकाकुलम' से अपना फिल्मों में एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने तेलुगू के अलावा हिंदी, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और इंग्लिश फिल्मों में भी काम किया।

श्रद्धा ने अपनी फिल्मों और वेब सीरीज में कई बोल्ड सीन देने के बाद काफी सुर्खियों में आई हैं। श्रद्धा को अपनी बोल्ड इमेज का कुछ फायदा तो मिला लेकिन वह इसका बहुत ज्यादा फायदा अभी तक नहीं उठा सकी हैं। श्रद्धा ने अपना बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'लाहोर' से किया था। इसके बाद उन्होंने श्रद्धा दास ने अपने बॉलीवुड करियर में 'लाहोर', 'दिल तो बच्चा है जी', 'लकी कबूतर', 'जिद', 'सनम तेरी कसम', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' और 'तीन पहेलियां' जैसी फिल्मों में काम किया है।

आलिया भट्ट को नहीं मिला सुहागरात के लिए टाइम, तो कैटरीना कैफ ने दी मजेदार टिप

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस कैटरीना कैफ जल्द ही फिल्म निर्माता करण जौहर के चर्चित शो 'कॉफी विद करण' में नजर आएंगी. उनके साथ एक्टर ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी शो का हिस्सा होंगे. तीनों की फिल्म 'फोन भूत' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. सामने आए 'कॉफी विद करण' के एपिसोड 10 में करण जौहर 'फोन भूत' की स्टारकास्ट का वेलकम करते नजर आए. इस दौरान करण जौहर ने कैटरीना कैफ से आलिया भट्ट की सुहागारात के बारे में सवाल पूछा. वीडियो में कैटरीना कैफ, ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी, करण जौहर के साथ खूब मस्ती करते दिखे.

सामने आए प्रोमो में दिख रहा है कि अभिनेत्री ने कहा, "हमेशा सुहाग रात की होना जरूरी नहीं है. यह 'सुहाग दिन' भी हो सकता है." करण जौहर ने शो के पहले एपिसोड में आए रणवीर सिंह से भी उनके सुहागरात के बारे में सवाल किया था. करण ने पूछा था, क्या रणवीर शादी की सभी रस्मों के बाद सुहागरात पर थके नहीं थे. इसके जवाब में एक्टर ने कहा, 'नहीं, मैं बहुत बिजी था.'

फ्रांस वेकेशन पर बॉयफ्रेंड अर्सलान के साथ पहुंची ऋतिक रौशन की एक्स वाइफ सुजैन खान

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रौशन की एक्स वाइफ और फेमस फैशन डिजाइनर सुजैन खान लंबे समय से अर्सलान खान गोनी को डेट कर रही हैं। दोनों आए दिन किसी न किसी पार्टी या वेकेशन को एंजॉय करते देखे जाते हैं। सुजैन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी रीसेंट फ्रांस वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनके साथ अर्सलान भी नजर आ रहे हैं।

रीसेंट वेकेशन की फोटो में अर्सलान और सुजैन बेहद रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। एक फोटो में सुजैन रेड कलर की शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में दिख रही हैं, जिसमें वो बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही हैं। फोटो में अर्सलान ब्लैक शर्ट में पोज दे रहे हैं। वहीं वीडियो में अर्सलान और सुजैन कार में बैठकर एंजॉय कर रहे हैं।

अर्सलान के अलावा सुजैन ने अपने करीबियों के साथ भी फोटोज शेयर की हैं। जिसमें वो और उनकी 4 फ्रेंड्स साथ में पोज देते नजर आ रही हैं। फोटोज के सुजैन ने लोकेशन भी टैग की है। फोटोज में सुजैन ने फ्रांस के खूबसूरत नजारों को भी कैप्चर किया है, जो देखने में काफी खूबसूरत हैं। बता दें कि सुजैन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं, आए दिन एक्ट्रेस वर्कआउट वीडियोज या दोस्तों और परिवार वालों के साथ भी वीडियोज शेयर किया करती हैं। इससे कुछ समय पहले भी सुजैन और अर्सलान कैलिफोर्निया ट्रिप पर गए थे। जिनकी फोटोज काफी सुर्खियों में रही थीं। हालांकि अब उनकी फ्रांस टिप की फोटोज चर्चा में हैं।

कुछ समय पहले खबरें आ रही थीं अर्सलान और सुजैन जल्द शादी कर सकते हैं। हालांकि हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में सुजैन ने ऐसी खबरों से इनकार कर दिया था, वहीं अर्सलान ने भी शादी के बारे में बात करने से मना कर दिया था। ऐसे में शादी की खबरें महज अफवाह थी।

तलाक के बावजूद सुजैन-ऋतिक अक्सर अपने बच्चों के साथ स्पॉट किए जाते हैं। इसके अलावा सुजैन ऋतिक की रयूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ भी पार्टी करती नजर

आंवला एक फायदे अनेक

रोज कच्चा आंवला खाने से कम होगा वजन, इसमें मौजूद विटामिन सी की अधिक मात्रा आपकी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करेगी

आंवले का पाउडर हृदय की मांसपेशियों को मज़बूत करता है

आंवला यूरिन की मात्रा को नियंत्रित करता है और यूरिन इंफेक्शन से भी बचाव करता है

आमतौर पर आंवले का सेवन बालों को काला, घना बनाने के लिए किया जाता है। लेकिन ये सिर्फ़ बालों की ही नहीं बल्कि शरीर की कई अन्य दिक़्क़तों को भी दूर भगाने में मददगार है। आंवला बहुत ही पौष्टिक होता है। यह अपने एंटीऑक्सीडेंट्स के कारण सौंदर्य प्रसाधनों में अधिक उपयोग में लाया जाता है। इसे आयुर्वेदिक दवा के रूप में त्वचा और बालों के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं कि आंवला और किस प्रकार से हमारे लिए फ़ायदेमंद है।

पाचन क्रिया में लाभ

कई फलों की तरह आंवले में भी फाइबर भरपूर मात्रा में होता है जो पाचन क्रिया सुचारु रखने में मददगार है। इसलिए आंवले का सेवन पेट संबंधी विकारों को दूर करता है।

मधुमेह पर नियंत्रण

आंवले में क्रोमियम होता है, जो डायबिटीज़ के इलाज में महती भूमिका निभाता है।

वज़न घटाने में मददगार

वज़न कम करने के लिए कच्चा आंवला खाएं। इसके अलावा आंवले के पाउडर को शहद और गुनगुने पानी के साथ पिएं। कुछ ही दिनों में अंतर दिखने लगेगा।

माहवारी नियमित रखे

माना जाता है कि आंवले में पाए जाने वाले मिनरल्स और विटामिन मासिक धर्म में ऐंठन की समस्या से राहत दिलाने में और माहवारी को नियमित करने में भी मददगार हैं।

इम्युनिटी बढ़ाता है

चूंकि आंवले में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, इसलिए यह प्राकृतिक प्रतिरक्षा तंत्र को मज़बूत बनाने वाला माना जाता है।

हृदय संबंधी समस्याओं से राहत

आंवले का पाउडर हृदय की मांसपेशियों को मज़बूत करता है। इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह से होता है।

यूरिन इंफेक्शन से बचाव

आंवला यूरिन की मात्रा को नियंत्रित करता है और यूरिन इंफेक्शन से भी बचाव करता है।

भूख बढ़ाता है

भोजन से पहले मक्खन, शहद के साथ आंवले के पाउडर का सेवन करने से भूख बढ़ती है। आंवला बुख़ार, अपच की समस्या, एनीमिया में भी फ़ायदेमंद साबित होता है।

ख़ून साफ़ करे

आंवला प्राकृतिक रूप से ख़ून को साफ़ करता है। अगर आपको मुंहासे होते हैं तो आंवला आधारित फेस पैक लगाएं। आंवला कोलेजन को बढ़ाने में भी मदद करता है, जो त्वचा को जवां बनाए रखता है।

कब्ज़ दूर करने के आसान घरेलू उपाय

कब्ज अविश्वसनीय रूप से एक बहुत ही आम समस्या है. ज्यादातर लोग कभी न कभी कब्ज की समस्या से पीड़ित होते ही हैं. कब्ज के चलते व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है. किसी कार्य में मन नहीं लगता. कुछ भी खाने-पीने से व्यक्ति डरने लगता है. कब्ज की वजह से पेट में मरोड़ आना, बार-बार जाने के बावजूद मलत्याग में दिक्कत होना या मलत्याग न होगा जैसी समस्याएं होती हैं. बहुत समय तक कब्ज से परेशान रहने वाले लोगों को आगे चलकर बवासीर की भी समस्या हो सकती है. कब्ज की वजह से आपके जीवन की गुणवत्ता के साथ ही शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

किन वजहों से होती है कब्ज की समस्या

जीवनशैली से जुड़ी गलतियां, खान-पान में गड़बड़ी और कई बार किसी बीमारी के लिए लगातार दवाओं के सेवन की वजह से भी कब्ज की समस्या हो सकती है. कब्ज में कई तरह की समस्याएं होती हैं, चलिए जानते हैं कब्ज के लक्षण क्या होते हैं, किसी को कैसे पता चले कि उसे कब्ज की समस्या है. अगर सप्ताह में तीन बार से कम मल त्याग होता है तो आपको कब्ज की समस्या है.अगर कल कठोर, सूखा हुआ और ढेलेदार आए तो आप कब्ज की समस्या से पीड़ित हैं.मल त्याग करते समय परेशानी हो या दर्द महसूस हो तो समझ लें कब्ज की समस्या है. मल त्याग के बावजूद एहसास हो कि पेट पूरी तरह साफ नहीं हुआ है, तो कब्ज ने पेट जकड़ रखा है.

कब्ज से राहत पाने का घरेलू उपाय

कब्ज से छुटकारा पाने के लिए कई प्राकृतिक तरीके हैं. आप इन उपायों को अपने घर में ही अपना सकते हैं. जो उपाय हम यहां बता रहे हैं, उनमें से ज्यादातर के पीछे विज्ञान की शक्ति है. जानिए क्या उपाय अपना सकेत हैं आप.

खूब सारा पानी पिएं

अगर आप उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं तो जान लीजिए की आप कभी भी कब्ज के शिकार हो सकते हैं. कब्ज से बचने के लिए आपको दिनभर में खूब सारा पानी पीते रहना चाहिए. अगर आपको कब्ज है तो स्पार्कलिंग वाटर से आपको राहत मिल सकती है. हालांकि, आपको सलाह दी जाती है कि मीठा सोडा युक्त कार्बोनेटिड वाटर यानी कोल्ड ड्रिंक्स न पिएं, यह आपकी ओवरऑल सेहत को नुकसान पहुंचाने के साथ कब्ज की समस्या को भी बढ़ा सकते हैं.

फाइबर युक्त भोजन खाएं

कब्ज की समस्या से पीड़ित कोई व्यक्ति जब डॉक्टर के पास जाता है तो डॉक्टर उन्हें फाइबर युक्त भोजन करने की सलाह देते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि फाइबर युक्त भोजन पेट में भारी होता है और यह बाउल मूवमेंट को ठीक रखने में मदद करता है, ताकि मल आसानी से पास हो सके. साल 2016 में हुई एक स्टडी में पाया गया कि लगभग 77 फीसद लोगों को फाइबर सप्लीमेंट से पुरानी कब्ज में राहत मिली.

व्यायाम करें

कई शोधों में यह भी पता चला है कि व्यायाम करने से कब्ज की लक्षणों में राहत मिलती है. शोध में बैठ-बैठ काम करने को कब्ज की समस्या को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार माना गया है. यही वजह है कि कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञ कब्ज से निजात पाने के लिए व्यायाम बढ़ाने की सलाह देते हैं.

काफी का सेवन करें

कुछ लोगों कॉफी पीने के बाद प्रेशर महसूस होता है. ऐसा इसलिए क्योंकि कॉफी पाचन तंत्र की मांसपेशियों को उत्तेजित करती है. कॉफी, आंत की मांसपेशियों को उत्तेजित करके कब्ज को दूर करने में मदद कर सकती है. इसमें घुलनशील फाइबर की भी कुछ मात्रा हो सकती है.

त्रिफला चूर्ण का सेवन करें

त्रिफला चूर्ण कब्ज की समस्या को दूर करने में बड़ा मददगार साबित हो सकता है. इसमें आंवला, हरितिका और हरण जैसी असरदार औषधियां होती हैं. रात में दूध या गर्म पानी के साथ त्रिफला चूर्ण लेने से पुरानी से पुरानी कब्ज ठीक होने लगती है.

प्रोबायोटिक भोजन करें

प्रोबायोटिक पुरानी से पुरानी कब्ज से छुटकारा पाने में आपकी मदद कर सकता है. प्रोबायोटिक लाइव बैक्टीरिया होते हैं, जो स्वाभाविक रूप से आपकी आंतों में होते हैं. प्रोबायोटिक्स का सेवन करके उनकी संख्या को बढ़ाया जा सकता है. साल 2019 के एक रिव्यू के अनुसार 2 हफ्ते तक प्रोबायोटिक लेने से कब्ज की समस्या में सुधार होता है. दही, किमची जैसे कुछ खाद्य पदार्थों में प्रोबायोटिक पाया जाता है.

सूखे आलूबुखारा का सेवन करें

आलूबुखारा और उसके जूस को कब्ज के लिए एक प्राकृतिक उपाय के रूप में जाना जाता है. आलूबुखारा में फाइबर तो प्रचुर मात्रा में होता ही है, इसमें सोर्बिटोल भी होता है. यह एक तरह का शुगर-एल्कोहल है, जिसमें लैक्सेटिव गुण होते हैं.

डेयरी उत्पादों से रहें दूर

जिन लोगों को डेयरी उत्पादों से दिक्कत होती है, उनमें डेयरी उत्पादों का सेवन करने से कब्ज की समस्या बढ़ सकती है, ्योंकि इसक असर गट मूवमेंट पर पड़ता है.

पेट में गैस हो तो क्या खाना चाहिए?

यदि आप पेट में बार-बार बनने वाली गैस से परेशान हैं तो ऐसे में आपको महंगे-महंगे ट्रीटमेंट्स लेने की जरूरत नहीं हैं बल्कि कुछ चीजों के सेवन से इस समस्याओं को दूर किया जा सकता है. ऐसे में इन चीजों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख व माध्यम से बताएंगे कि आप पेट में बनने वाली गैस से छुटकारा पाने के लिए किन चीजों का सेवन कर सकते हैं.

गैस से कैसे पाएं छुटकारा

हर्बल टी के सेवन से भी पेट की गैस से तुरंत राहत मिल सकती है. ऐसे में आप विकल्प के

रूप में पुदीना, अदरक या कैमोमाइल टी का सेवन कर सकते हैं.

जीरा और सौंफ की चाय भी पेट में गैस की समस्या को दूर कर सकती है. ऐसे में आप चाय बनाकर गुनगुना करके इस समस्या से राहत पा सकते हैं.

पेट की गैस से राहत चाहते हैं तो ऐसे में आप सेब के सिरके का सेवन भी कर सकते हैं. आप एक गिलास में सेब के सिरके को मिलाकर पी सकते हैं. बता दें कि सेब के सिरके के अंदर फाइबर पाया जाता है ऐसे में ये पेट से गैस निकालने में भी आपके काम आ सकता है. ज्यादा फायदा पाना चाहते हैं तो खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं.

इन चीजों का सेवन न करें

पेट में बनने वाली गैस खराब लाइफस्टाइल या खानपान की गलत आदतों के कारण हो सकती है. ऐसे में आप धूम्रपान का सेवन न करें. इससे अलग आप अपनी डाइट से एल्कोहल को भी निकाल दें. गैस होने पर च्यूइंगम का सेवन न करें.

ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से कानों को नुकसान

ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से आपके कानों को नुक़सान पहुंच सकता है। यदि आप भी इनका अधिक इस्तेमाल करते हैं तो कुछ बातों का ख़्याल रखें।

कभी मोबाइल पर बात तो कभी संगीत सुनने के लिए अक्सर हम ईयरफोन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके अधिक इस्तेमाल से सुनने में समस्या, इन्फेक्शन और कानों में दर्द की शिकायतें आम होने लगी हैं। इनसे बचने के लिए कुछ उपाय कारगर हो सकते हैं।

* ईयरफोन पर तेज़ आवाज़ में संगीत सुनने से कान के पर्दों को नुक़सान पहुंचता है और सुनने की क्षमता भी कम हो जाती है। ईयरफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो गैजेट का वॉल्यूम 40 फ़ीसदी तक ही रखें।

* यदि ईयरफोन लगाकर घंटों काम करना पड़ता है, तो हर घंटे के बाद 5-10 मिनट के लिए इन को निकलकर कानों को आराम दें।

* आजकल ईयरफोन कान में अंदर तक जाते हैं, जो कि सही तरह से साफ़ न होने पर संक्रमण का ख़तरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए इस्तेमाल करने से पहले ईयरफोन को सैनिटाइज़र से साफ़ करना न भूलें।

* ऑनलाइन मीटिंग्स में हेडफोन का इस्तेमाल करें। इससे कानों को आराम भी मिलेगा और संक्रमण की आशंका भी नहीं रहेगी।

* यदि नौकरी ऐसी है कि दफ़्तर के बाद भी फोन पर बात करना ज़रूरी रहता है तो ईयरफोन या मोबाइल फोन को कान पर लगाकर बात करने की अपेक्षा मोबाइल को स्पीकर पर रखकर बात करें।

* हमेशा अच्छी कंपनी का ईयरफोन ही इस्तेमाल करें। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि ईयरफोन का आकार ऐसा हो कि उन्हें लगाने से कानों में दर्द न हो।

* यात्रा के दौरान लोग शोर से बचने के लिए ईयरफोन पर तेज़ आवाज़ में गाने सुनने लगते हैं। इससे वो बाहरी शोर से तो बच जाते हैं, लेकिन ईयरफोन के ज़रिए क़रीब के शोर से उन्हें अधिक नुक़सान होता है।

महिलाओं को इन ब्रेस्ट कैंसर के संकेतों पर जरूर ध्यान देना चाहिए

महिलाओं की हैल्थ प्रॉब्लम में एक प्रॉब्लम ब्रेस्ट कैंसर की है। आज भारत में 25 से 40 साल की अधिकतर महिलाएं इस बीमारी की चपेट में आ रही है जिसका एक कारण लापरवाही भी है। लापरवाही संकेतों को अनदेखा करने की। दरसअल 60 फीसदी महिलाओं यह जान ही नहीं पाती कि वह बीमारी से ग्रस्त हैं क्योंकि इस बीमारी को लेकर वह जागरुक ही नहीं हैं। नतीजा वह जब इसके बारे में जान पाती हैं तब तक बीमारी तीसरी या चौथी स्टेज पर पहुंच जाती हैं लेकिन अगर कुछ शरीर में होने वाले बदलावों पर ध्यान दिया जाए तो इस बीमारी को समय पर ही पकड़ा जा सकता है, जिससे मरीज जल्दी सही हो सकता है।

आज हम आपको कुछ ऐसी ही कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी इस वीडियो में देंगे जिसके बारे में हर महिला को पता होना चाहिए। उससे पहले इसके लक्षण जानिए। इन लक्षणों की अनदेखी बिलकुल ना करें...

- अगर स्तनों पर किसी तरह की गांठ बनी हो
- स्तनों में दर्द, खुजली और लालगी बनी हो।
- अंडरआर्म्स या बाजु कंधे के आसपास हिस्से में दर्द, सूजन या गांठ बनी हो।
- गर्दन के ऊपरी हिस्से में दर्द रहता हो भी क्योंकि कैंसर की कोशिकाएं जब बढ़ने लगती हैं तो यह रीढ़ की हड्डी पर असर डालता है जिससे गर्दन में तेज दर्द और सूजन की समस्या होने लगती है।
- निप्पल में मटमैला पानी जैसे चिपचिपा डिस्चार्ज हो तो।
- निप्पल मुड़े हो या निप्पल का रंग व आकार बदलने लगे।
- बहुत ज्यादा थकान महसूस करती हो तो क्योंकि कैंसर के सैल्स रक्त की कोशिकाओं पर दबाव डालते हैं जिससे शरीर अत्यधिक थकान महसूस करता है।

ऐसे कोई लक्षण दिखे तो तुरंत डाक्टरी जांच करवाएं क्योंकि समय पर अगर बीमारी को पकड़ लिया जाए तो इससे छुटकारा पाना आसान है।

कारणों की बात करें तो इसके बहुत से कारण हो सकते हैं...

-यह बीमारी जेनेटिक भी है। घर में किसी महिला को अगर यह समस्या है तो घर की अन्य महिला को भी इसका खतरा रहता है।

- आपका लाइफस्टाइल सहीं ना होना भी एक बड़ा कारण है। जैसे हैल्दी की बजाए अनहैल्दी चीजों का सेवन ज्यादा करना।
- जो महिलाएं 30 के बाद प्रेग्नेंसी कंसीव करती हैं, उनमें भी कैंसर की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।
- बर्थ कंट्रोल पिल्स का अधिक सेवन करने वाली महिलाओं को भी इसका खतरा रहता है।
- पीरियड्स जल्दी आने व जल्दी बंद हो जाने से भी इस बीमारी का खतरा। जैसे मासिक धर्म 12 साल की उम्र से पहले शुरू हुए हों और 55 साल से पहले बंद हुए हो उन्हें ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है।
- बहुत ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाएं भी इसकी चपेट में आ सकती है।

किन बातों पर ध्यान देनें की जरूरत

- नहाते समय स्तनों के आसपास हाथ लगाकर जरूर चेक करें। स्तनों के आसपास किसी तरह का दर्द या गांठ हो तो तुरंत डाक्टरी जांच करवाएं।
- डाइट में हैल्दी चीजों का सेवन करें। फ्रूट्स नट्स व हरी सब्जियां खाएं।
- व्यायाम-योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वजन को कंट्रोल में रखें।
- मेडिटेशन करें खुद को तनाव से दूर रखें।
- जंकफूड का सेवन ना करें।

यह चीजों आपको सिर्फ ब्रेस्ट कैंसर से ही नहीं बल्कि अन्य कई तरह की बीमारियों से भी बचा कर रखेंगी।

क्या आपको भूख नहीं लगती व खाया हुआ हजम नहीं होता ?

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। समय पर भूख नहीं लगती और खाया हुआ हजम नहीं होता। इससे समय पर शौच भी नहीं होता। धीरे-धीरे कमजोरी आ रही है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती बबीता शर्मा, महबूबनगर

उत्तर : आपको अरुचि एवं मंदाग्नि की शिकायत है। अरुचि के चलते भूख नहीं लगती और मंदाग्नि रहने से खाया हुआ अच्छी तरह से हजम नहीं होता। शक्ति तो हाजमा सही होने पर ही आती है। शौच का समय पर आना भी पाचन क्रिया के सुधार के बाद ही संभव है।

आप भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसा करें। भोजन के पहले ही निवाएं पानी से ऊंझा अग्नितुंडी वटी लेवे। भोजन के बाद ऊंझा पंचासव 15 मिलीलीटर से 20 मिलीलीटर की मात्रा में 3 गुने निवाएं पानी में मिलाकर लेवे। इससे खाया हुआ शरीर का हिस्सा बनेगा, गैसेस एवं अजीर्ण की शिकायत भी नहीं रहेगी और समय पर पैखाना आएगा। कब्ज का निवारण होगा।

भोजन सुपाच्य, ताजा, संतुलित एवं समय पर लेवे। नमकीन और मिठाइयों से बचें। मांसाहारी भोजन से दूर रहे। ऐसा करते रहने पर निश्चित ही फायदा होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 23 वर्ष है। मेरी आंखों के नीचे काले धब्बे पड़ गए हैं, साथ ही त्वचा भी रूखी और झुर्रियों वाली हो गई है । थोड़ा सा काम करते ही थक जाता हूं। उचित सलाह देवें।

- नीलकंठ शिव शंकर शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन में पोषक तत्वों की कमी नींद की कमी, जीवन में व्यायाम का अभाव, चाय - कॉफी ज्यादा पीने की आदत आदि से समय से पहले ही बुढ़ापा शरीर पर आक्रमण करता है। इन ₹अर्ली एजिंग₹ के सारे लक्षणों को उल्टाया जा सकता है। इसके लिए आपका आत्म बल मजबूत होना चाहिए और साथ ही स्वाद पर अंकुश लगाना चाहिए।

आप हर रोज ऊंझा चवनप्राश सुप्रीम या

रजवाड़ीप्राश या कोहिनूरप्राश का सुबह-शाम सेवन करें। नित्य कसरत किया करें । टहले, घूमे या फिर तैरें। योगिक व्यायाम भी किए जा सकते हैं। भोजन में ऋतु अनुकूल सब्जियां और मौसमी फल शामिल करें। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट (प्रत्येक 10 -10 मिलीलीटर) को दोगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। हर दिन सुबह उठते ही शौच आदि से निवृत होने के बाद ऊंझा चंदनबलालाक्षादि तैल या नारायण तैल से पूरे शरीर की मालिश करें । रात्रि सोने से पहले औरा टेंसट्रिम एवं ऊंझा ब्राह्मी वटी की टिकिया दूध से लेकर सोए। सुखकारी नींद लेने से आंख के नीचे आए धब्बे या झांई धीरे-धीरे धूमिल पड़ जाएगी ।शरीर में चुस्ती - फुर्ती आने लगेगी । नयी उमंग और नया उत्साह आपके जीवन को सकारात्मकता देगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट पाती हूं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- सुश्री ममता वर्मा, वरंगल

उत्तर : कई लड़कियों व स्त्रियों में गर्भाशय के अवयव में सूजन, पेट में आफरा , उदर व पैरों में भारीपन एवं हारमोंस के बदलाव के चलते मासिक धर्म के पहले और मासिक धर्म चलते समय पेट व पीठ में भयंकर दर्द होता है। इसे आसानी से दूर किया जा सकता है। गायनोसिन कैप्सूल मासिक धर्म से 7-8 दिन पहले दो-दो कैप्सूल की मात्रा में गर्म पानी से लेने पर तुरंत लाभ होता है। और अधिक व स्थाई लाभ के लिए इसे ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप या ऊंझा अशोकारिष्ट के साथ लेवे। इसके प्रयोग से अनार्तव, कष्टार्तव और रजोवरोध से संबंधित विकारों में तुरंत लाभ होता है।

खून की कमी, पीठ का दुखना, थकावट और कमजोरी दूर होकर स्त्री शरीर में नवजीवन का संचार होता है। सारी चिकित्सा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

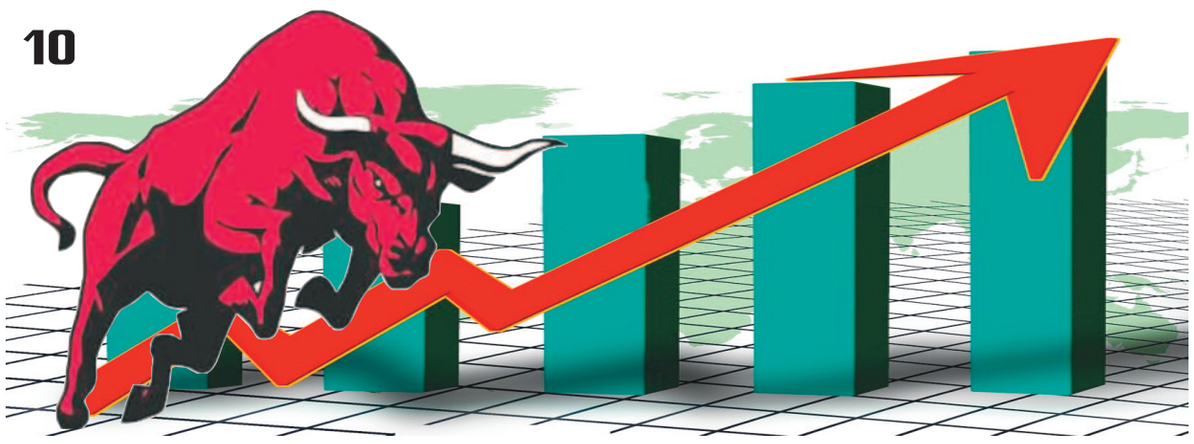

बैंकिंग धोखाधड़ी से मिलेगी सुरक्षा, ऑनलाइन लेनदेन के लिए हर बार देनी होगी कार्ड की जानकारी

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई एक अक्तूबर, 2022 से कार्ड टोकनाइजेशन व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके लागू होने पर मर्चेंट, पेमेंट एग्रीगेटर और पेमेंट गेटवे आपके डेबिट-क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स अपने पास नहीं रख पाएंगे। आपको ऑनलाइन लेनदेन के लिए हर बार कार्ड की डिटेल्स देनी होगी। इससे आपके कार्ड की डिटेल्स सुरक्षित रहेगी। साथ ही ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी रोकने में मदद मिलेगी। बार-बार कार्ड की जानकारी दर्ज करने की परेशानी से बचना चाहते हैं तो अपने कार्ड को टोकन में बदल सकते हैं। हालांकि, टोकनाइजेशन अनिवार्य नहीं है। आप जब भी किसी ई-कॉमर्स एप या वेबसाइट से खरीदारी करते हैं तो आपसे डेबिट/क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स मांगी जाती है। इससे आपको भविष्य में लेनदेन के लिए हर बार ये जानकारियां नहीं देनी पड़ती हैं। हालांकि, यह सुविधा कई बार जोखिम बन जाती है, जब आपके कार्ड की डिटेल्स चुरा ली जाती है। टोकनाइजेशन एक प्रक्रिया है, जिसमें आपके कार्ड के 16 अंकों के नंबर को एक वैकल्पिक-एनक्रिप्टेड कोड से बदल दिया जाता है। इसे टोकन कहते हैं। आपके कार्ड से जुड़ा टोकन हर मर्चेंट के लिए अलग-अलग होगा। इसका इस्तेमाल ऑनलाइन लेनदेन, पीओएल लेनदेन या इन-एप लेनदेन के लिए कर सकते हैं।

खराब प्रोजेक्ट रिपोर्ट सड़क हादसों के लिए जिम्मेदार, नितिन गडकरी का खुलासा

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कुछ सड़क दुर्घटनाओं के लिए दोषपूर्ण परियोजना रिपोर्ट को जिम्मेदार ठहराया और जोर देकर कहा कि कंपनियों को राजमार्गों और अन्य सड़कों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सही ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) की जरूरत है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। गडकरी, जो अपने स्पष्ट विचारों के लिए जाने जाते हैं, ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा, कंपनियों द्वारा तैयार कुछ डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बेहद खराब हैं और सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने डीपीआर तैयार करने वाली कंपनियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की

आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, शुरुआत वहां से करो। अगर वो सुधरेंगे नहीं तो तुम्हारा पूरा सत्यानाश हो जाएगा। हल्के-फुल्के अंदाज में मंत्री ने कहा कि अकुशल चालक के हाथ में नई मर्सिडीज कार भी समस्या खड़ी कर सकती है। गडकरी ने सड़क परियोजनाओं में देरी के कारणों की पहचान करने पर जोर दिया क्योंकि देरी के कारण निर्माण की बढ़ती लागत भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की रविवार को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जब उनकी कार महाराष्ट्र के पालघर जिले में डिवाइडर से टकरा गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में पूरे भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से ज्यादा लोगों की जान चली गई - औसतन रोजाना 426 या हर एक घंटे में 18 - जो अब तक किसी भी कैलेंडर वर्ष में दर्ज की गई सबसे ज्यादा मौत का आंकड़ा है। गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी की रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि सड़क दुर्घटनाओं और घायल लोगों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में कमी आई है।

रिलायंस जैसी कंपनियों से विंडफाल टैक्स वसूलने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कही बडी बात

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर अचानक नहीं, बल्कि उद्योग के साथ नियमित परामर्श के साथ वसूला जा रहा है। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को अचानक लगाया गया कर कहना ठीक नहीं है, क्योंकि इसका निर्धारण उद्योग के साथ परामर्श के साथ किया जाता है। वित्त मंत्री ने एलारा कैपिटल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कहा, "उद्योग को

पूरी तरह भरोसे में लेने के बाद ही इस विचार को लागू किया गया।" सीतारमण ने कहा, "जब हमने इस बारे में सुझाव दिया, तो हमने उद्योग जगत से कहा था कि हर 15 दिनों में कर की दर की समीक्षा की जाएगी और हम ऐसा कर रहे हैं।" वैश्विक सूचकांक में बांड को शामिल करने पर उन्होंने कहा कि महामारी के बाद से कई चीजें बदल गई हैं। कोषों की आवक के मामले में खासतौर से ऐसा है। सीतारमण ने कहा कि फंड की आवक उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। निश्चित रूप से इसकी बड़ी वजह महामारी है। उन्होंने कहा, "हालांकि, मैं जल्द ही इस पर एक तार्किक निष्कर्ष की उम्मीद करती हूं।" यह पूछने पर कि क्या सरकार कर-जीडीपी अनुपात बढ़ाने की योजना बना रही है, उन्होंने कहा कि कर आधार को बड़ा करना एक ऐसा मुद्दा है, जिसके लिए बहुत अधिक परामर्श और विश्लेषण की जरूरत है।

वित्त मंत्री ने कहा, "लेकिन हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ऐसा अधिक उचित ढंग से तथा तकनीक की मदद से किया जाए।"उन्होंने कहा, "भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लिए बहुत सी चीजों को फिर से आकार देना होगा। इस लक्ष्य को पाने के लिए डिजिटलीकरण, शिक्षा और बुनियादी ढांचा सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं।"

आरबीआई के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा

अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का उम्मीद से कम रहना चिंताजनक

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव का कहना है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में बड़ी छलांग की उम्मीद थी। लेकिन, आर्थिक वृद्धि दर का उम्मीद से कम रहना निराशा और चिंताजनक है। 2022-23 की जून तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 13.5 फीसदी रही। सुब्बाराव ने रविवार को कहा, उन्हें चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर के 13.5 फीसदी से अधिक रहने का अनुमान था। मौजूदा परिस्थितियों में यह निराशा और चिंता का कारण बन गया है। सुब्बाराव ने कहा, आगे

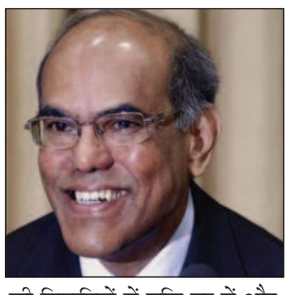

की तिमाहियों में वृद्धि दर में और गिरावट की आशंका है। अल्पावधि में वृद्धि दर कमोडिटी की उच्च कीमतों, वैश्विक मंदी की आशंका, आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति और एक असमान मानसून से प्रभावित हो सकती है। असमान मानसून से फसल उत्पादन पर असर पड़ेगा।

क्या बढ़ने वाली है रिटायरमेंट की उम्र ? ईपीएफओ ने दिए ये संकेत

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। क्या आने वाले समय में रिटायरमेंट की उम्र बढ़ जाएगी? इस तरह की चर्चाओं को एक बार फिर ईपीएफओ की एक रिपोर्ट ने जन्म दे दिया है।

ईपीएफओ के विजन 2047 के डॉक्यूमेंट में रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने की चर्चा है। बता दें, अभी 60 वर्ष की औसत उम्र रिटायरमेंट की है। 20 अगस्त 2022 को प्रकाशित ईपीएफओ के प्रोविजनल डाटा के अनुसार इस साल जून तक 18.36 लाख लोग ईम्पलॉयीज प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन के सदस्य बने थे। मई 2022 की तुलना में ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या में 9.21 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। साल-दर-साल के हिसाब से देखें तो जून 2021 की तुलना में जून 2022 में 5.53 लाख अधिक लोग ईपीएफओ के सदस्य बने थे। जून 2022 में कुल 18.36 लाख लोग सदस्य बने थे। जिसमें से 10.54 लाख लोग नए थे। अच्छी बात यह है कि जून 2022 से ही ईपीएफओ में नए सदस्य खूब तेजी से जुड़ रहे हैं। वहीं, इस साल 7.82 लाख लोग ऐसे भी हैं जो ईपीएफओ से बाहर निकल गए थे लेकिन फिर उन्होंने ज्वाइन किया है। या फिर अपना पुराना फंड नए में ट्रांसफर किया है। जून 2022 में 22 साल से 25 साल तक की उम्र के 4.72 लाख लोग ईपीएफओ के सदस्य बने थे। यह आंकडे.इस ओर इशारा कर रहे हैं कि समय के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति और बेहतर हो रही है। सर्विस सेक्टर में यह सुधार के संकेत हैं।

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 620.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हुआ, दुनिया में 23वें नंबर पर

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। मार्च 2021 के बाद से भारत के विदेशी कर्ज में 8.2% यानी लगभग 573.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल यह (मार्च 2022 के अंत तक) 620.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इस विदेशी कर्ज का 53.2% अमेरिकी डॉलर में है जबकि अनुमानित रूप से 31.2% भारतीय रुपयों में है। वित्त मंत्रालय ने भारत के विदेशी कर्जे के स्टेटस रिपोर्ट का 28वां संस्करण जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि अलग-अलग देशों के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो भारत का विदेशी कर्जा मामूली है।

भारतीय बाजार में बढ़त बरकरार

सेंसेक्स 443 अंक उछला, निफ्टी 17650 के पार

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले नाकारात्मक संकेतों के बावजूद भारतीय शेयर बाजार सोमवार को अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग, मेटल और रियल्टी सेक्टर्स में खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी को मजबूती मिली। सोमवार को निफ्टी 443 अंक उछलकर 59,220 अंकों पर तो निफ्टी 126 अंक मजबूत होकर 17,666 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले हफ्ते के पहले करोबारी दिन भारतीय बाजार सपाट ढंग से खुला पर थोड़ी देर में बाजार में मजबूती आ गई और यह मजबूती बाजार बंद होने के समय पर जारी रही। सोमवार के कारोबारी सेशन में निफ्टी मेटल इंडेक्स में सबसे अधिक 1.67 प्रतिशत की मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 शेयरों ने हरे निशान पर कारोबार किया।

सर्विस सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार, अगस्त में 14 साल की सबसे बड़ी हायरिंग

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। इकोनॉमी के मोर्चे पर एक अच्छी खबर आई है। बीते अगस्त माह के दौरान भारत के सर्विस सेक्टर में बढ़ोतरी देखने को मिली है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक मांग में मजबूती और लागत दबाव में कमी की वजह से यह बूस्ट मिला है।

इस वजह से अगस्त माह में कंपनियों में हायरिंग 14 साल के उच्चतम स्तर पर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अगस्त में 57.2 हो गया, जो जुलाई में 55.5 था। यह लगातार 13वां महीना है जब इंडेक्स में संख्या 50 से ज्यादा है। आपको बता दें कि 50 से ऊपर की संख्या का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे की संख्या गिरावट दर्शाती है। सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि सर्विस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों को 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि की उम्मीद है। यह सेंटिमेंट चार वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के इ को नॉ मि क्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलीन्ना डी लीमा ने कहा- नए कारोबार में बढ़त के चलते गतिविधियों में तेजी आई और कोविड महामारी से संबंधित प्रतिबंधों को हटाने के अलावा डिस्ट्रिब्यूशन प्रयासों से कंपनियों को लगातार लाभ हो रहा है। वहीं, रोजगार के मोर्चे पर, मजबूत बिक्री और बेहतर वृद्धि अनुमानों के चलते सेवा क्षेत्र में भर्ती में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई। सर्वेक्षण में कहा गया कि 14 वर्षों में रोजगार सृजन की दर सबसे मजबूत हो गई है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 8 फीसद हिस्सेदारी संभव

अमेरिका को भी लगे 10 साल

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत आठ फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। इसरो की साझेदारी में काम कर रहे निजी क्षेत्र की कड़ी मेहनत से यह संभव है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-सपेस) के अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने यह दावा किया है।

गोयनका ने कहा, नई अंतरिक्ष नीति जल्द घोषित किए जाने की उम्मीद है। इसमें निजी क्षेत्र के सामने आने वाली अधिकतर बाधाओं को दूर कर दिया जाएगा। इसके बाद वे भी उपग्रह निर्माण, ट्रांसपोंडर को पट्टे पर देने और प्रक्षेपण यान के निर्माण व अंतरिक्ष-आधारित उद्योगों की दुनिया में संभावनाओं को टटोल सकेंगे। इससे भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी। गोयनका ने कहा, हमारे पास करीब 100 स्टार्टअप हैं, जिनमें से दो तिहाई की स्थापना गत दो-तीन सालों में हुई है।

अंतरिक्ष नीति का सबसे अहम लक्ष्य निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष क्षेत्र में भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है। इन-सपेस के अध्यक्ष ने कहा, अमेरिका में भी अंतरिक्ष उद्योग के नासा से निजी क्षेत्र की ओर बढ़ने और निजी क्षेत्र के लिए अपने दरवाजे खोलने में एक दशक का समय लगा। भारत अगले 10 से 15 साल में अमेरिका की मौजूदा स्थिति तक पहुंचने की उम्मीद कर सकता है।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव

चेक करें जीएसटी समेत आज का भाव

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में सोमवार को सोने-चांदी के हाजिर भाव में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज दोनों कीमती धातुओं की चमक काफी बढ़ी है। आज 24 कैरेट सोना 50784 रुपये पर खुला, जो शुक्रवार के बंद रेट से 200 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा है। वहीं, चांदी भी 610 रुपये मजबूत होकर 52382 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5470 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 22926 रुपये सस्ती है। इसके अलावा 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 50581 रुपये पर है। वहीं, 22 कैरेट 46518, जबकि 18 कैरेट 38088 और 14 कैरेट

गोल्ड की कीमत अब 29709 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी यानी 1523 रुपये जोड़ लें तो इसका रेट 52307 रुपये हो जा रहा है। वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 57538 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 54674 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 60141 रुपये में देगा। 23 कैरेट गोल्ड पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 57308 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 47913 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 52704 रुपये का पड़ेगा। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 3 फीसद जीएसटी के साथ 39230 रुपये प्रति 10 ग्राम होगी। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 43153 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव जीएसटी के साथ यह 30600 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 33660 रुपये का पड़ेगा।

पद्मश्री तुलसी गौड़ा को पेड़ों की दुर्लभ जानकारियां:65 साल से बंजर जमीन में पौधे लगाकर बच्चों सी देखभाल करती हैं,अधिकारी भी लेते हैं सलाह

होनाली (कर्नाटक), 5 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के होन्नाली के घने रेनफॉरेस्ट में करीब 80 साल की एक बुजुर्ग महिला सैकड़ों पेड़ों से स्वस्थ शाखाओं को सावधानी के साथ काटकर उनसे नए पौधे लगाने में जुटी है। वे दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों और बीजों के बारे में बात करती हैं तो उनकी आंखों में चमक आ जाती है। इनके बारे में वे ऐसे बताती हैं, जैसे कोई एनसाइक्लोपीडिया हों। वह भी तब जब उन्होंने पढ़ाई तक नहीं की। यह बजुर्ग महिला हैं तुलसी गोविंद गौड़ा। वे कहती हैं,'मैं हरे पेड़ों से भरे इन जंगलों को देखती हूं तो लगता है कि पेड़ों को काटे बगैर इंसान समृद्ध बन सकते हैं...।' तुलसी ने अपनी पूरी जिंदगी कर्नाटक में बंजर जमीन

को जंगलों में बदलने में समर्पित कर दी है। हालांकि इस बात का पता दुनिया को तब चला, जब पर्यावरण सुरक्षा में योगदान के लिए तुलसी को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान लेने के लिए वे पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा पहनकर पैरों में कुछ पहने बिना ही पहुंची थीं। क्योंकि पूरी जिंदगी उन्होंने कभी जूते नहीं पहने। घर के आंगन में लगी कुर्सी पर बैठकर भी वे इसी सादगी से सभी का स्वागत करती हैं। सम्मान मिलने के बाद उनके घर पर मिलने वालों का तांता लगा रहता है। गांव के लोग उन्हें देखकर आदर से सिर झुका लेते हैं। बच्चे उनके साथ सेल्फी लेते हैं। छात्रों से भरी बसें उनके घर पर पहुंचती हैं। जहां वे परिवार के दस सदस्यों के साथ रहती हैं। तुलसी कहती हैं, बच्चों को पौधों के बारे में जानकारी देकर खुशी मिलती है। उन्हें पेड़ों को महत्व समझाना होगा। तुलसी को पक्का तो याद नहीं है, पर वो जब 12 साल की थीं, तबसे पौधे लगाने और उनकी देखभाल कर रही हैं। उन्होंने पेड़ लगाकर बाकी ग्रामीणों से उलट जंगल की कटाई रोकने का काम किया। वे मां के साथ जंगल जाती थीं। उन्होंने ही तुलसी को सिखाया कि स्वस्थ पेड़ों के बीजों से कैसे नए पौधे उगाए जाते हैं। स्थानीय वन अधिकारियों और निवासियों के मुताबिक किशोरावस्था में ही उन्होंने अपने घर के पीछे के बंजर क्षेत्र को घने जंगल में बदल दिया था। पड़ोस में रहने वाली रुक्मिणी बताती हैं,'बचपन से ही वह पौधों से ऐसे बात करती हैं, जैसे मां अपने शिशु से करती है। रुक्मिणी भी दशकों से तुलसी को इस नेक काम में सहयोग दे रही हैं। वन विभाग से जुड़े रहे 86 साल के रेड्डी बताते हैं, अपनी पोस्टिंग के पहले दिन चिलचिलाती धूप में वे तुलसी से मिले। उस वक्त वो मिट्टी से कंकड़-पत्थर हटाकर उनमें सावधानी के साथ बीज और पौधे लगा रही थी। रेड्डी कहते हैं,' तुलसी के हाथों में जादू है। देसी प्रजातियों को पहचानना, उन्हें ध्यान से जमा करना और उनके पोषण संबंधी छोटी-छोटी जानकारियां तुलसी के पास हैं। ये नॉलेज कहीं किसी किताब में भी नहीं मिलता। बस तबसे ही उन्होंने तुलसी को अपना सलाहकार नियुक्त कर लिया। रेड्डी के साथ जुड़ने के बाद तुलसी की अलग पहचान बन गई। स्थानीय लोग उन्हें पेड़ों की देवी (द गॉडेस ऑफ ट्रीज) कहने लगे। तुलसी ने सरकारी नर्सरी में 65 वर्षों तक सेवाएं दीं। 1998 में आधिकारिक तौर पर रिटायर होने के बाद भी वे सलाहकार के रूप में सक्रिय हैं और पेड़-पौधों से जुड़ी मूल्यवान जानकारियां साझा करती हैं। थकान मिटाने खेतों में पहुंच जाती हैं: मेहमानों से मिलने के बाद तुलसी जब थका हुआ महसूस करती हैं तो चावल के खेतों में टहलने निकल जाती हैं।

लंदन में भारतीय क्यों जमकर खरीद रहे प्रॉपर्टी?

खुद अंग्रेजों को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली , 5 सितंबर (एजेंसियां)। यूके और इंग्लैंड की राजधानी है लंदन । यहां भारतीयों का रुतबा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। लंदन में अगर हम प्रॉपर्टी मालिकों की बात करें, तो यहां भारतीय खुद अंग्रेजों से भी आगे हैं। लंदन में भारतीय सबसे अधिक प्रॉपर्टी मालिकों में शामिल हैं। भारतीय वर्षों से वहां रह रहे हैं। लंदन के प्रॉपर्टी मालिक भारतीयों में कई पीढ़ियों से यूके में रह रहे लोग, एनआरआई, अन्य जगहों पर रहने वाले निवेशक, शिक्षा के लिए यूके जाने वाले स्टूडेंट्स और परिवार शामिल हैं। भारतीयों के बाद लंदन में अंग्रेज और पाकिस्तानी सबसे अधिक प्रॉपर्टी मालिक हैं। लंदन बेस्ड रेजिडेंशियल डिवेलपर बैराट लंदन ने यह जानकारी दी है। ये भारतीय निवेशक इंग्लैंड और भारत दोनों जगहों पर रह रहे हैं। ये लोग राजधानी लंदन में एक, दो या तीन बेडरूम वाले अपार्टमेंट के लिए 290,000-450,000 जीबीवी भी खर्चने को तैयार हैं। बैराट लंदन के इंटरनेशनल सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर स्टुअर्ट लेस्ली ने एक मीडिया हाउस को बताया, 'हमें लंदन में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए भारतीय निवेशकों से भारी डिमांड देखने को मिल रही है। वे स्टेबल और लॉन्ग टर्म प्रॉपर्टी मार्केट में पैसा लगाना चाहते हैं। लंदन के बाहर हमारे अधिकांश उत्पाद यूके के स्थानीय खरीदारों द्वारा खरीदे जा रहे हैं, जो इन प्रॉपर्टीज को खरीदते हैं और उनमें रहते हैं।' इस साल हमें भारतीय घर खरीदारों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। ये विदेशी मार्केट प्लेयर्स का 7-8 फीसदी हिस्सा हैं। नाइट फ्रैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 10 फीसदी यूएचएनडब्ल्यूआई ने 2022 में नया घर खरीदने की योजना बनाई है। वे घरेलू बाजार में प्रॉपर्टीज में निवेश करना पसंद करते हैं। लंदन एक फाइनेंशियल और एजुकेशनल सेंटर है। साथ ही यह निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण ग्लोबल गेटवे भी है। यह शहर भारतीय निवेशकों या घर खरीदारों के बीच काफी लोकप्रिय है। खास बात यह है कि लंदन और मुंबई में प्रति वर्ग फुट कीमतें लगभग समान हैं। साथ ही एक जैसी कानूनी प्रणाली लेनदेन को कम जटिल बनाती है। यही कारण है कि भारतीय ग्राहकों को लंदन में प्रॉपर्टी पसंद आती है।

'गांधी परिवार से बने अध्यक्ष, नहीं तो टूट का खतरा'

राज्यसभा सांसद तिवारी बोले-ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह काम कर रही बीजेपी

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राज्यसभा सांसद और सीडब्ल्यूसी सदस्य प्रमोद तिवारी ने गांधी परिवार से ही अध्यक्ष बनाए जाने की पैरवी की है। प्रमोद तिवारी ने गैर गांधी को अध्यक्ष बनाने पर पार्टी में टूट की आशंका जताई है। जयपुर में कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में प्रमोद ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम घोषित है, जो चाहे नामांकन कर सकता है। कांग्रेसजनों की राय से अलग, मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि गांधी परिवार को नेतृत्व करना चाहिए। अध्यक्ष गांधी परिवार से बने। उसका कारण है, अगर गांधी परिवार नहीं रहता है तो विखंडन होता है।

प्रमोद तिवारी ने राहुल गांधी या प्रियंका गांधी में से अध्यक्ष बनाए जाने के सवाल को टाल दिया। उन्होंने इशारों में यह कह दिया कि गांधी परिवार के बिना पार्टी में टूट का खतरा है।

अशोक गहलोत भी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर चुके

दरअसल, प्रमोद तिवारी से पहले कई नेता गांधी परिवार से अध्यक्ष बनाए जाने की पैरवी कर चुके हैं। सीएम गहलोत कई बार कह चुके हैं कि राहुल गांधी को अध्यक्ष बनना चाहिए। राहुल गांधी के अध्यक्ष नहीं बनाया तो कई कार्यकर्ता निराश हो जाएंगे। घर बैठ जाएंगे। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने भी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की पैरवी की है। राजस्थान के कई मंत्री और नेता भी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर खुलकर बयान दे चुके हैं। सीएम अशोक गहलोत का नाम भी अध्यक्ष के लिए चर्चाओं में आया था लेकिन वे खुद राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर रहे हैं।

बीजेपी और ईस्ट इंडिया कंपनी की वर्किंग एक

तिवारी ने कहा- बीजेपी और ईस्ट इंडिया कंपनी की वर्किंग एक जैसी है। दोनों के बीच बहुत सी समानताएं हैं। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भी देश को अलग अलग तरीके से बांटकर लूटा। जो काम ईस्ट इंडिया कंपनी के लोग करते थे। वही काम आज मोदी सरकार और उनकी पार्टी कर रही है। ईस्ट इंडिया कंपनी और बीजेपी सरकार की वर्किंग एक है, ये जुड़वा भाई की तरह है। इतिहास बताता है कि जब हम बंटे, तब हम कमजोर ही नहीं गुलाम भी हुए हैं। पैसे के बल पर और एजेंसियों के दम पर सरकार गिराने का खेल चल रहा है। कई राज्यों में सरकारें गिराई गईं।

राहुल गांधी की पैदल यात्रा को बीजेपी कॉपी करने का प्रयास नहीं करें। इतनी लंबी यात्रा करना 56 इंच वालों के बस की बात नहीं है।

प्रमोद तिवारी
राज्यसभा सांसद और सीडब्ल्यूसी सदस्य

लूट से देश को बचाने राहुल गांधी यात्रा निकाल रहे

तिवारी ने कहा- राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा करने की आवश्यकता इसलिए पड़ी की एक आदमी ने इस देश को सपने बहुत दिखाए। इसमें केवल दो बड़े उद्योगपतियों को छोड़ किसी के सपने पूरे नहीं हुए। यूपीए राज में जो लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले, उनमें से 23 करोड़ लोग फिर से आठ साल में गरीबी की रेखा से नीचे आ गए। केंद्र सरकार बेशर्मी से देश की बेशकीमती संपत्तियां चहेते उद्योगपतियों को कोड़ियों के भाव बांट रही है। जिन सार्वजनिक क्षेत्र के कारखानों को बेचा गया, उनकी जमीन की कीमत ही नहीं लगाई। केवल कारखाने की कीमत लगाकर उसे 100 गुणा कम कीमत पर चहेते उद्योगपति को बेच दिया। इस लूट से देश को बचाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। ज्यादा कोई बोलता है तो उसके पीछे ईडी सीबीआई लगा देते हैं।

बीजेपी की सेल की तरह काम कर रही कई संस्थाएं

तिवारी ने कहा- आठ सालों में बेरोजगारी, मंहगाई ,सामाजिक तनाव के साथ देश की कई संस्थाएं ध्वस्त कर दी गई हैं। उनकी क्रेडिबिलिटी कुछ नहीं रह गई। बहुत सी संस्थाएं बीजेपी की एक सेल के तौर पर काम कर रही हैं। आर्थिक केंद्रीयकरण बहुत बड़ा खतरा है। देश को धर्म, जाति और भाषा के नाम पर बांटने के लिए नागपुर और दिल्ली में प्लानिंग बनती है। सरकार इसे जमीन पर उतारती है। यह बहुत खतरनाक खेल चल रहा है।

राहुल की यात्रा की कॉपी करने की कोशिश नहीं करें बीजेपी नेता तिवारी ने कहा- राहुल गांधी की पैदल यात्रा की बीजेपी कॉपी करने का प्रयास नहीं करें। इतनी लंबी यात्रा करना 56 इंच वालों के बस की बात नहीं है। कॉपी करने का प्रयास किया तो कई नेता रास्ते में ही रह जाएंगे। अमित शाह कितने कदम चल पाएंगे, मोदी जी कितने कदम चल पाएंगे।

सवा करोड़ की डकैती का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

बिजली वाले के रूप में की थी रेकी

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के गलता गेट इलाके में इनकम टैक्स अधिकारी बनकर आटा व्यापारी के घर 1.25 करोड़ रुपये की डकैती मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड सहित सात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। डकैत गिरोह का सरगना संजय पांचाल है। सभी को दिल्ली से पकड़ गया है। इन्हें जयपुर लाकर पूछताछ की जा रही है। पूरी वारदात को लेकर एडिशनल कमिश्नर अजय पाल लांबा आज खुलासा करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, डकैती की साजिश में दिल्ली के हार्डकोर क्रिमिनल शामिल रहे। मास्टरमाइंड ने दिल्ली से ही पूरी वारदात को ऑपरेट किया। करीब दो महीने पहले जयपुर के अलग-अलग इलाकों में रेकी कराई। रेकी करने वाले दो बदमाशों ने इलेक्ट्रीशियन बनकर घर में एंट्री की थी। घर में आ रही नकदी के बारे में सरगना को जानकारी दी थी। संजय ने दिल्ली में बैठे-बैठे गैंग को सक्रिय किया और डकैती की साजिश रची। सूत्रों ने बताया, बदमाशों ने जिस कार से तांबी फैमिली की रेकी की, उस कार को एक घर में छिपा रखा था, वह चोरी की थी। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस पहले ट्रेडिशनल पुलिसिंग के जरिए कार तक पहुंची। फिर व्हीकल के आधार पर मास्टरमाइंड तक। डकैती करने आए पांचों बदमाशों को पुलिस ने वीडियो कॉल के जरिए तांबी परिवार को दिखाया। पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। 24 अगस्त को सूरजपोल अनाज मंडी रोड पर आटा व्यापारी के घर से करीब 60 लाख रुपये की नकदी और डेढ़ किलो सोने के जेवरात लेकर लूटकर ले गए थे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने उसमें से 26 लाख रुपये बरामद कर लिया है। जेवरात और अन्य कीमती सामानों की रिकवरी अभी तक नहीं हो पाई है। मास्टरमाइंड संजय दिल्ली में पांचाल महासभा का अध्यक्ष है।

पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण बीजेपी में शामिल

पूनिया बोले-कांग्रेस में खाली पीपा बचेगा,चूहे कूदेंगे

सात नेताओं ने किया बीजेपी ज्वाइन

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे लक्ष्मीनारायण दवे ने रविवार को फिर से भाजपा ज्वाइन कर ली। दवे के साथ ही नवलगढ़ से विक्रम सिंह जाखल, ओसियां से महेंद्र सिंह भाटी, अलवर से बन्ना लाल मीणा, चंद्रशेखर यादव, जनता सेना से ओंकार वालिया और भगवती लाल मेनारिया भी भाजपा में शामिल हो गए।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सात नेताओं ने सैंकड़ों की संख्या में अपने समर्थकों के साथ प्रदेश भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस दौरान प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया मौजूद रहे। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस में तो अब खाली पीपा बचेगा और चूहे कूदेंगे।

बता दें कि भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं में अधिकतर विधानसभा टिकट के दावेदार हैं। लक्ष्मीनारायण दवे ने घर वापसी की है। वे वन, पर्यावरण, खनिज और पेट्रोलियम विभाग का जिम्मा संभाल चुके हैं। उसके बाद उन्होंने पाली के मारवाड़ जंक्शन से 2018 में निर्दलीय चुनाव लड़ा था। जोधपुर के ओसियां से 2018 में निर्दलीय चुनाव लड़ चुके महेंद्र सिंह भाटी ने 11 सरपंचों और 200 कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ली।

स्वास्थ्य सहायकों के साथ धरने पर बैठे किरोड़ी लाल मीणा

कहा-जब तक इनका हक नहीं मिलता हम हटेंगे नहीं

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य सहायक आंदोलन पर उतर गए हैं। सोमवार को स्वास्थ्य सहायकों के साथ डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने जयपुर अजमेर रोड को जाम कर दिया। जिससे पूरा ट्रैफिक ठप हो गया। स्वास्थ्य सहायक सोमवार को जयपुर में पैदल मार्च निकालने वाले थे और मुख्यमंत्री निवास कूच करने वाले थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। जिसके बाद किरोड़ी लाल मीणा स्वास्थ्य सहायकों के साथ स्वास्थ्य सहायक महापुरा के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने मांग की प्रशासन उन्हें आगे जाने दे।

इस दौरान मीडिया से बातचीत करने हुए किरोड़ी मीणा ने कहा कि जिस कांग्रेस सरकार ने दिल्ली में बेरोजगारी के लिए रैली की थी, उनको यह भी देखना होगा कि बेरोजगारी राजस्थान में भी चरम पर है। सांसद ने कहा कि जब तक सरकार स्वास्थ्य सहायकों को इनका हक नहीं देती तो धरना जारी रहेगा।

स्वास्थ्य सहायकों की मांग

स्वास्थ्य सहायकों का कहना है कि कोरोना के समय हमने हमारे परिवार की जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की थी लेकिन सरकार ने हमें नौकरी से हटा दिया।

अब परिवार का पालन पोषण करना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में सरकार को कोविड स्वास्थ्य सहायकों की जल्द से जल्द प्रदेशभर में नियुक्ति करनी चाहिए।

दौड़ नहीं पाया तो ट्रेनर्स ने डंडे बरसाए

नागौर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। सेना भर्ती की तैयारी कर रहा 17 साल का नाबालिग दौड़ नहीं पाया तो ट्रेनर्स ने जमकर पिटाई कर दी। पिटाई भी ऐसी कि पीठ और पैर पर चोट के निशान पड़ गए। लड़के का आरोप है कि- बार-बार मिन्नत करता रहा, लेकिन ट्रेनर नहीं माने।

मामला नागौर के रियाबंडी में नव्या डिफेंस एकेडमी का है। मामला सामने आने के बाद दोनों ट्रेनर को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। दो महीने पहले ही एकेडमी की शुरुआत हुई थी। 17 साल का नाबालिग आलनियावास का रहने वाला है और पिता की रियाबंडी में चाय की होटल है।

नाबालिग ने 1 महीने पहले अगस्त में एकेडमी को जॉइन किया। पिता का कहना था कि रविवार को दौड़ का सेशन था। सुबह 5 बजे चूरू निवासी ट्रेनर धीरज और झुंझुनूं निवासी मनोज बेटे समेत अन्य बच्चों को दौड़ के लिए ले गए थे।

राजस्थान की त्रिवेणी नदी में बढ़ा पानी

बीसलपुर से बनास में छोड़ा जा रहा कोटा के आसपास हो रही बारिश

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में धीमा पड़ा बारिश का दौर अगले 3-4 दिन आगे भी जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों की माने तो बंगाल की खाड़ी में अभी कोई नया सिस्टम डवलप नहीं होने के कारण राजस्थान, एमपी समेत सेंट्रल भारत में तेज बारिश की गतिविधियां अगले तीन-चार दिन होने की कम ही उम्मीद है। हालांकि राजस्थान के पूर्वी हिस्से में स्थानीय प्रभाव के चलते कुछ एरिया में हल्की बारिश हो सकती है। जयपुर मौसम केन्द्र से मिली रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस चूरू, गंगानगर और फलौदी में दर्ज हुआ। वहीं, सीकर, बूंदी, बीकानेर, धौलपुर, बारां, सवाई माधोपुर, टोंक, करौली में कल दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2-3 दिन में पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में तापमान 1-2 डिग्री सेल्सियस और बढ़ सकता है, जिससे गर्मी और बढ़ेगी। वहीं प्रदेश में बारिश की स्थिति देखे तो पिछले 24 घंटे के दौरान कोटा, बारां, झालावाड़ के इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बरसात दर्ज हुई। झालावाड़ के खानपुर में 22, कोटा में 11, लाडपुरा में 8, बारां में 7एमएम पानी बरसा। इधर त्रिवेणी नदी में लगातार पानी की आवक बनी हुई, जिससे बीसलपुर बांध का एक गेट आज भी खुला हुआ है, जिससे 6010 क्यूसेक पानी अब भी बनास में छोड़ा जा रहा है। दरअसल, बांध का जलस्तल 315.50 आरएल मीटर पर स्थिर रखते हुए पानी निकाला जा रहा है। गेट संख्या 9 शनिवार को ही एक मीटर खोल दिया गया था। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक आज प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। 6 से लेकर 8 सितम्बर तक बारां, बूंदी, झालावाड़ और कोटा जिलों में आसमान में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है और आकाशीय बिजली चमक सकती है।

इसके अलावा 7-8 सितम्बर को बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में भी कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

अधेड़ पर लाठियों से जानलेवा हमला

गंभीर हालत में जोधपुर रेफर

पाली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पाली जिले के जैतारण थाना क्षेत्र में 12 से अधिक लोगों ने एक अधेड़ की लाठियों से पिटाई कर दी। गंभीर हालत में व्यक्ति को जोधपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जमीनी विवाद में शख्स पर हमला किया गया। घटना निमाज गांव के कुशालपुरा रोड की है। अधेड़ ने जान बचाने को लेकर दुकान में भागने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने अधेड़ को दुकान से बाहर खींच कर लाठी-सरियों से जमकर पिटाई कर दी। एक गाड़ी में सवार होकर आए 12 हमलावरों ने अधेड़ पर लाठी सरियों और पाइप से हमला बोल दिया। हमले में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको जोधपुर रेफर किया गया। जैतारण थाना प्रभारी दिनेश कुमावत ने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

'मोदी @20' की भगवत गीता से तुलना पर भड़के सालेह मोहम्मद

मंत्री ने कहा-भाजपा को शर्म करनी चाहिए

जैसलमेर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मोदी @20 किताब को भगवत गीता के समान बताया था। उनके इस बयान की कांग्रेस ने निंदा की है। प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलात मंत्री सालेह मोहम्मद ने कहा कि गजेंद्र शेखावत का ये बयान शर्मनाक है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मंत्री शाले मोहम्मद भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों ने देश में पहले से ही माहौल खराब करके रखा है। अब पवित्र किताबों को भी व्यक्ति विशेष के समान बताने में परहेज नहीं कर रहे हैं। ये वाकई शर्मनाक है। मंत्री सालेह मोहम्मद ने कहा कि आप व्यक्ति विशेष के लिए कुछ करो, उनके नाम से कुछ भी करो लेकिन धर्म से मत जोड़ो।

उन्होंने हर घर मोदी के नारे पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों ने व्यक्ति विशेष को पहले महादेव से जोड़ दिया, 'हर-हर मोदी', 'घर-घर मोदी'। अब एक व्यक्ति विशेष पर लिखी किताब मोदी @20 को भगवत गीता के समान बता दिया। भाजपा को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोगों को सर्टिफिकेट बांटते हैं। अगर केंद्रीय मंत्री कि जगह कोई और या कांग्रेसी ही ऐसा बोल देता तो पता नहीं ये क्या करते। इसलिए भाजपा वालों को ऐसी हरकतें नहीं करनी चाहिए, कम से कम धर्म से जुड़ी आस्था भावना से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

शिव मंदिर की छत पर शराब पार्टी

धर्मोत्सव समिति अध्यक्ष भी था शामिल, मौके पर पहुंचे युवकों ने पीटा

जोधपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में मंदिर की छत पर शराब पार्टी करने का मामला सामने आया है। कुछ युवकों ने मौके पर पहुंच पार्टी कर रहे लोगों की पिटाई कर दी। इस पार्टी में उदयपुर के सबसे बड़े जगदीश मंदिर की धर्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश मकवाना भी शामिल थे।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार जलबुर्ज इलाके के महादेव मंदिर में रविवार शाम को प्रसादी का आयोजन था। आरोप है कि आयोजन के बाद धर्मोत्सव समिति अध्यक्ष दिनेश मकवाना सहित 12 लोग मंदिर छत पर बैठकर शराब पार्टी कर रहे थे। शराब पार्टी की भनक कुछ युवकों को लग गई। जिसके बाद वे मंदिर की छत पर पहुंचे। गुस्साए युवकों ने मकवाना और उनके साथ बैठे दो अन्य लोगों को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

आरोपी समिति अध्यक्ष ने कहा-आरोप झूठे हैं

वहीं मंदिर की छत पर पहुंचे युवकों ने शराब पार्टी की वीडियो भी बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि जैसे ही मकवाना की नजर युवकों पर पड़ी, उन्होंने हड़बड़ाहट में तुरंत शराब की बोतल नीचे फेंक दी। फिर झपट्टा मारकर फोन को नीचे गिरा दिया। इसके बाद मकवाना ने युवकों को धौंस भी दिखाया। युवकों ने पिटाई करना शुरू किया तो मकवाना वहां से भाग गए। धर्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश मकवाना ने सफाई दी कि मुझ पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। मंदिर में पार्टी जैसी कोई बात ही नहीं थी।

दोनों पक्ष ने करवाया केस दर्ज

वहीं मारपीट की सूचना पर घंटाघर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों की ओर से पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। घंटाघर थाना अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि प्राथमिक तौर पर सामने आया कि मंदिर परिसर के एक छत पर शराब पार्टी करने पर मारपीट की गई। मामले की जांच की जा रही है।

रेप पीड़ित दुल्हन वर्जिनिटी टेस्ट में फेल

खाप ने लगाया 10 लाख जुर्माना

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक दुष्कर्म पीड़िता के वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने पर खाप पंचायत द्वारा शुद्धिकरम के नाम पर10 लाख रुपये जुर्माना लगाने का मामला सामने आया है। जिले के मांडल डीएसपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की शादी बीते 11 मई को हुई थी। शादी के बाद उनके समाज की कुकड़ी प्रथा के तहत उसका वर्जिनिटी टेस्ट किया गया था। जिसमें वह खरी नहीं उतर पाई। विवाहिता से जब परिजनों ने पूछताछ की तो सामने आया कि शादी से पहले उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसका रेप किया था। इसका मामला सुभाष नगर थाने में दर्ज है। इस मामले की जांच मांडल के सीओ सुरेंद्र कुमार कर रहे हैं। इसका मामला भीलवाड़ा शहर के सुभाष नगर थाने में दर्ज है। अब पीड़िता ने बागोर पुलिस थाने में अपने पति और ससुर के खिलाफ 10 लाख रुपये के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया है। विवाहिता के साथ शादी से पहले रेप हुआ था। कुकड़ी प्रथा और उसके साथ हुये दुर्व्यवहार की पुलिस को शिकायत की। पुलिस के मुताबिक विवाहिता के वर्जिनिटी टेस्ट के बाद उसके साथ पूर्व में हुए रेप की बात सामने आ गई थी। इसके बाद बागोर के भादू माता मंदिर में समाज की पंचायत बैठी। इसकी शिकायत पुलिस को मिलने के बाद उसने विवाहिता के ससुराल पक्ष और समाज के पंचों को आगाह भी किया था, लेकिन इसके बावजूद भी 31 मई को फिर से पंचायत रखी गई।

राजस्थान युवा कांग्रेस में नियुक्तियों पर विवाद

युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने उठाए सवाल

जयपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान युवा कांग्रेस में नियुक्तियों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने सवाल उठाए है। लांबा ने ट्वीट कर लिखा- क्या यही भारतीय युवा कांग्रेस का आंतरिक लोकतंत्र बचा है। जो युवा कांग्रेस के सदस्य भी नहीं है। वे बिना संगठन चुनाव के सीधे प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बन गए है। बीवी श्रीनिवास व कृष्णा अल्लावारू को नियुक्तियों पर फिर से विचार करना चाहिए।

बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या, बदमाशों ने 3 गोलियां मारी

रिश्तेदार ने आत्मदाह की कोशिश की, जमीन को लेकर था विवाद

भरतपुर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्यारों ने बीजेपी नेता को 3 गोली मारी। बदमाश 3 बाइक और 2 कारों में सवार होकर आए थे। हत्या जमीनी विवाद के चलते हुई है। मामला भरतपुर के जघीना गेट इलाके का रविवार रात 10:45 बजे का है। इधर, बीजेपी नेता के रिश्तेदार ने सोमवार सुबह आत्मदाह करने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक भाजपा नेता कृपाल सिंह रात साढ़े 10 बजे सर्किट हाउस से कार से अपने रेलवे स्टेशन स्थित घर लौट रहे थे। बाइक और कारों में आए बदमाशों ने जघीना गेट पर कृपाल की कार को रोक लिया । गाड़ी रोकते ही उन्हें घेरकर ताबड़तोड़ गोलियां मार दी। गंभीर घायल कृपाल को पंकज, आदित्य व लोकेंद्र ने आरबीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कृपाल सांसद रंजीता कोली के करीबी थे। पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह और जोगिंदर सिं अवाना से भी उनकी नजदीकियां थी। कृपाल काफी समय से भरतपुर में जमीनों की खरीद-फरोख्त का काम कर रहे थे। वे विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जैसे संगठनों के सदस्य रहे थे। उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई थी, जिसे फिलहाल बंद किया हुआ था। उनकी बेटी उपासना सोगरवाल 2018 में आरडी गर्ल्स कॉलेज एबीवीपी से प्रेजिडेंट रह चुकी हैं। कृपाल के पिता का नाम रामभरोसी था। जिनकी रेलवे में नौकरी थी। छोटा भाई रविंद्र पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात है। बीजेपी जिलाध्यक्ष शैलेष सिंह ने कहा- कुछ दिनों पहले पुलिस ने पपला गुजर के गुर्गे की भरतपुर में होने की पुष्टि की थी। हो सकता है उस मूवमेंट से इस हत्याकांड के तार जुड़े हुए हों। भरतपुर पुलिस को उस एंगल से खंगालना चाहिए। कृपाल की कार के ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। यह किसी प्रोफेशनल बदमाश का काम है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

एएसपी अनिल मीणा ने कहा कि कृपाल सिंह को बदमाशों ने गोली मार दी। कृपाल के शरीर में करीब 3 गोलियां लगी हैं। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। उसके हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समाज में पनप रही कुप्रथाओं पर अंकुश लगाना जरूरी : गोवर्धन प्रसाद

अभा मारवाडी सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रादेशिक सम्मेलन के सदस्यों को सम्बोधित करते हुये कहा कि अंग्रेजी शासकों द्वारा प्रवासियों की नागरिकता समाप्त करने का जो कानून पारित किया था उसका पूरजोर विरोध करने के लिये वर्ष 1935 में अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन का गठन हुआ था। इसी संस्था के मनीषियों ने जो आवाज बुलंद की उसके फलस्वरूप अंग्रेज सरकार को यह कानून वापिस लेना पडा। मारवाडी सम्मेलन समाज की एकमात्र ऐसी सेस्था है जिसने समय समय पर समाज में पनप रही कुरीतियों एवं कुप्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिये सार्थक प्रयास किये। गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने कहा कि राजस्थानी समाज के इतर सामाजिक घटकों एवम संगठनों को इस राष्ट्र व्यापी संगठन के साथ जुड कर मारवाडी समाज की छवि और योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाने में सार्थक योगदान चाहिये।

अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया के साथ महामंत्री संजय हरलालका, संगठन मंत्री बसंत मित्तल का स्वागत करते हुये प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने सम्मेलन द्वारा किये जा रहे जन कल्याणकारी कार्यक्रमों का विवरण देते हुये कहा कि सुदूर दक्षिण में मारवाडी समाज के सांस्कृतिक मुल्यों सनातन परम्पराओं का संवर्धन एवम संरक्षण करने का हर सम्भव प्रयास किया जारहा है । समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखारने के लिये और प्रोत्साहित करने में सम्मेलन यथा सम्भव सहयोग कर रहा है। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मारवाडी सम्मेलन एक मात्र ऐसी संस्था है जिसमें राजस्थान, के हर जाति के लोग जुडे हुये हैं। उन्होंने तेलंगाना में अधिक से अधिक लोगों को इस राष्ट्र व्यापी संगठन से जुड कर प्रादेशिक इकाई को मजबूति प्रदान करने का आग्रह किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत मित्तल ने अपने सम्बोधन में कहा कि सम्मेलन द्वारा मारवाडी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिये मारवाडी भाषा की साहित्यिक कृतियों को पुरस्कृत किया जाता है। साथ ही जरुरतमद मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ती भी प्रदान की जा रही है।

अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया द्वारा तेलंगाना में मारवाडी समाज के वरिष्ठ समाज सेवी और राष्ट्रीय संगठन के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. आर. एम. साबू, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अजनी कुमार अग्रवाल, हैदराबाद क्लाथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, नगर की कई सामाजिक एवम धार्मिक संस्थाओं से जुडे नरेन्द्र गोयल, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयक्त मंत्री कुचामन निवासी श्याम सुन्दर मंत्री का सम्मान किया गया।

राष्ट्रपति ने आंप्र की डॉक्टर अरुणा, तेलंगाना के श्रीधर और रमय्यया का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर यहां आयोजित एक समारोह में आंध्र प्रदेश के डॉक्टर श्रीमती रवि अरूणा और तेलंगाना के टीएन श्रीधर और कंडाला रमैय्या सहित देश के 45 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने उत्तराखंड के दिव्यांग शिक्षक नेगी को मंच से उतर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने शिक्षकों को स्मरण किया और कहा कि शिक्षकों ने न केवल उन्हें पढ़ाया बल्कि उन्हें प्यार और प्रेरणा भी प्रदान की। अपने परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन के बल पर ही वह कॉलेज जाने वाली अपने गाँव की पहली बेटी बनीं। उन्होंने कहा कि उसने जीवन में जो कुछ भी अर्जित किया है उसके लिए वह सदैव अपने शिक्षकों की ऋणी अनुभव करती हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार आज की ज्ञान अर्थव्यवस्था में विकास का आधार हैं। स्कूली शिक्षा के माध्यम से इन क्षेत्रों में भारत की स्थिति को और मजबूत बनने की आधारशिला रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनके दृष्टिकोण से विज्ञान, साहित्य या सामाजिक विज्ञान में मौलिक प्रतिभा का विकास मातृभाषा के माध्यम से अधिक प्रभावी हो सकता है। ये हमारी माताएं ही हैं जो हमें हमारे प्रारंभिक जीवन में जीने की कला सिखाती हैं। इसलिए मातृभाषा प्राद्भतिक प्रतिभा के विकास में सहायक होती है। मां के बाद शिक्षक हमारे जीवन में शिक्षा को आगे बढ़ाते हैं। यदि शिक्षक भी छात्रों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाएं, तो छात्र आसानी से अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं के प्रयोग पर जोर दिया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने छात्रों में विज्ञान और अनुसंधान के प्रति रुचि पैदा करें।

अच्छे शिक्षक प्रद्धति में मौजूद जीवित उदाहरणों की सहायता से जटिल सिद्धांतों को सरल बनाकर समझा सकते हैं। राष्ट्रपति ने शिक्षकों से छात्रों में प्रश्न पूछने और अपनी शंका व्यक्त करने की आदत को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने और शंकाओं का समाधान करने से उनका ज्ञान भी बढ़ेगा। एक अच्छा शिक्षक हमेशा कुछ नया सीखने के लिए उत्साहित रहता है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी मौजूद थे। शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई पहल की घोषणा की– पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया)। यह केंद्र सरकार, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकार तथा स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से चयनित मौजूदा स्कूलों को मजबूत करके देश भर में 14500 से अधिक स्कूलों के उन्नयन और विकास के लिए एक नई केंद्र प्रायोजित योजना होगी।

मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में पूजा–अर्चना करने पहुंचे गोविंद राठी, रमेश बंग, पार्षद लालसिंह, वैकुंठम, श्रीनिवास लोया, सुमित राठी, घनश्याम तोषनिवाल, उमेश सिंह व अन्य।

एवी कालेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, दोमलगुड़ा में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में बतौर अतिथि भाग लिए एवी एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी, के. विनोद रेड्डी, प्रीन्सिपल डॉ. सीएच राजलिंगम, वाईस प्रीन्सिपल डॉ. पद्मा, श्रीमती विद्युलता। इस अवसर पर कई शिक्षकों का सम्मान किया गया।

उस्मानशाही स्थित श्री दुर्गासेवा संघ गणेश मंडप में आयोजित अन्नकूट सेवा में भाग लेते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, वेंकटेश यादव, विजय यादव, अनिल यादव, राजू यादव व अन्य।

सम्मान जैसे प्रोत्साहन पाकर शिक्षक की जिम्मेदारी दुगुनी बढ जाती : मंजुश्री

हिंदी अध्यापिका डी. मंजुश्री आदर्श शिक्षिका के रूप में सम्मानित

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा आयोजित हैदराबाद जिला स्तर पर सरकारी पीआर विद्यालय, हिमायत नगर की हिन्दी अध्यापिका डी. मंजुश्री का आज आदर्श शिक्षिका के रूप में सम्मान किया गया। हैदराबाद जिला स्तर पर उनका चयन किया गया। इस अवसर पर मंजूश्री ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आज मेरे लिए गौरव की बात है कि मेरा चयन जिला स्तर पर आदर्श अध्यापिका के रूप में किया गया। यह सम्मान पाकर मेरी जिम्मेदारी और दुगनी हो गई है। इस अवसर पर एमएलसी के जनार्दन रेड्डी, हैदराबाद जिले के अतिरिक्त जिलाधीश वेंकटेश्वरलू, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती रोहिणी, हिमायत नगर मंडल की उपशिक्षा अधिकारी श्रीमती विजयलक्ष्मी एवं अन्य जिला उप शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पीआर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नवीना देवी एवं अन्य शिक्षक गण व भारी संख्या में शिक्षकों के अभिभावक उपस्थित थे।

शेरीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में स्थापित गणेश मंडपों में बतौर अतिथि पूजा–अर्चना करते हुए क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद। साथ में हैं अंजनेयु, हरिकृष्ण, श्रीधर राव, जगन गौड़, गंगाधर, बाबर रेड्डी, सुरना श्रीशैलम।

बंग परिवार द्वारा सीतारातबाग में स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा–अर्चना करते हुए रमेशकुमार बंग, कमल बंग, रोजगोपाल बंग, वेणुगोपाल बंग, रामकवर बंग, विशाल बंग, तुषार व अन्य।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। तीन सत्रों में संचालित कार्यशाला के प्रथम संत्र में उद्यम के उप प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने प्रतिभागियों से हिंदी कार्यशाला के आयोजन के महत्व पर चर्चा करते हुए हिंदी में कंप्यूटर पर काम करने की सुविधा की जानकारी दी। की–बोर्ड ले आऊट का ज्ञान कराते हुए सभी प्रतिभागियों से टंकण का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र के वक्ता रिज़वान पाशा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), दक्षिण मध्य अंचल, एचपीसीएल, ने "राजभाषा में कार्यालय–कामकाज करने से कौन रो रहा है' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान अंग्रेजी शासकों की भाषा नीति से लेकर स्वतंत्र भारत की भाषा नीति के इतिहास को रेखांकित किया। संविधान में उल्लिखित राजभाषा संबंधी प्रावधानों के विशेष बिंदुओं पर चर्चा की। तीसरे सत्र में हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक मु. कमालुद्दीन ने कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली विषय पर उदाहरण सहित विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रशासनिक शब्दावली की उत्पत्ति पर जानकारी देते हुए उसके अनुप्रोयग के विभिन्न संदर्भों पर चर्चा की। प्रतिभागियों से प्रशासनिक शब्दावली का अभ्यास कराया और अंत में सभी प्रतिभागियों को कार्यालय का दैनिक कामकाज राजभाषा में करने के लिए शपथ दिलाई।

बेगमपेट प्रकाश नगर नानी फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए गज्जुभाई कोलरीया, के. श्रीनिवास यादव, हरि महेश्वरी, अखिलसाई, शंकर व अन्य।

गोल्कोण्डा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. श्रीनिवास राजु, डॉक्टर तुलसी (जुआलॉजी), मंज़ूर हूसेन (अरबिक), डॉ अन्वरुद्दीन (उर्दू), डॉ एन.एस. रजनीश (अंग्रेजी), बी सुचेता (कॉमर्स), जे. गंगाधर (हिन्दी) आदि ने भाग लिया।

केबीआर पार्क में स्थापित गणेश पंडाल में 6वें दिन पर पूजा–अर्चना करते हुए रामू अग्रवाल, निर्मला गुप्ता, अशोक अग्रवाल, लक्ष्मीकांत इन्नाणी, देवीमोहन, राजेंद्र बालू, जानकी लालवानी, पी. श्रीनिवास, बीएस रेड्डी, नारने अशोक, अशोक नरेडी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, राहुल सिंघल, माया अग्रवाल, शांता इन्नानी, चारवी सिंघल एवं भक्तगण।

इस्कॉन कुक्कटपल्ली द्वारा मनाया गया राधाष्टमी उत्सव

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस्कॉन कुक्कटपल्ली के तत्वावधान में श्रीश्री राधाष्टमी का उत्सव न्यू बोईनपल्ली श्रीश्री राधा गोपीनाथ आश्रम पर मनाया गया। गौरतलब है कि श्रीमती राधा रानी भगवान श्री कृष्ण का प्रथम विस्तार है एवं भगवान श्री कृष्ण को सभी से ज्यादा प्रिय हैं। इस उपलक्ष्य पर भगवान के श्री विग्रहओं का अभिषेक किया गया। 100 से अधिक भोग भगवान को निवेदन किए गए। इस्कॉन कुक्कटपल्ली के अध्यक्ष महाश्रृंग दास ने श्रीमती राधा रानी के महत्व एवं भक्ति के गुरुत्व के बारे में प्रवचन किया। सैकड़ों भक्तों ने उत्साह से भगवान की आरती में भाग लिया। इस अवसर पर वेंकटेश्वर प्रभु, रामी रेड्डी, अनिल धीरन, सरला शाह, भारती माता, विपिन मंत्री, प्राणनाथ प्रभु ,आदित्य झुनझुनवाला, उज्ज्वल लड्ढा, अनुपम एवं अन्य भक्तों ने भाग लिया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय बापूजीनगर, बोइनपल्ली में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि उपस्थित बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप ने सभी शिक्षकों का सम्मान किया। कार्यक्रम में बापूजी नगर स्कूल एचएम वेंकटेश्वरलू, रामकृष्णा, प्राथमिक विद्यालय एचएम अनुराधा व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के जीवन को सुधारने में स्वयं को समर्पित कर देते हैं शिक्षक : प्रेमकुमार

हिंदी प्रचार सभा में मना शिक्षक दिवस

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में सभा के प्रधान मंत्री जे. प्रेमकुमार ने शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन के चित्र को माल्यार्पण किया। प्रधानमंत्री ने राधाकृष्ण के बारे में बताया कि वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा देश के द्वितीय राष्ट्रपति हुए। वे शिक्षक से भारत के सर्वोच्च पद पर पहुँचे। उन्होंने कहा कि माता–पिता तो जन्म देते हैं, पर शिक्षक विद्यार्थियों का जीवन सुधारने में अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के मंत्री डॉ. सादिक पाशा ने कहा कि किसी की भी उन्नति में शिक्षक का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा मुझे गर्व है कि मैं भी एक शिक्षक हूँ। इस अवसर पर सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, कार्यकर्ता संघ के सी. शिवलिंगम, सी. विनोद रेड्डी एवं सभा के समस्त कार्यकर्ता, हिंदी प्रेमी, हिंदी केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित थे।

गोशामहल क्षेत्र के गौलीगुडा में स्थापित गणेश पंडाल में बतौर अतिथि पूजा–अर्चना करने पहुंचे अपजलगंज एसाई वीरा बाबू का सम्मान करते हुए टीआरएस नेता आनंद गौड़। साथ में हैं प्रिया गुप्ता व अन्य।

दूसरे पृष्ठ का शेष भाग

ब्रिटेन की तीसरी ...

हार बिल्कुल पसंद नहीं

लिज जब 7 साल की थीं, तब उन्होंने स्कूल के नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री, अपनी आदर्श और आयरन लेडी मार्गरेट थैचर का रोल प्ले किया था। लिज के भाई ने एक इंटरव्यू में कहा था, उन्हें बचपन से ही हार से सख्त नफरत है। मुझे याद है कि बचपन में जब हम खेलते थे तो वो कहीं हार न जाएं, इसलिए खेल के बीच से ही भाग जाती थीं। हालांकि उम्र के साथ उन्होंने कमियों को दूर किया।

6 सितंबर यानी आज मंगलवार को जॉनसन पीएम हाउस 10 डाउनिंग स्ट्रीट से बतौर प्रधानमंत्री आखिरी भाषण देंगे। इसके बाद महारानी को इस्तीफा सौंपने के लिए स्कॉटलैंड के एबरडीनशायर रवाना होंगे। फिलहाल, क्वीन एलिजाबेथ यहीं हैं। 96 साल की क्वीन को चलने में दिक्कत है, लिहाजा जॉनसन और लिज दोनों उनके पास जाएंगे। आमतौर पर यह काम बकिंघम पैलेस में किया जाता है।

जॉनसन जब क्वीन को इस्तीफा सौंप देंगे। इसके बाद लिज क्वीन से मिलेंगी। पारंपरिक रूप से इस मुलाकात को 'किसिंग हैंड्स' सेरेमनी कहा जाता है। हालांकि इस बार क्वीन की खराब सेहत को देखते हुए यह सेरेमनी सिम्बॉलिक यानी प्रतीकात्मक होगी। शपथ ग्रहण समारोह स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कासल में होगा।

आधिकारिक नियुक्ति होते ही नई पीएम लिज वापस लंदन आएंगी। यहां 10 डाउनिंग स्ट्रीट से उनका पहला भाषण होगा।

लंदन के समय के मुताबिक शाम करीब 4 बजे भाषण देने के बाद प्रधानमंत्री लिज अपनी कैबिनेट की नियुक्ति करेंगीं। क्वीन मंत्रियों को जूम कॉल पर शपथ दिलाएंगी। उनके हेड ऑफ द डिपार्टमेंट मंत्रियों को 'सील या मुहर' सौंपने की रस्म पूरी करेंगे।

नई कैबिनेट की पहली बैठक बुधवार (7 सितंबर) को होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री लिज पहली बार सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) पहुंचेंगी।

भारत-पाकिस्तान मैच के टॉप 5 मोमेंट्स

दुबई, 5 सितंबर (एजेंसियां)। रविवार का दिन, दुबई का मैदान और आमने-सामने दो ऐसी टीमें जिन्हें एक-दूसरे के खिलाफ हारना रत्ती भर भी पसंद नहीं। बात एशिया कप में रविवार को हुए भारत-पाकिस्तान सुपर-4 मैच की हो रही है। आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद तक चले इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। 39.5 ओवर के खेल में कई ऐसे मोमेंट्स रहे, जिन्हें भारत या पाकिस्तान का कोई भी क्रिकेट फैन कभी भूल नहीं पाएगा।

1. खुशदिल और फखर जमान ने 14 साल पुरानी गलती को नहीं दोहराया

बहुत से क्रिकेट फैंस को वो पल याद होगा जिसमें सईद अजमल और शोएब मलिक ने 2008 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में क्रिस गेल का कैच बड़े अटपटे ढंग से छोड़ा था। तब अजमल और मलिक दोनों बॉल के नीचे आ गए, लेकिन गलतफहमी में किसी ने कैच नहीं पकड़ा।

रविवार को हुए मैच में भी ऐसा ही कुछ होने वाला था। दरअसल, रोहित शर्मा ने छठे ओवर की पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन बॉल ज्यादा दूर नहीं गई और गेंद के नीचे दो फील्डर थे, खुशदिल शाह और फखर जमान। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि ये कैच छूट जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दोनों आपस में टकराए, लेकिन खुशदिल ने कप्तान रोहित के कैच को नहीं छोड़ा। भारतीय टीम के कप्तान 16 गेंद पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

2. रवि शास्त्री से हुई टॉस के दौरान गलती

भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा हाई वोल्टेज रहता है। इसमें दोनों टीमें कई बार छोटी-मोटी गलतियां करती हैं। ऐसा ही कुछ सुपर-4 के मैच में देखने को मिला, लेकिन इस बार गलती खिलाड़ियों से नहीं बल्कि कमेंटेटर रवि शास्त्री से हुई।

रोहित शर्मा ने टॉस के लिए सिक्का उछाला और बाबर आजम ने टेल्स कहा। तभी रवि शास्त्री ने माइक पर टेल्स की जगह हेड्स बोल दिया। सिक्का पाकिस्तान के पक्ष में गिरा। मैच ऑफिशियल्स और रवि शास्त्री को कुछ पल के लिए उलझन हुई। पर जल्द ही मामला सही हो गया। रोहित ने बाबर आजम को बताया कि वो सही हैं और उन्होंने टॉस जीत लिया है।

3. रिजवान की चोट से 10-15 मिनट के लिए रुका मैच

पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच में खूब एक्सट्रा रन लुटाए। इन एक्सट्रा रनों को रोकने के लिए पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को अपनी ओर से एक्सट्रा प्रयास करना पड़ा। एक बाउंसर को उछलकर रोकने की कोशिश में रिजवान चोटल भी हो गए।

दरअसल, 14वें ओवर की चौथी बॉल पर मोहम्मद हसनैन ने हार्दिक पांड्या को 0 रन पर आउट कर दिया। हार्दिक को आउट करने के बाद हसनैन काफी आक्रामक रुख में आ गए। क्रीज पर नए आए बल्लेबाज दीपक हूडा का स्वागत उन्होंने बाउंसर के साथ किया। टप्पा खाने के बाद हसनैन की बॉल विकेटकीपर के सर के ऊपर से निकल गई। रिजवान ने उछलकर बॉल को पकड़ना चाहा, लेकिन नहीं पकड़ पाए। इसी दौरान रिजवान का दाया घुटना चोटिल हो गया। इसकी वजह से मैच को करीब 10 से 15 मिनट तक रोकना पड़ा।

4. जमान ने दिलाई हसन अली की याद

पाकिस्तान को भारत के खिलाफ रविवार को ग्रुप स्टेज में मिली हार का बदला लेना था, लेकिन शुरू में पाकिस्तान के खेल को देख ऐसा नहीं लग रहा था। मैच में भारतीय टीम जब बल्लेबाजी कर रही थी तब पाकिस्तान की फील्डिंग कई मौकों पर निराशाजनक रही। भारतीय पारी के आखिरी ओवर में रवि बिश्नोई ने दो चौके जमाए। ये दोनों गेंद रोकी जा सकती थी, लेकिन फखर जमान की बेहद कमजोर फील्डिंग के कारण दोनों पर भारत को चार-चार मिले। उस समय गेंदबाजी कर रहे हारिस रउफ ने तो अपना सिर पकड़ लिया। कप्तान बाबर आजम भी परेशान दिख रहे थे।

फखर जमान की मिसफील्डिंग ने 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में हसन अली के ड्रॉप कैच की याद दिला दी। हसन ने सेमीफाइनल में मुकाबले में ठीक उसी स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू वेड का कैच छोड़ा था जहां रविवार को जमान लगातार दो बार गेंद रोकने में फेल रहे। ऑस्ट्रेलिया ने वह मैच जीत लिया था। लेकिन, फखर की खराब फील्डिंग भारत को जीत दिलाने के लिए काफी साबित नहीं हुई।

5. हुड्डा के शॉट ने विराट को बनाया अपना मुरीद

भारतीय पारी के 17वें ओवर में दीपक हुड्डा क्रीज पर थे। गेंदबाजी कर रहे थे मोहम्मद हसनैन। ओवर की तीसरी गेंद पर हसनैन ने बाउंसर डालने की कोशिश की। ऐसा लगा कि हुड्डा गेंद से बचने के लिए पीछे की ओर झुक रहे हैं, लेकिन उन्होंने करीब 90 डिग्री तक पीछे झुकने के बाद इस गेंद पर अपर कट लगा दिया और चार रन हासिल किए। हुड्डा का ये शॉट देखकर दूसरे एंड पर खड़े विराट कोहली भी चौंक गए और हुड्डा की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली नयनमोनी बनीं डीएसपी, हिमंत बिस्वा सरमा ने दिया 50 लाख का चेक

गुवाहाटी, 5 सितंबर (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पहली बार लॉन बॉल में लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की ने भारत को पहली बार गोल्ड मेडल दिलाया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका की टीम को फाइनल मैच में हरा दिया था।

असम सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट नयनमोनी सैकिया को डीएसपी पद देकर नवाजा है। एक कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने नियुक्ति पत्र सौंपा और 50 लाख रुपए का चेक भी दिया। असम सरकार ने पहले ही कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाडियों को प्रथम श्रेणी की सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया था।

यह निर्णय 2021 की कैबिनेट बैठक में लिया गया था। इसके साथ ही अन्य विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को क्लास टू और नेशनल गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को क्लास थ्री की नौकरी देने का निर्णय लिया गया था।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पहली बार लॉन बॉल में लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की ने भारत को पहली बार गोल्ड मेडल दिलाया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका की टीम को फाइनल मैच में हरा दिया था। इस दौरान नयमोनी सैकिया ने असम सरकार की खेल नीति की जमकर तारीफ की।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट करके बताया कि चार प्रसिद्ध खिलाड़ियों को 50,000 रुपए की एकमुश्त सहायता प्रदान की गई है। वहीं चार अन्य को हर महीने 10,000 रुपए की नियमित खेल पेंशन दी जाएगी।

चार एनसीसी कैडेड्स को उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर चिलरई पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें 25 हजार रुपए की राशि होगी। नयनमोनी सैकिया को 50 लाख रुपए प्रदान किए गए। उन्होंने हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। उन्हें डीएसपी नियुक्त किया गया।

भारत-पाकिस्तान मैच में बने 8 रिकॉर्ड : कोहली टी-20 में सबसे 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने, रोहित ने जयसूर्या को पीछे छोड़ा

खेल डेस्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को खेला गया सुपर-4 का मुकाबला टीम इंडिया भले ही हार गई हो, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। आइए आपको उन्हीं रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं...

8 साल बाद एशिया कप में पाकिस्तान से हारा भारतःसुपर- 4 के पहले मुकाबले में 5 विकेट से जीता पाक, आसिफ अली का कैच छोड़ना टीम इंडिया को पड़ा भारी

1. भारत का पाकिस्तान के खिलाफ पावर प्ले में सबसे ज्यादा रन

पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारत की सलामी जोड़ी रोहित शर्मा और केएल राहुल ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले ही ओवर से पाकिस्तानी गेंदबाजों की पिटाई शुरू कर दी और चौके-छक्के की झड़ी लगा दी। पावर प्ले में रोहित-राहुल के बीच 54 रन की पार्टनरशिप हुई। राहुल का साथ देने कोहली आए और इस ओवर में आठ रन बने। पावर प्ले में 1 विकेट के नुकसान पर भारतीय टीम ने 62 रन बना दिए।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावर प्ले के दौरान ये भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। पहले का रिकॉर्ड 6 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 48 रन का था, जो 2012 में बना था।

2. भारत का पाकिस्तान के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

विराट कोहली की शानदार हाफ सेंचुरी की बदौलत रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 7 विकेट पर 181 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। सबसे बड़े स्कोर की बात करें तो भारत ने 2012 में 192 रन बनाए थे।

3. टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बने विराट

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली फॉर्म में वापस लौट आए हैं। उन्होंने हांगकांग और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार दो फिफ्टी जड़ दी है। इसके साथ ही उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में अपनी 32वीं हाफ सेंचुरी पूरी की और रोहित शर्मा के टी-20 में सबसे ज्यादा 31 बार 50+ स्कोर बनाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। टी-20 में विराट और रोहित के बाद बाबर आजम ने 27, डेविड वॉर्नर ने 23 और मार्टिन गुप्टिल ने 22 बार 50 या इससे अधिक रनों की पारी खेली हैं।

4. कोहली पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले के क्लब में शामिल

विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 क्रिकेट में चौथा पचासा लगाया। इसी के साथ वह भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा हाफ सेंचुरी लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले एरोन फिंच, केन विलियम्सन, केविन पीटरसन और मार्टिन गुप्तिल ने भी पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 में 4 अर्धशतक लगा चुके हैं।

5. पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा रन भी विराट के नाम

विराट ने मैच में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वो पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 9 टी-20 में 406 रन बनाए हैं। साथ ही किसी भी भारतीय बल्लेबाज का उनसे बेहतर औसत नहीं है। पाकिस्तान के खिलाफ कोहली का औसत 67.66 का है।

दुबई के मैदान पर ही कोहली ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में भी शानदार अर्धशतक लगाया था। हालांकि, वो मैच भी टीम इंडिया हार गई थी।

6. रोहित बने टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ 12 रन बनाते ही मेंस और विमेंस दोनों क्रिकेट मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित ने 16 गेंदों पर 28 रन बनाए। इसके साथ ही उनके 135 टी-20 मैचों में 3548 रन हो गए हैं।

रोहित से पहले न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सूजी बेट्स के नाम यह रिकॉर्ड था। सूजी ने 3531 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित के बाद मार्टिन गुप्टिल इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 121 मुकाबलों में 31.79 की औसत से 3497 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने 3462 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।

7. रोहित ने छक्केलगाने में जयसूर्या को पीछे छोड़ा

एशिया कप में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा छक्का लगाने के मामले में सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ दिया है। रोहित ने पाकिस्तान के खिलाफ 28 रन की पारी में 2 छक्के और एक चौका जड़ा। इसके साथ ही एशिया कप में उनके नाम 25 छक्के हो गए हैं।

रोहित अब सनथ जयसूर्या से आगे निकल गए हैं। एशिया कप में सबसे ज्यादा छक्का लगाने का रिकॉर्ड अफरीदी के नाम है। उनके बल्ले से 26 छक्के निकले हैं। जबकि जयसूर्या ने 23, रैना ने 17 और धोनी ने 16 छक्के जड़े हैं।

8. रिजवान बल्लेबाजी में टॉप पर पहुंचे

एशिया कप के इस सीजन में अब तक खेले मैचों के आधार पर मोहम्मद रिजवान टॉप पर पहुंच गए हैं। उनके 3 मैचों में 96 की औसत से 192 रन बन गए हैं। रिजवान ने भारत के खिलाफ खेले गए मैच में 51

गेंदों पर 71 रन की पारी खेली। वहीं, विराट कोहली 3 मैचों में 77 की औसत से 154 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ 60 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान के रहमुल्लाह गुरबाज 45 की औसत से 135 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं।

ट्रांसजेंडर के प्यार में पड़ा स्टार फुटबॉलर

प्लेबॉय सुपरमॉडल को कर रहा है डेट

खेल डेस्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। पीएसजी के स्टार फुटबॉलर कायलिन एमबाप्पे इन दिनों अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर काफी चर्चा में है. सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिसमें एमबाप्पे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ छुट्टियां मनाते हुए नजर आए.

खबरों की माने तो एमबाप्पे इन दिनों एक ट्रांसजेंडर सुपर मॉडल को डेट कर रहे हैं. उनकी जो तस्वीरें वायरल हो रही है उसमें वह इनेस राउ के साथ नजर आ रही हैं. कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इनेस ट्रांसजेंडर हैं सालों पहला इसका खुलासा कर चुकी हैं.

एम्बाप्पे और इनेस को पहली बार कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक साथ देखा गया था. इसके बाद दोनों की एक और तस्वीर वायरल हुई जिसमें दोनों यॉट पर नजर आए थे. फोटो में राउ एम्बाप्पे की गोद में नजर आ रही हैं. दोनों काफी रोमांटिक अंदाज में दिखाई दिए. इसी के बाद से दोनों के डेट करने की खबरें सामने आई थी.

कायलिन एम्बाप्पे दुनिया के सबसे बड़े सुपर स्टार खिलाड़ियों में शामिल है. वह इन दिनों अपने साथी खिलाड़ी नेमार और लियोनल मेसी के साथ अनबन के कारण चर्चा में है. मैदान पर खिलाड़ियों के बीच अनबन साफ नजर नजर आ रही है जिससे फैंस काफी निराश हैं. सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल भी किए जा रहे हैं.

विकिपीडिया में अर्शदीप को खालिस्तान से जोड़ा गया

सरकार ने विकिपीडिया के अफसरों को भेजा नोटिस, कहा- क्रिकेटर के परिवार को खतरा हो सकता है

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। अर्शदीप ने आसिफ का कैच तब छोड़ा था, जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था। इसके बाद कप्तान रोहित नाराज हो गए थे। विकिपीडिया पर भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का नाम खालिस्तान से जोड़ने के मामले में भारत सरकार सख्त हो गई है। उसने विकिपीडिया के अफसरों को नोटिस जारी किया है। IT मंत्रालय ने कहा, 'यह अर्शदीप के परिवार के लिए खतरा बन सकता है। साथ ही देश का माहौल बिगाड़ सकता है।' एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच में कैच छोड़ने के बाद से ही अर्शदीप को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। एक एक्टिविस्ट ने बताया कि पाकिस्तानी अकाउंट्स से अर्शदीप को खालिस्तानी बताने की साजिश रची जा रही है। एक्टिविस्ट ने ऐसे 8 अकाउंट्स की डीटेल भी पोस्ट की थी।

विकी में इंडिया की जगह खालिस्तान लिखा

पाक की जीत के बाद पाकिस्तानी फैंस ने अर्शदीप की विकिपीडिया प्रोफाइल में उन्हें 2018 में अंडर-19 वर्ल्ड कप में खालिस्तानी टीम का हिस्सा बताया। इसके बाद भारतीयों के नाम पर अकाउंट्स बनाकर उन्हें खालिस्तानी कहकर ट्रोल करने लगे। अर्शदीप भारत की अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे।

अर्श ने आसिफ का कैच छोड़ा था

रविवार को एशिया कप के सुपर फोर मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 5 विकेट से हराया। अर्शदीप सिंह ने 18वें ओवर में आसिफ अली का आसान-सा

कैच छोड़ दिया था। इसके बाद आसिफ ने 8 गेंदों में 16 रन बनाते हुए पाकिस्तान को मैच जिता दिया। रवि बिश्नोई की बॉल पर जब आसिफ का कैच, छूटा तब वे खाता भी नहीं खोल पाए थे।

भज्जी सपोर्ट में आए

पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का बचाव करते हुए लिखा- 'अर्शदीप सिंह को कोसना बंद करो, कोई जान बूझकर कैच नहीं छोड़ता है। पाकिस्तान ने बेहतर क्रिकेट खेला। यह शर्मनाक है कि कुछ लोग हमारी टीम और अर्शदीप को लेकर सोशल मीडिया पर घटिया बातें कर रहे हैं। अर्शदीप गोल्ड है।'

अर्शदीप की गलती पर भड़के थे कप्तान रोहित

रवि बिश्नोई पाकिस्तान के मैच में भारत के सबसे सफल गेंदबाज साबित हो रहे थे। लेग स्पिनर बिश्नोई अपनी गेंदबाजी के जरिए पाकिस्तान के लिए मुश्किल खड़ी कर रहे थे। ऐसे में कप्तान रोहित ने 18वें ओवर की जिम्मेदारी भी बिश्नोई को दी, लेकिन इस ओवर में अर्शदीप की एक गलती ने कप्तान को इतना गुस्सा दिलाया कि वो बीच मैदान में उन पर चीख पड़े। बिश्नोई ने अपनी शुरूआती दो बॉल में सिर्फ दो रन दिए थे। ओवर की तीसरी बॉल पर असिफ अली ने स्लॉग शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले के एज से लगकर ऊपर उठ गई। ऐसा लगा कि अर्शदीप आसानी से कैच लपक लेंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं और गेंद उनके हाथ से लगकर नीचे गिर गई। मैच में इतना महत्वपूर्ण कैच छूटा तो कप्तान रोहित ने अपना आपा खो दिया। उनका गुस्सा साफ देखा जा सकता था।

अर्शदीप ने अच्छी गेंदबाजी की पर कैच छोड़ा

23 साल के इस तेज गेंदबाज अर्शदीप ने मुकाबले में प्रभावी गेंदबाजी की। उन्होंने 3.5 ओवर डाले और 27 रन देकर एक विकेट हासिल किया। वहीं, रवि बिश्नोई ने अपने कोटे के 4 ओवर में 26 रन खर्च करते हुए एक विकेट हासिल किया।

विराट का दर्द- सबके पास नंबर, बात धोनी ने की

कप्तानी विवाद पर बोले- लोगों का काम टीवी पर बोलना, मैं मुंह पर बोलूंगा

खेल डेस्क,5 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले काफी दिनों से आपका बल्ला खामोश रहा और हर तरफ आपकी आलोचना हुई। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने आपका सपोर्ट किया, तो बहुत से लोगों ने आपके बारे में भला-बुरा बोला। इस दौरान आपने खुद को कैसे संभाला?

पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को भारत को मिली हार के बाद जब विराट कोहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए तो उनसे एक पत्रकार ने ये सवाल किया,

लेकिन जब कोहली ने इसका जवाब दिया तो हर कोई हक्का-बक्का रह गया।

विराट ने कहा, 'जब मैंने टेस्ट कैप्टेंसी छोड़ी तो मुझे सिर्फ एक इंसान का मैसेज आया। जिनके साथ मैंने खेला हुआ है पहले...वो हैं एमएस धोनी। और बहुत लोगों के पास मेरा नंबर है, मतलब...टीवी पर बहुत लोग सजेशन देते हैं, टीवी पर लोगों के पास बोलने के लिए बहुत कुछ होता है, पर जिनके पास मेरा नंबर है, किसी का और मैसेज नहीं आया। तो एक रिस्पेक्ट जो एक कनेक्शन होता है किसी के साथ, वो जब सच्चा होता है, तो इस तरीके से होता है, क्योंकि दोनों तरफ से सिक्युरिटी होती है। न उनको मुझसे कुछ चाहिए। न मुझे उनसे कुछ चाहिए। और न मै कभी उनसे इनसिक्योर था और न वो कभी मुझसे इनसिक्योर थे। बस मैं इतना ही कह सकता हूं कि मैं यदि किसी के बारे में कुछ बोलना चाहता हूं तो मैं उससे खुद बात करता हूं। अगर आपको हेल्प भी करनी है किसी की।

टी20 क्रिकेट में बहुत ही कम गेंदबाज विकेट ले पाते हैं

बल्लेबाज खुद अपना विकेट गिफ्ट कर देते हैं; पूर्व ओपनर का दावा

भारत ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट पर 181 रन का स्कोर बनाया, लेकिन इसके बावजूद उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए और पाकिस्तान ने एक गेंद बाकी रहते 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने टी20 क्रिकेट में उन गेंदबाजों की कमी के बारे में बात की, जो अपनी मर्जी से विकेट लेते हैं। सहवाग का मानना है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में केवल कुछ ही गेंदबाज, ऐसे होते हैं जो वास्तव में विकेट लेते हैं क्योंकि बल्लेबाज

खुद ही उन्हें उपहार में अपना विकेट दे देते हैं। भारत को एशिया कप 2022 में चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सहवाग ने मैच के बाद कहा कि गेंदबाज विकेट निकालने से ज्यादा रन बचाने के लिए गेंदबाजी करते हैं।

सहवाग ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, टी20 क्रिकेट में बहुत कम गेंदबाज होते हैं जो विकेट चटकाते हैं।आमतौर पर, ये बल्लेबाज होते हैं जो या तो स्लेजिंग करके अपना विकेट गिफ्ट कर देते हैं फिर रन आउट हो जाते हैं।

बहुत कम गेंदबाज जो यॉर्कर फेंककर विकेट हासिल कर सकते हैं। गेंदबाजों को डर लगता है। भारत ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट पर 181 रन का स्कोर बनाया, लेकिन इसके बावजूद उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए और पाकिस्तान ने एक गेंद बाकी रहते 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

2024 में गैर–भाजपा सरकार बनने के बाद देश में किसानों को मिलेगी मुफ्त बिजली : केसीआर

सीएम ने किया निजामाबाद जिले में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर क शुभारंभ

निजामाबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेतृत्व को अपने पहले मास्टर स्ट्रोक में, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को घोषणा की कि 2024 के लोकसभा चुनावों में एक गैर–भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

निजामाबाद जिले में एक शानदार एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) और टीआरएस पार्टी जिला मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद निजामाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने विशाल सभा से पूछा कि क्या मुझे राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करना चाहिए?

जब जनता ने जोरदार तालियों के साथ हां कहा, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि वह निजामाबाद से राष्ट्रीय राजनीति की यात्रा शुरू करेंगे। यह आरोप लगाते हुए कि केंद्र सरकार प्रमुख क्षेत्रों के विकास में विफल रही है, उन्होंने कहा कि किसानों को कमजोर करने के लिए एक खतरनाक साजिश रची गई है, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े कॉर्पोरेट व्यवसायियों को उनकी जमीन खरीदने में मदद मिली। इसी साजिश के तहत केंद्र सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि किसान यूरिया और खाद के दाम बढ़ाने के अलावा कृषि पंपसेटों पर बिजली के मीटर लगाएं। उन्होंने कहा कि इन सभी का उद्देश्य किसानों को नुकसान में धकेलना और उन्हें एक विकट स्थिति में डालना है, ताकि उन्हें कृषि छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सके। पुराने कलेक्ट्रेट परिसर को वातानुकूलित सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने और अन्य विकास कार्यों को लेने के लिए, चंद्रशेखर राव ने निजामाबाद शहरी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ रुपये की घोषणा की। उन्होंने मौजूदा निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के अलावा जिले के आठ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रत्येक के लिए 10 करोड़ रुपये की घोषणा की।

वाईएस शर्मिला का कल्वाकुर्ती विधानसभा क्षेत्र में गर्मजोशी से स्वागत

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला का आज उसी निर्वाचन क्षेत्र के कल्वाकुर्ती मंडल के येल्लीकल गांव में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने अपने आठ साल के शासन में केवल राज्य के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि केसीआर की राजनीति स्वार्थ से भरी है। उन्होंने उपहास किया कि केसीआर राज्य में जब भी चुनाव होंगे तो उनके घर से बाहर आ जाएंगे और कहा कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होने के बाद से सीएम अपने आवास से बाहर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम अब उपचुनाव को ध्यान में रखते हुए पिछले विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा करने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सीएम चुनाव के बाद लोगों के पास नहीं लौटेंगे और खुद को अपने फार्म हाउस तक सीमित रखेंगे। उन्होंने केसीआर से पूछा कि उन्होंने उनके द्वारा वादा की गई योजनाओं को लागू क्यों नहीं किया।

तेलंगाना में सरकारी स्कूलों में बढ़ रहे हैं छात्रों के दाखिले : सबिता

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हासिल करने के लिए पूरा देश तेलंगाना की ओर देख रहा है। सोमवार को यहां रवींद्र भारती में शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति सर्वेपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना में शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई पहल की हैं।

मन ऊरु–मन बड़ी कार्यक्रम सरकारी स्कूलों का चेहरा बदल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है और साल दर साल सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में सबसे अधिक गुरुकुल स्कूल हैं जो गरीब बच्चों को मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाला एक राज्य है। इस अवसर पर बोलते हुए खेल मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि उन निजी स्कूलों के खतरे को रोकने की जरूरत है जो शिक्षा सिखाने के बजाय पैसा कमाने के उद्देश्य से चल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार तेलंगाना के प्रति भेदभाव दिखा रही है और राज्य में शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए पर्याप्त धन जारी नहीं कर रही है।

गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा कि शिक्षक ही हैं जो छात्रों को हर क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं और उन्हें जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि एक अच्छे समाज का निर्माण सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के कारण ही हो सकता है। शिक्षक एक छात्र के जीवन में अंतिम रोल मॉडल होते हैं।

तेलंगाना ने डेंगू के खिलाफ युद्ध की घोषणा की, मंत्रियों ने की स्थिति की समीक्षा

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना में डेंगू और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों के खतरे का मुकाबला करने के लिए युद्ध स्तर पर कई उपाय शुरू किए हैं। डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के मामलों को रोकने के लिए एक चौतरफा युद्ध के हिस्से के रूप में, स्वास्थ्य विभाग अन्य सरकारी विभागों के साथ समन्वय में जीएचएमसी के तहत क्षेत्रों सहित तेलंगाना के सभी नगर निगमों में बुखार सर्वेक्षण करेगा।

सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव और एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामाराव के साथ विभिन्न स्वास्थ्य विभागों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक में, सभी निगमों में घर–घर बुखार सर्वेक्षण के अलावा अधिक से अधिक व्यक्तियों को बूस्टर कोविड खुराक देने का प्रयास तेज करने का निर्णय लिया गया।

जुलाई में वापस, तेलंगाना में पुष्टि किए गए डेंगू के मामलों की संख्या लगभग 542 थी और अगस्त में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़कर 1827 हो गई है। तेलंगाना के कई शहरी केंद्रों में डेंगू संक्रमण के बढ़ने की स्पष्ट प्रवृत्ति है और यह सही है। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव और एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए एक चौतरफा युद्ध शुरू करने का समय आ गया है।

जुआ खेलने वाले 8 गिरफ्तार, 3.59 लाख रुपये नकद जब्त

वारंगल, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स की टीम ने जुआ के आरोप में आत्माकूर थाना क्षेत्र के एनएसआर होटल के मालिक संपत राव के घर से आठ लोगों को गिरफ्तार कर रविवार रात उनसे 3.59,040 रुपये जब्त कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्तियों को सौंप दिया और आगे की कार्रवाई के लिए संपत्ति आत्माकूर पुलिस को जब्त कर लिया। गिरफ्तार लोगों में कंकनला करुणाकर रेड्डी, बंदी बलराम कृष्णा, मुस्का शिवा रेड्डी, सुरम दामोदर रेड्डी, वद्दीराजू कवि कुमार, रचेरला गोपी, कोल्लूरी अरुण, मुनिगा रणधीर और एक और आरोपी संपत शामिल हैं।

बंडी ने सरकार को दी गणेश प्रतिमा विसर्जन में बाधा नहीं डालने की चेतावनी

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज राज्य सरकार को उच्चतम न्यायालय के आदेश के बहाने शहर के टैंक बंध के हुसैन सागर झील में आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी दी। इस मुद्दे पर यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के नेतृत्व वाली राज्य सरकार हर साल गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान तनावपूर्ण माहौल पैदा कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण प्रदूषण के बहाने उत्सव में बाधा डालने की साजिश कर रही है। भक्तों को सार्वजनिक रूप से उत्सव मनाने के लिए राजस्व, पुलिस, अग्निशमन और बिजली विभागों से अनुमति लेने के लिए मजबूर किया जाता है। इन सभी अनुमतियों को लेने के बाद भी, अधिकारी गणेश निमज्जनम उत्सव के लिए बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसी भी हिंदू त्योहार को कानून और व्यवस्था के मुद्दे के रूप में मना रही है। संजय ने आश्चर्य जताया कि राज्य सरकार ने उत्सव शुरू होने के तीन दिन बाद भी गणेश विसर्जन की कोई व्यवस्था क्यों नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्य सचिव सोमेश कुमार, जो नियमित रूप से अदालती आदेशों का उल्लंघन करने के लिए कुख्यात हैं, विसर्जन कार्यक्रम को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को बहाने के रूप में दिखा रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार को याद दिलाया कि गंभीर कोविड –19 महामारी के दौरान भी, सरकार ने हैदराबाद के पुराने शहर में रमजान त्योहार के अवसर पर मुसलमानों को रैलियों की अनुमति दी थी। जब सरकार ने मुसलमानों को बादाम और पिस्ता बांटे तो हमने कोई आपत्ति नहीं की। लेकिन साथ ही इसने गांधी अस्पताल में कोविड–19 का इलाज करा रहे लोगों की घोर उपेक्षा की।

यह कहते हुए कि भाजपा शांतिपूर्ण माहौल में 10 दिवसीय गणेश उत्सव का आयोजन चाहती है, संजय ने आरोप लगाया कि हालांकि भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति ने निमाज्जनम के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं, सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कोई व्यवस्था नहीं कर रही है। अगर सरकार भक्तों को उनकी सुविधा के अनुसार गणेश प्रतिमाओं के विसर्जित करने में सहयोग नहीं करती है तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम निमाज्जनम की लड़ाई प्रगति भवन तक उठाएंगे। हिंदू समुदाय केसीआर से डरता नहीं है, जो एक विशेष समुदाय के वोट हासिल करने के लिए कानून–व्यवस्था की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

शिक्षकों की गिरफ्तारी की निंदा

संजय ने 13 जिलों के सैकड़ों शिक्षकों की गिरफ्तारी की भी निंदा की, जो शिक्षक दिवस पर टीआरएस सरकार के ध्यान में विवादास्पद जीओ नंबर 317 पर अपनी कठिनाइयों को लाने की कोशिश कर रहे थे। यह कहते हुए कि केसीआर ने शिक्षण समुदाय के लिए पूरी तरह से अवहेलना की, भाजपा अध्यक्ष ने गिरफ्तार शिक्षकों की बिना शर्त रिहाई और मुख्यमंत्री से माफी की मांग की। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भाजपा छंटनी किए गए होमगार्डों के साथ खड़ी रहेगी, जिन्होंने उन्हें यह कहते हुए एक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया कि सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद उनके मुद्दों को हल करने के लिए कम से कम परेशान है। संजय को अनुकंपा के आधार पर पंचायत राज विभाग में नियुक्ति की मांग करने वाले कई उम्मीदवारों से एक अभ्यावेदन भी मिला। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल से विभाग में अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां नहीं हुई हैं, जिससे 1500 से अधिक अभ्यर्थियों को परेशानी हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को राज्य सरकार के समक्ष उठाएंगे।

बेहतर समाज के निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने सोमवार को कहा कि बच्चों में नैतिक मूल्यों की स्थापना कर एक अच्छे समाज के निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। यहां शिक्षक दिवस समारोह में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को पुरस्कार वितरित करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि शिक्षकों को दूसरों के लिए प्रेरणादायी जीवन व्यतीत करना चाहिए। अधिकांश छात्र अपने शिक्षकों को अपने जीवन में आदर्श मानते हैं। शिक्षक भी समाज में राय बनाने वाले होते हैं क्योंकि लोग उनकी बातों का सम्मान और भरोसा करेंगे।

ग्रीन इंडिया चैलेंज में शामिल हुईं अभिनेत्री सुमया रेड्डी

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेत्री सुमया रेड्डी सोमवार को जुबली हिल्स में पौधे लगाकर राज्यसभा सांसद जे. संतोष कुमार की ग्रीन इंडिया चैलेंज (जीआईसी) पहल में शामिल हुईं। इस अवसर पर बोलते हुए, सुमया रेड्डी ने जीआईसी की अनूठी पहल की सराहना की, जो तेलंगाना में हरित आवरण बढ़ाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि मुझे सांसद संतोष कुमार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए, क्योंकि जीआईसी पहल चार साल बाद भी कायम है। अगली पीढ़ी के लिए हरित आवरण में सुधार और पर्यावरण का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है और जीआईसी ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं चाहती हूं कि तेलंगाना का हर व्यक्ति इस पहल को अपनाए और पौधे लगाए। यह जीआईसी जैसी पहल है जिसने लोगों को विशेष रूप से भारत के शहरी केंद्रों में हरित संरक्षण के महत्व का एहसास कराया है। पौधे लगाने के बाद, सुमया रेड्डी ने तुषार, निहारिका कोनिडेला और श्रुति को जीआईसी पहल को आगे बढ़ाने के लिए नामित किया।

भारत सरकार के अलावा कोई नहीं चला सकता है आम जनता की रेल : डॉ. राघवय्या

रेलवे का निजीकरण जनता के हित में नहीं, जानवरों की तरह काम करते है रेलकर्मी

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मैन (एनएफआईआर) के महासचिव डॉ. एम. राघवय्या ने कहा कि भारतीय रेलवे का निजीकरण देश की जनता के हित में नहीं है। रेलकर्मी अपने स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि रेल को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। निजीकरण के बाद रेल उद्योगपतियों की हो जाएगी और वे जनता की जेब पर डाका डालेंगे। रेल सिर्फ और सिर्फ भारत सरकार चला सकती है और दूसरा कोई ऐसा नहीं कर सकता। रेलवे स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, सिकंदराबाद में 5, 6 व 7 सितंबर तक तीन दिवसीय एनएफआईआर के 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर डॉ. एम. राघवय्या ने 'स्वतंत्र वार्ता' से खास बातचीत की। उन्होंने बताया कि 50 साल बाद हैदराबाद में एनएफआईआर के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। पहली बार हैदराबाद में वर्ष 1972 में सम्मेलन हुआ था। रेलवे के निजीकरण को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. राघवय्या ने कहा कि रेलकर्मी अपने स्वार्थ के लिए आंदोलन नहीं कर रहा है। उसे आम भारतियों के हित और रेल को बचाने की चिन्ता है। निजीकरण होने के बाद जनता को 100 रूपए का टिकट 300 रूपए में मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2024 तक फायदे वाले 70 प्रतिशत रूट उद्योगपतियों को बेचने की योजना है।

घाटे वाले बचे 30 प्रतिशत रूट को चलाने की जिम्मेदारी रेल कर्मचारियों को मिलेगी। उन्होंने कहा कि रेल को बचाने के लिए एनएफआईआर अपना झंडा और एजेंडा छोड़ने को तैयार है। देश की सभी यूनियन मिलकर रेल को निजीकरण से बचाने के लिए सिंगल एजेंडे पर काम करेगी। रेलवे के लगातार घाट होने पर प्रश्न पर डॉ. राघवय्या के तेवर तीखे हो गए। उन्होंने कहा कि कौन कहता है कि रेल घाटे में है। अभी 2021–22 में रेलवे की आय में इजाफा हुआ है। हर साल विभिन्न मदों का केन्द्र सरकार को रेलवे को लगभग 55 हजार करोड़ रुपए देना होता है। इस बकाये को सरकार नहीं दे रही है। पूर्वोत्तर राज्यों को सब्सिडी पर माल परिवगन किया जा रहा है। रक्षा के सामानों को रेल परिवहन कर रही है। इसका पैसा कौन रेलवे को दे रहा है। रेलवे का निजीकरण नहीं होने दिया जाएगा। रेलवे को बचाने के लिए रेलकर्मी 30 मिनट अधिक बिना वेतन को काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने की निजीकरण के विरोध में जनता की रेल बचाने के लिए जनता की अदालत में जाएंगे। देश के युवा, शिक्षक, छात्र, महिला, किसान, व्यापारियों आदि सभी के सामने अपना पक्ष रखेंगे। उनकी राय के बाद आंदोलन को तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 हजार किलोमीटर रेल लाइन नई बनी है। नई रेल लाइन के बाद कर्मचारियों की भरती हुई। अभी रेलवे में करीब ढ़ाई लाख पद खाली है। रेलकर्मियों पर वर्कलोड बहुत है। आए दिन रेलकर्मियों पर कम काम करने और आरामतलब तरीके से नौकरी के आरोप लगने को लेकर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते समय डॉ. राघवय्या बेहद भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि इस आरोप की सच्चाई जानने के लिए पीएम, रेलमंत्री, विभिन्न दलों के नेताओं, आरोप लगाने वालों को एक दिन ट्रैक मैन के काम का प्रैक्टिल अनुभव करना चाहिए। गर्मी, बारिश, जाड़े, घूप में रेल लाइन पर प्रतिदिन 6 किलोमीटर आते और जाते है। इतना ही नहीं उनकों जंगलों, रेगिस्तान, पहाड़ों में ड्यूटी करनी पड़ती है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि कोई भी एक दिन ट्रैक पर जाएगा तो एक सप्ताह तक बेड पकड़ लेगा। कई रेलकर्मी जहरीले जानवरों के शिकार हो जाते है। हर दिन देश में दो रेलकर्मी ड्यूटी के दौरान मर रहा है। हम रेलकर्मियों के हक के लिए आरपार संघर्ष करेंगे। रेलकर्मियों और देश की जनता के हित से जुड़े मामले को लेकर रेलमंत्री, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को कई बार अवगत करा चुका हूं। तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी।

डीके अरुणा ने पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की जमकर खिंचाई की और उनसे पूछा कि वह पालमुरु–रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं। एक बयान में, उन्होंने राज्य के पर्यटन और आबकारी मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ द्वारा केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडे की महबूबनगर जिले की यात्रा के खिलाफ की गई टिप्पणियों की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद महबूबनगर जिले से कोई पलायन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जिस मंत्री में महबूबनगर जिले की उपेक्षा के लिए सीएम से सवाल करने की हिम्मत नहीं है, उसे भाजपा नेताओं की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि टीआरएस नेताओं को पालमुरु–रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना का नाम भी नहीं पता होता, यदि वह अपेक्षित सर्वेक्षण करने के बाद राज्य सरकार को रिपोर्ट नहीं देतीं।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद राज्य सरकार ने पलामुरु जिले के लिए कुछ नहीं किया।

नई आसरा पेंशन से कई लोगों के चेहरे पर लौटी चमक

नलगोंडा, 5 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार द्वारा बिना किसी समस्या के उन्हें स्वीकृति पत्र जारी किए जाने के बाद पात्र आयु को घटाकर 57 वर्ष करने के बाद वृद्धावस्था पेंशन की मंजूरी कई लाभार्थियों के लिए सुखद आश्चर्य के रूप में आई है। अधिक दिलचस्प बात यह है कि कई लाभार्थियों ने कहा कि उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन किया था और इसके लिए उन्हें सरकारी कार्यालयों या विधायकों के कार्यालयों में कोई चक्कर नहीं लगाना पड़ा। एक पेंशन पाने वाले एक वयोवृद्ध ने यह बताया कि मैंने एक मीसेवा केंद्र में पेंशन के लिए आवेदन किया था और मुझे सूचित करने के लिए एक कॉल आया कि पेंशन स्वीकृत हो गई है। मैं बिना किसी मुद्दे के पेंशन मंजूर करने के लिए सरकार का शुक्रगुजार हूं। उनके दो बेटे आजीविका की तलाश में हैदराबाद चले गए और उनकी देखभाल के लिए गांव में कोई नहीं है, लेकिन पेंशन की मंजूरी के साथ, मुझे विश्वास है कि मैं किसी पर निर्भर नहीं रहूंगा। एक अन्य लाभार्थी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की वृद्धावस्था पेंशन की आयु सीमा को घटाकर 57 वर्ष करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए प्रशंसा की। वह 58 वर्ष के है और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपनी आजीविका कमाने के लिए कोई काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने मी सेवा केंद्र पर आसरा पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है और ग्राम सचिव के माध्यम से पेंशन स्वीकृत होने की जानकारी ली है। उन्हें आसरा पेंशन का आईडी कार्ड और स्वीकृति पत्र मिला है।

आयु सीमा कम करने के बाद वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि वह एक भूमिहीन खेतिहर मजदूर है और उनकी उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्या उन्हें पिछले दो वर्षों से अपना काम जारी नहीं रखने दे रही है। वह पिछले दो वर्षों से दयनीय जीवन व्यतीत कर रहा है। पेंशन मिलने के साथ अब समस्या हल हो गई है।

नलगोंडा जिले में, आसरा पेंशन की कुल संख्या को 2,20,187 तक ले जाते हुए कुल 51,007 नई पेंशन स्वीकृत की गईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 51,007 नई स्वीकृत पेंशनों में से, 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धावस्था पेंशन के लिए 4.366 पेंशन, 4,440 विकलांग पेंशन, 13,188 विधवा पेंशन, 598 बुनकर पेंशन, 1,278 ताड़ी टैपर पेंशन, 777 एकल महिला पेंशन, 531 एआरटी पेंशन और 487 फाइलेरिया पेंशन।

सूर्यापेट जिले में, 33,808 नई पेंशन, जिसमें 57 से 64 वर्ष की आयु के लिए 20,117 नई पेंशन, 65 वर्ष से अधिक आयु के 2,087 नए वृद्ध व्यक्ति, 1,718 विकलांग पेंशन, 8,722 विंडो पेंशन, 780 बुनकर पेंशन और 589 ताड़ी टैपर पेंशन और 477 एकल महिला पेंशन शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह–सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया–कराया, सास–बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति–पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ–बहनें निःसंकोच अपना घर–मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.